THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 173 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.11 2081 शनिवार, 14 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

## राशन घोटाले मामले में ईडी की कई जगह छापेमारी

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राशन घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कई स्थानों पर छापेमारी की। संघीय जांच एजेंसी की विभिन्न टीमों ने इस छापेमारी को अंजाम दिया। ईडी के अधिकारियों ने जॉयनगर, देगंगा, कल्याणी और बसंती में राशन व्यापारियों के घरों और दुकानों, एक खाद्य इंस्पेक्टर के आवास और एक सहकारी बैंक के ब्रांच में छापेमारी की। एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता में भी छापेमारी की गई।

इस छापेमारी का उद्देश्य करोड़ों रुपये के घोटाले के लिंक को उजागर करना है, जिसके लिए राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किया गया था।

# जेल से बाहर आए केजरीवाल

## 'मैं सही था, इसलिए भगवान ने साथ दिया'

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आ गए है। तिहाड़ के बाहर दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, पंजाब के सीएम भगवंत मान सहित बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। तिहाड़ के बाहर आने के बाद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, सबसे पहले मैं भगवान को आशीर्वाद के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा।

मैं यहां खड़ा हूं। मैं उन लाखों-करोड़ों लोगों का आभार व्यक्त करता हूं जो इस भारी बारिश में भी यहां आए। तिहाड़ जेल से निकलने के बाद अरविंद केजरीवाल अपने समर्थकों के साथ रोड शो किया हैं। उनका यह रोड शो उनके आधिकारिक आवास तक जारी था। अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद से ही आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जश्न में डूबे हुए हैं। आप के नेता और कार्यकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पार्टी कार्यालय पर जमकर जश्न मनाया और मिठाई बांटी। केजरीवाल समर्थकों का कहना है कि दिल्ली के सीएम के जेल से बाहर आने का हरियाणा और दिल्ली के विधानसभा चुनाव में दिखाई देगा। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को सुप्रीम की ओर से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल के रिहाई के आदेश जारी किए। स्पेशल जज राकेश स्याल ने केजरीवाल के वकीलों द्वारा अदालत के समक्ष 10 लाख रुपये का जमानती बांड और इतनी ही राशि की दो जमानतें दाखिल किए जाने के बाद यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकीलों के उस अनुरोध को भी स्वीकार किया कि केजरीवाल की तुरंत रिहाई के लिए विशेष कर्मचारी के जरिए से रिहाई आदेश भेजा जाए।

# 'पिंजरे में कैद तोता होने का भ्रम तोड़े सीबीआई'

## सुप्रीम कोर्ट की जांच एजेंसी को कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देते वक्त जस्टिस उज्जल भुइयां ने सीबीआई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि सीबीआई को उसके बारे में बने इस तरह के भ्रम को दूर करना चाहिए कि वह पिंजरे का तोता है। बार एंड बेंच के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने कहा कि सीबीआई के द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी का मकसद सिर्फ ईडी के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को मिली जमानत को बेअसर करना था। जस्टिस भुइयां ने ईडी के मामले में दी गई जमानत की शर्तों पर भी सवाल उठाए जिसमें केजरीवाल को मुख्यमंत्री सचिवालय जाने या फाइलों पर साइन करने से रोका गया है। उन्होंने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि उसका मकसद ईडी मामले में केजरीवाल को मिली जमानत को फेल साबित करना था।

उन्होंने कहा कि जिस तरह ने सीबीआई का इस मामले में स्टैंड रहा है, वो गिरफ्तारी पर ही अनेक गंभीर सवाल खड़े करती है। अरविंद केजरीवाल को जमानत देते हुए जस्टिस उज्जल भुइयां ने सीबीआई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि ऐसा लगता है कि ईडी मामले में निचली अदालत से मिली जमानत के बाद ही सीबीआई सक्रिय हुई।

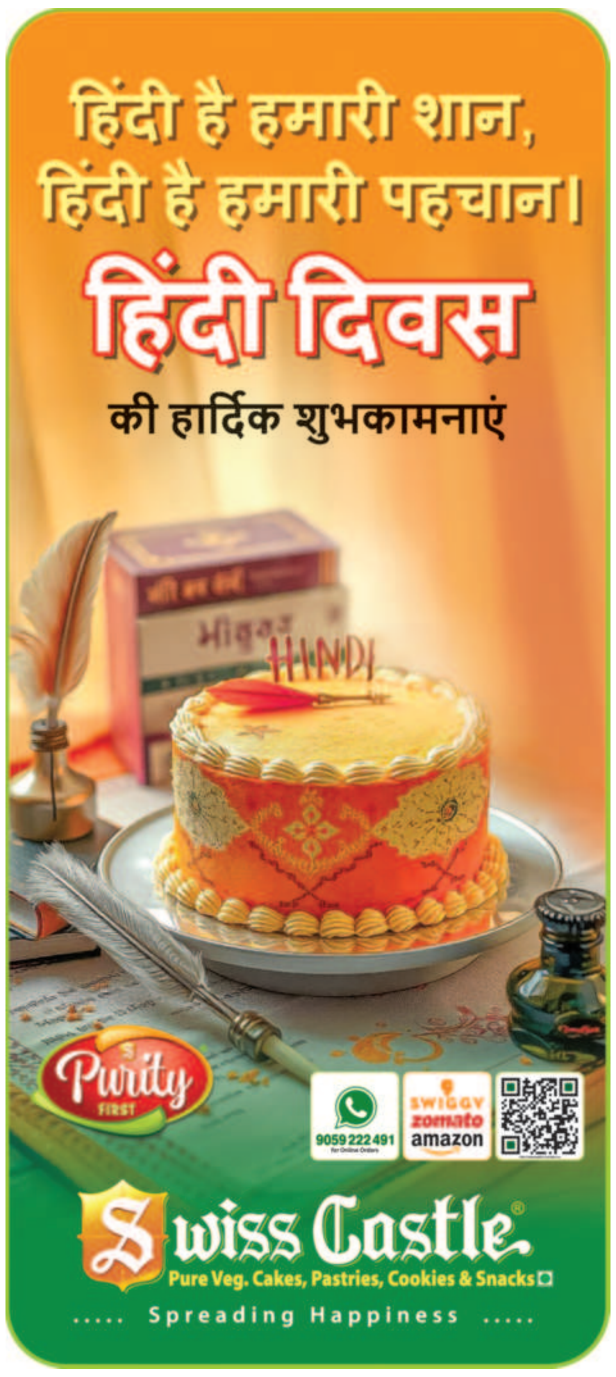


## गृह मंत्री बोले-पोर्ट ब्लेयर का नाम अब श्री विजय पुरम होगा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर विजयपुरम कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में पोर्ट ब्लेयर के नए नाम का एलान किया गया। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी विजन के तहत देश को औपनिवेशिक पहचान से मुक्त करने के लिए हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजय पुरम करने का निर्णय लिया है। अब गुलामी का एक और निशान मिटा दिया गया है। उन्होंने लिखा कि पहले के नाम में औपनिवेशिक विरासत थी। विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम में हासिल की गई जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। यह द्वीप क्षेत्र जो कभी चोल साम्राज्य के नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था, आज हमारी रणनीतिक और विकास आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनने के लिए तैयार है। यह वह स्थान भी है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगे को पहली बार फहराया था और वह सेल्युलर जेल भी है जहां वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संघर्ष किया था।

# सीतारमण से मांफी मांगने वाले वीडियो पर भड़के राहुल

## सरकार को कहा अहंकारी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक वीडियो को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। दरअसल, वीडियो में एक रेस्तरां के मालिक को जीएसटी पर चिंता व्यक्त करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से माफी मांगते हुए देखा गया। कांग्रेस के नेताओं ने दो वीडियो साझा किया। एक वीडियो में 11 सितंबर को एक कार्यक्रम के दौरान अन्नापूर्णा रेस्तरां के मालिक श्रीनिवासन को जीएसटी की दरों पर चिंता व्यक्त करते हुए देखा गया। वहीं दूसरे वीडियो में श्रीनिवासन को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से माफी मांगते हुए देखा गया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दोनों वीडियो पर प्रतिक्रिया दी।

**राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा**

राहुल गांधी ने कहा, अगर यह अहंकारी सरकार लोगों की बात सुनेगी तो उन्हें समझ आएगा कि सरल जीएसटी दरें लाखों व्यवसायों की समस्याओं को हल करेगी। उन्होंने आगे कहा, जब एक छोटे से रेस्तरां अन्नापूर्णा के मालिक ने सरकार से सरल जीएसटी की मांग की तो उनके उनुरोध को अहंकार करार दिया गया। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाते हुए कहा, जब उनके अरबपति दोस्त कानून को बदलना चाहते हैं या राष्ट्रीय संपत्ति अर्जित करना चाहते हैं तो पीएम मोदी उनके लिए रेड कार्पेट बिछाते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, हमारे छोटे बिजनेस के मालिक पहले ही नोटबंदी, बैंकिंग प्रणाली, जबरन टैक्स वसूली और जीएसटी की मार झेल चुके हैं। अब जो उनके लिए आखिरी चीज बची है, वह है अधिक अपमान। सत्ता में बैठे लोगों के अहंकार को जब ठेस पहुंचती है तो वे अपमान ही करते हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई वर्षों से राहत की मांग कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि अगर यह अहंकारी सरकार लोगों की बात सुनकर यह समझ पाती की सरल जीएसटी से लाखों बिजनेस की समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।

# कोलकाता रेप-मर्डर : जूनियर डॉक्टरों ने राष्ट्रपति-पीएम को चिट्ठी लिखी

## दखल की मांग की, आरोपी संजय रॉय के नार्को टेस्ट के लिए सीबीआई कोर्ट पहुंची

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन 35वें दिन भी जारी है। डॉक्टरों और बंगाल सरकार के बीच प्रदर्शन खत्म करने पर सहमति नहीं बन पा रही है।

अब डॉक्टरों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मामले में दखल देने की मांग है। उन्होंने गुरुवार (12 सितंबर) की रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी को लेटर भेजा। उन्होंने लिखा- आपका दखल हमें चारों ओर से घिरे अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। देश के प्रमुख होने के नाते आपके सामने हम अपने मुद्दों को रख रहे हैं, ताकि हमारी बदकिस्मत साथी जो सबसे घृणित अपराध का शिकार हुई, उसे न्याय मिल सके और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के तहत हम स्वास्थ्य पेशेवर डर और आशंका के बिना जनता के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने में सक्षम हो सकें। इस मुश्किल समय में आपका हस्तक्षेप हम सभी के लिए प्रकाश की किरण के रूप में काम करेगा, जो हमें चारों ओर से घिरे अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा।

**सीएम ममता ने कहा- मैं इस्तीफा देने को तैयार :**

ममता सरकार और डॉक्टरों के बीच 12 सितंबर को तीसरी बार चर्चा नहीं हो सकी। सीएम ममता ने सचिवालय नबन्ना में दो घंटे इंतजार किया, लेकिन डॉक्टर मीटिंग के लाइव टेलीकास्ट की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं इस देश और दुनिया के लोगों से माफी मांगती हूं, जो उनका (डॉक्टरों) समर्थन कर रहे हैं, कृपया अपना समर्थन दें। मुझे समस्या नहीं है। अगर लोग चाहते हैं तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं। हालांकि, जूनियर डॉक्टर्स ने कहा कि उन्हें सरकार के साथ बातचीत न हो पाने का दुख है। उन्हें ममता बनर्जी का इस्तीफा नहीं चाहिए। वे अब भी बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि, वे बातचीत के लिए अपनी 4 शर्तों पर अड़े हुए हैं।

## सुप्रीम कोर्ट बोला बुलडोजर एक्शन कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर एक्शन देश के कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा है। किसी के अपराध में शामिल होने का आरोप उसकी संपत्ति ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता।

जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने एक घर गिराने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्प्पणी की। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है तो उसके पूरे परिवार या कानूनी तरीके से बनाए उसके घर पर एक्शन नहीं ले सकते हैं। सितंबर में यह दूसरा मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। इससे पहले 2 सितंबर को कोर्ट ने कहा था कि किसी केस में व्यक्ति दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

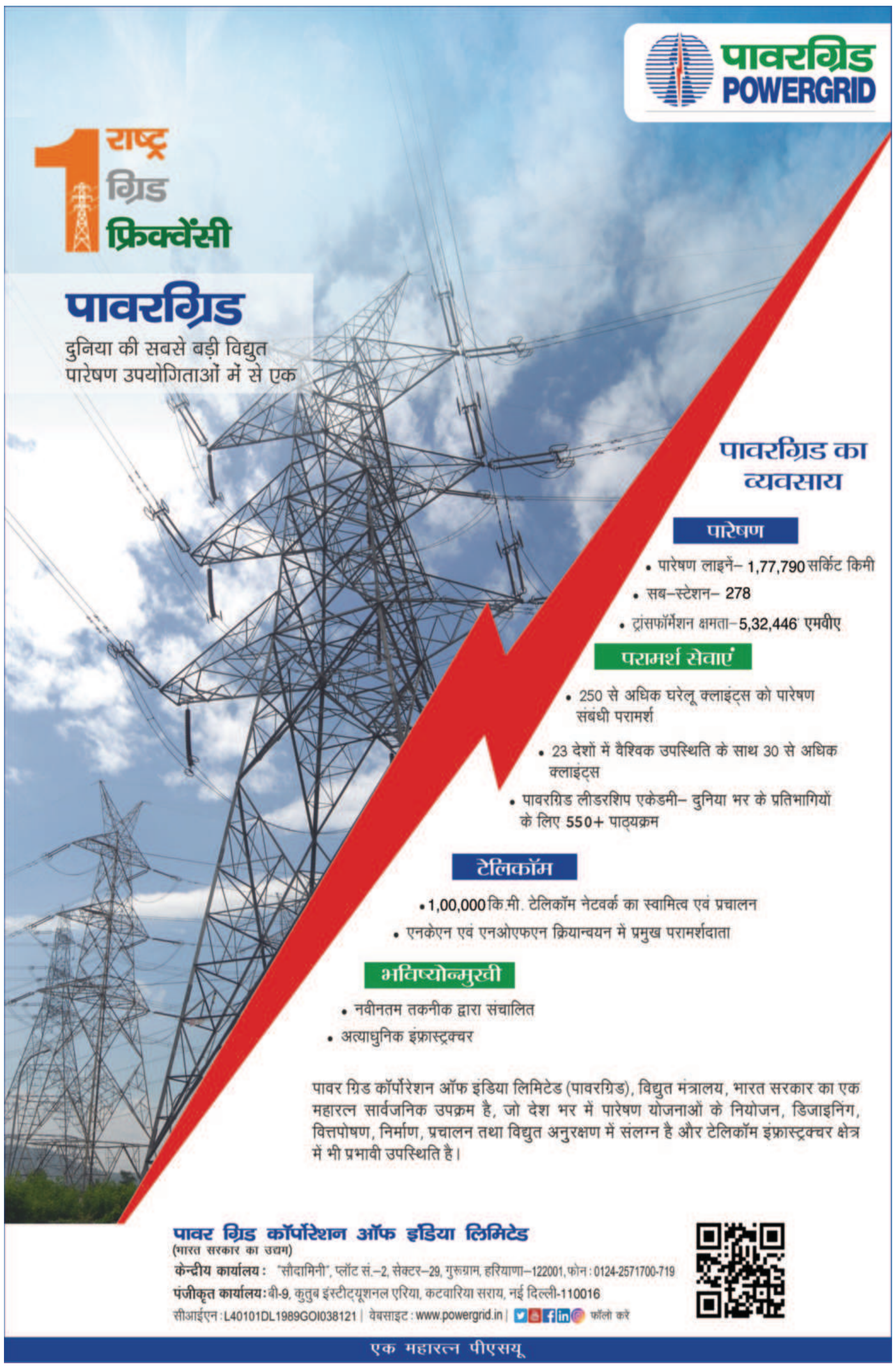


## दोहरी कामयाबी : लगातार दूसरे दिन वीएल-एसआरएसएएम मिसाइल का सफल परीक्षण

चांदीपुर (ओडिशा), 13 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में लगातार दूसरे दिन वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने ओडिशा के चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से वीएल-एसआरएसएएम मिसाइल का लगातार दूसरी बार सफल परीक्षण किया। वर्टिकल लॉन्चर से दागी गई मिसाइल की मदद से तेज गति वाले हवाई लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा गया। डीआरडीओ के मुताबिक, परीक्षण के दौरान हथियार प्रणाली वीएल-एसआरएसएएम ने सफलतापूर्वक लक्ष्य को ट्रैक किया और सटीक निशाना साधा।

## फिर महंगा हो सकता है रिचार्ज प्लान

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। निजी टेलीकॉम कंपनियों ने दो माह पहले अपने सभी रिचार्ज प्लान महंगे कर दिए है। कंपनियों के महंगे प्लान की वजह से मोबाइल यूजर्स की जेब पर पहले के मुकाबले 25 प्रतिशत तक बोझ बढ़ गया है। अब आने वाले दिनों में टेलीकॉम कंपनियां फिर से यूजर्स को एक बड़ा झटका दे सकती है।

ट्राई की नई पॉलिसी की वजह से ये कंपनियां एक बार फिर से अपने रिचार्ज प्लान महंगे कर सकती है। दरअसल, दूरसंचार नियामक ने दूरसंचार विभाग से फर्जी कॉल और मैसेज को लेकर नई पॉलिसी लाने के लिए कहा है। ये नई पॉलिसी 1 अक्टूबर 2024 से लागू हो जाएगा। इसके अंतर्गत जो टेलीकॉम कंपनियां इस नई पॉलिसी का पालन नहीं करेगी। उस पर भारी जुर्माना का प्रावधान किया गया है। वहीं ट्राई ने उन टेलीकॉम कंपनियों से भारी जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है, जो फर्जी कॉल्स और मैसेज रोकने में नाकाम रहेंगी। नियामक ने दूरसंचार विभाग से जुर्माना वसूलने के लिए टेलीकॉम कंपनियों की बैंक गारंटी जब्त करने तक का सुझाव दिया गया है। नई पॉलिसी के तहत टेलीकॉम विभाग कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने के बजाय भारी जुर्माना वसूलने वाली बात पर सहमत हो सकता है।

# कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या के आरोप तय

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। 1984 के सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दिल्ली की अदालत ने आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ हत्या, गैरकानूनी ढंग से एकत्र होना, दंगा करना, दंगा भड़काना, अलग-अलग गुटों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काना, घरों में जबरन घुसना और चोरी के आरोप तय किए हैं।

स्पेशल जज राकेश सियाल ने कहा है कि टाइटलर ने सीबीआई के आरोपों पर कहा था कि वे दोषी नहीं हैं। इसलिए अब टाइटलर के खिलाफ इन आरोपों के हिसाब से ही केस चलेगा। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। अदालत ने 30 अगस्त को पिछली सुनवाई में कहा था कि टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलाने के पर्याप्त सबूत हैं।

सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ 20 मई 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें कहा था कि टाइटलर ने भीड़ को उकसाया। इसके बाद गुरुद्वारे में आग लगाई। इस हिंसा में ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरु चरण सिंह मारे गए थे। चार्जशीट के मुताबिक, एक गवाह ने आरोप लगाया था कि जगदीश टाइटलर 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक एंबेसडर कार से बाहर निकले। इसके बाद उन्होंने भीड़ को उकसाते हुए कहा था- सिखों को मारों, उन्होंने हमारी मां को मारा है।

**कौन हैं जगदीश टाइटलर :**

जगदीश टाइटलर 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री थे, लेकिन विरोध के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उन्हें पिछले साल दिल्ली नगरपालिका चुनाव के लिए समिति में शामिल किया गया था, जिससे विवाद हो गया।

# सूचना प्रौद्योगिकी और राजभाषा

**डॉ. आर. विजय**
**निदेशक, एआरसीआई**

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलट कर देखें तो हमें महसूस होगा कि विदेशी शक्तियों के सामने भारत की पराजय का सबसे बड़ा कारण प्रौद्योगिकी में पिछड़ापन था। भाषा के मामले में भी लगभग ऐसी ही स्थिति रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचना प्रौद्योगिकी से न केवल हिंदी भाषा बल्कि लगभग सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान बड़ा है। वर्तमान में हिंदी भाषा सूचना प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान और अनुसंधानों को ग्रहण कर नए आयामों में ढलकर, भारत के विभिन्न भाषाओं के साथ, पूरे विश्व को अपनी विशेषताओं से प्रभावित कर रही हैं। और विश्व के सभी क्षेत्रों को अपने में समाहित कर विश्व भाषाओं में अपना प्रथम स्थान बनाने में निरंतर हर संभव प्रयास कर रही है, सिर्फ हमें अपनी रूढ़िवादी मानसिकता से बाहर निकलने की आवश्यकता है।

जिस तरह औद्योगिक विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं, उसी तरह पदार्थ और विनिर्माण प्रौद्योगिकियाँ भी प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के नवप्रवर्तन हेतु महत्वपूर्ण होती हैं। पिछले दो दशकों से एआरसीआई ने अभियांत्रिकी पदार्थों एवं उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अनन्य क्षमताओं का विकास किया है और वर्तमान में, एआरसीआई राष्ट्रीय मिशनों में भी अपना योगदान देने में पर्याप्त रूप से समर्थ है। "वैकल्पिक ऊर्जा पदार्थों एवं प्रणालियों" के लिए तकनीकी अनुसंधान केंद्र के अंतर्गत, एआरसीआई संगठन ऊर्जा रुपांतरण, संग्रहण और संरक्षण के लिए नवीन सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है। साथ ही औद्योगिक कल-पुर्जों और प्रणालियों की अस्तित्व अवधि को बढ़ाने के लिए विलेपन-प्रौद्योगिकियों को भी साकार किया जा रहा है। स्वास्थ्य-रखरखाव संबंधित प्रौद्योगिकियों का विकास करने की भी पहल की जा रही है। एआरसीआई इन प्रौद्योगिकी को राजभाषा हिंदी में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है ताकि युवा/विद्यार्थीगण और औद्योगिक संगठन इसका पूर्ण लाभ उठा सके। एआरसीआई अनुसंधान एवं विकास कार्य करने के साथ, हिंदी का प्रयोग निरंतर रूप से करता आ रहा है, जो अंत्यत प्रशंसनीय है।

हिंदी दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम मूल रूप से हिंदी के प्रयोग में अपना पूर्ण सहयोग देंगे। अनवरत विकसित प्रयासों की शुभकामनाओं के साथ एक बार फिर से सभी को हिंदी दिवस – 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

# हिंदी के माध्यम से हम विश्वभर में पहचाने जाते हैं

**डॉ. संजय कुमार झा, अध्यक्ष**
**एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि**

भारत की आजादी का अमृतकाल अभी तीन वर्ष पहले ही हमने मनाया। आज हम आजादी की लड़ाई में हमारे पूर्वजों का साथ देने वाली, अंग्रेजों से लोहा लेने वाली भाषा का अमृतकाल मना रहे हैं। मैं राजभाषा हिंदी की बात कर रहा हूँ। जी हाँ, इस वर्ष हम राजभाषा के जन्म की हीरक जयंती मना रहे हैं। आप सभी को राजभाषा हिंदी की हीरक जयंती की शुभकामनाएँ। राजभाषा ने इन 75 वर्षों में अपने स्थान को बनाए रखने के लिए बहुत ही सूझ-बूझ के साथ कदम बढ़ाएँ हैं। संविधान निर्माताओं ने जो भरोसा इस भाषा पर किया था, वह धीरे-धीरे ही मगर सही साबित हो रहा है। संघ सरकार की राजभाषा नीति सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर आगे बढ़ने की रही है। माननीय प्रधान मंत्री का
नारा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। इस नारे पर हिंदी भाषा पूरी तरह खरी उतरती है। बिना किसी भाषी को नाराज किए उसे अपने साथ लेकर आगे चलती है। वह भारत की अन्य भाषाओं की न कभी प्रतियोगी रही है, न है। वह तो अपने साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी विकसित होने का अवसर प्रदान करती है। हिंदी सभी भारतवासियों को विश्वास में लेना चाहती है कि वह विकसित होगी तो भारत की अन्य भाषाएं भी विकसित होंगी। इसे बल्कि इस तरह कहना चाहिए कि भारत की भाषाएँ विकसित होंगी तो हिंदी भी साथ में विकसित होगी। यह तभी संभव है जब सारे भारतवासी मिलकर प्रयास करेंगे। अंग्रेजी कोई बुरी भाषा नहीं है, लेकिन अपनी मातृभाषा की कीमत पर अंग्रेजी को हम लोगों ने 75 वर्षों से सिर चढ़ा रखा है। यह सत्य है कि हम सेवा प्रदान करने वाले राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने प्रस्तुत होते आए हैं। इसीलिए हमें अंग्रेजी का सहारा लेना पड़ा। इसी भाषा के दम पर हमने आज विश्वभर में सेवा प्रदान करने वाले देश के रूप में खूब नाम कमाया है। खूब दाम भी कमाया है। लेकिन अब हम सेवा लेने वाले बन रहे हैं। अर्थात हम क्रय करने वाले बन रहे हैं। उत्पादक बने रहे हैं। विक्रेता बन रहे हैं। आयातक से निर्यातक बनते जा रहे हैं। भारत आज विश्व का एक बड़ा बाजार है। सारे विश्व को हमारे देश में व्यापार की अपार संभावनाएँ दिख रही हैं। विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश करना चाहती हैं। यही सही मौका है कि हम विक्रेताओं को बताएँ कि यदि उन्हें हमारे देश में माल बेचना है तो हमारी भाषा में बेचना होगा। हम हमारी भाषा में माल खरीदेंगे। उनकी भाषा में नहीं। इसकी शुरुआत हो चुकी है। आप देखते होंगे कि विदेशी उत्पादों के विज्ञापन अब हमारी भाषा में आ आरे हैं। अंग्रेजी फिल्में हिंदी तथा भारत की अन्य भाषाओं में डब हो रही हैं। इसी तरह अन्य उत्पादों की बिक्री के लिए विदेशी व्यापारी हिंदी सीख रहे हैं। हिंदी में बोल रहे हैं। हिंदी में लिख रहे हैं।

हिंदी सरलता के साथ सभी विषयों के शब्दों को ग्रहण कर सकती है। तभी तो कंप्यूटर, टेलिफोन, टेलिविजन, वाट्सअप, सोशल मीडिया, ट्विटर, फेसबुक जैसे आधुनिक शब्द अब हिंदी के लगने लगे हैं। नए से नए विषय की संकल्पनाओं को व्यक्त करने के लिए हिंदी सक्षम बनती जा रही है। भारत सरकार इस बात पर बल दे रही है कि हिंदी राजभाषा के रूप में प्रशासनिक कामकाज की भाषा बनने के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान की भाषा बने। बाजार व व्यापार की भाषा बने। विदेशी मुद्रा कमाने की भाषा बने। हम जब कभी रूस, जर्मनी, फ्रांस आदि विदेशों से तकनीकी का हस्तांतरण करते हैं तो वे अपनी तकनीकी को अपने देश की भाषा में लिखकर देते हैं। हम उसका अनुवाद अंग्रेजी में करते हैं और उसे ही आगे बढ़ाते हैं। हमें चाहिए कि अब उसका अनुवाद हिंदी में करें और उस तकनीक का प्रसार हिंदी के माध्यम से करें। हम यह भी कर सकते हैं कि उन देशों से कहें कि वे अपने उत्पादों व तकनीक की जानकारी हिंदी में दें। उन्हें देना ही पड़ेगा।

## हिंदी के जरिए हमारे पारंपरिक ज्ञान की गंगा अविरल बहती रहे

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान,

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने केवल आयुर्वेद बल्कि अन्य पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान के विरासत को संजोगे रखने के प्रति आपने नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन विगत कई दशकों से करता आ रहा है। इसी श्रृंखला में संस्थान द्वारा विकसित साही पोर्टल के माध्यम से शिला लेख, ताम्र लेख आदि में संरक्षित आयुर्वेद वैद्यकीय विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा रहा है । अमर परियोजना के तहत देवनागिरि के साथ-साथ संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुरुमुखि, शारदा, ग्रन्था, ब्राह्मि, प्राकृत आदि लिपियों में निबद्ध चिकित्सा विज्ञान के दुर्लभ पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और कैटलॉगिंग जैसे कार्य हो रहे है । जब कि नमस्ते पोर्टल अपने आप में एक विशेष महत्व रखता है जो आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पद्धतियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईसीडी-10 और आईसीडी-11 की मानकीकृत शब्दावली और राष्ट्रीय रुग्णता संहिताओं के लिए व्यापक वेब-पोर्टल है । इसके आलावा संस्थान द्वारा कितपय आयुर्वेद, यूनानी चिकित्सा से संबंधित प्राचीन दुर्लभ ग्रंथों को वर्तमान परिपेक्ष में लोकोपयोगी बनाने के दिशा में उनके लिप्यंतरण और अनुवदात्मक कार्य के साथ साहित्यकीय अनुसंधान का कार्य भी सुचारु रूप से चल रहा है। इसी कार्य के स्वरूप 3 जून 2024 को इस संस्थान को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आधिकारिक तौर पर "पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए अगले चार साल तक अपने पहले सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया है। हमारे देश के चिकित्सा संपदा को संरक्षित रखने में प्रांतीय भाषायों का शत प्रतिशत योगदान रहा है और ऐसे भारतीय चिकित्सा धरोहर का चिकित्सा विज्ञान में कार्य करने वाले हर एक व्यक्ति को गर्व होना चाहिए। हाँलाकि देश ने एक लंबे समय तक ब्रिटिश शासन के अधीन गुजारा है अतः यह स्वाभाविक है कि शासन करता जिस भाषा नें सहजता महसूस करते थे उसे ही उन्होंने शासकीय कामकाज की भाषा चुना होगा। परंतु उनसे आजादी प्राप्त होने के बाद देश को एक सूत्र में पिरोये रखने का कार्य हिंदी ने ही किया है। देश में हो रहे अनुसंधान कार्य सर्व सामान्य लोगों के फायदे के लिए उनके द्वारा आत्मसात किए गए भाषा में पहुंचाना अधिक आवश्यक है न कि अंग्रेजी जैसे अंतर्राष्ट्रीय भाषा में उसे प्रस्तुत करना युक्ति संगत प्रतीत होता है ।


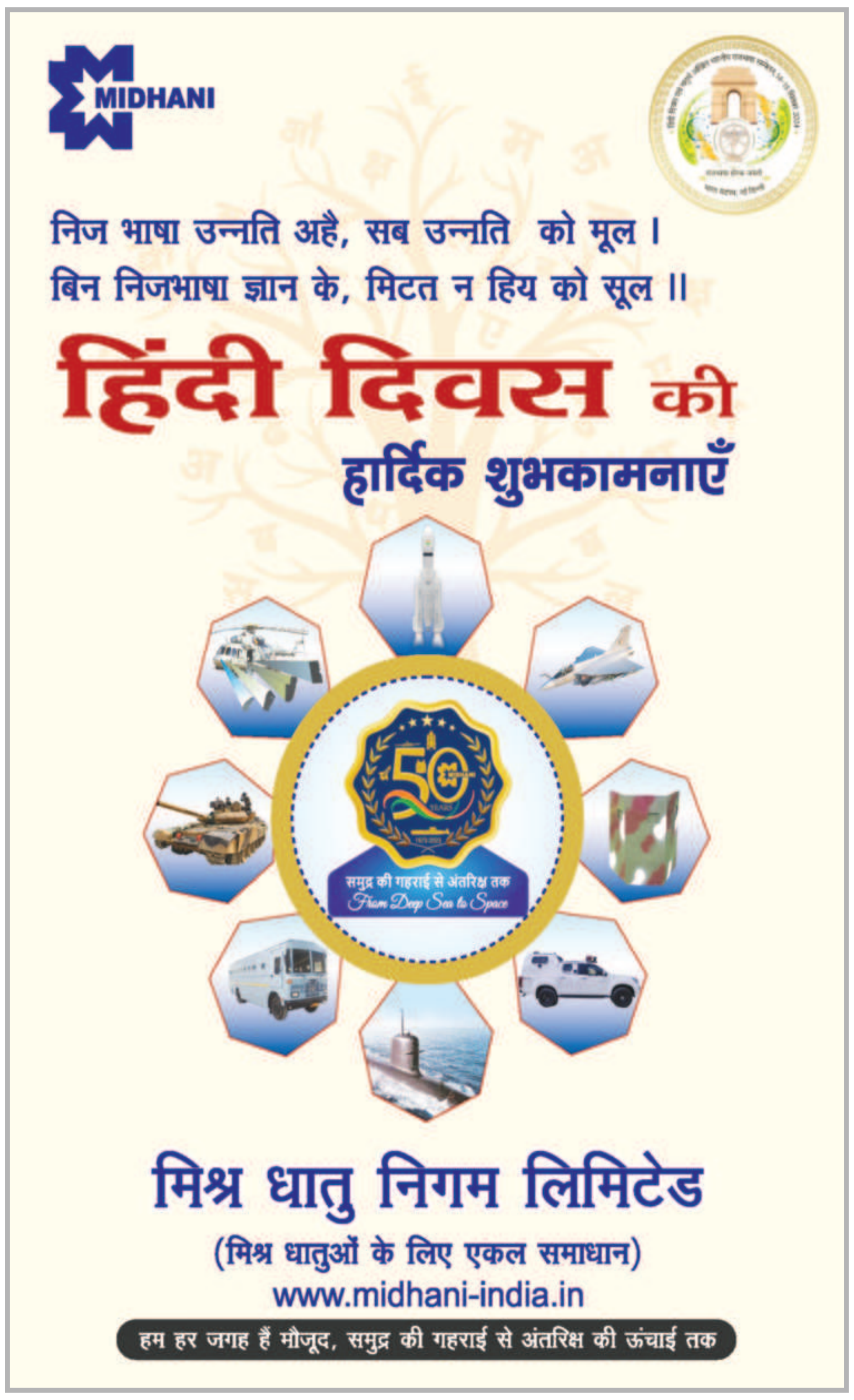

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
# मेरा हैदराबाद
शनिवार, 14 सितंबर, 2024


सुविचार
आपकी सहमति के बिना कोई भी आपको कमतर महसूस नहीं करा सकता।

## केन्द्र बाढ़ राहत निधि तुरंत जारी करें : सीएम

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एक बार फिर केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि तेलंगाना में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बिना किसी शर्त के तुरंत धनराशि जारी की जाए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में केंद्रीय टीम के अधिकारियों के साथ बैठक की, जिन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए तेलंगाना में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद रघुराम रेड्डी, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में केंद्रीय टीम के ध्यान में कई अनुरोध लाए और कहा कि केंद्र सरकार को बाढ़ राहत के लिए तुरंत धनराशि जारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खम्मम में मुन्नरू नदी पर रिटेनिंग वॉल बनाना बाढ़ से बचाव का स्थायी समाधान है और कहा कि भविष्य में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए स्थायी उपाय करने के लिए अलग से बजट आवंटित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी अनुरोध किया कि केंद्र सरकार देश में बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए एक कार्य योजना तैयार करे।

## राचकोंडा पुलिस ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश महोत्सव के दौरान सड़क सुरक्षा के लिए एक अभियान में, राचकोंडा पुलिस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक ट्वीट साझा किया, जिसमें सीटबेल्ट से सुरक्षित एक पर्यावरण-अनुकूल गणेश मूर्ति दिखाई गई। पोस्ट में परंपरा को सुरक्षा संदेश के साथ जोड़ा गया, जिससे सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित किया गया। ट्वीट में लिखा था कि भगवान गणेश ने भी सीटबेल्ट पहना था। हम क्यों नहीं? आइए हर बार सड़क पर सीटबेल्ट लगाकर परंपरा और सुरक्षा दोनों का सम्मान करें। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल उत्सवों और सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देना था।

# भारत की उर्वर मिट्टी से उपजी है हिंदी

**डॉ. बी. बालाजी,**
**प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि**

हिंदी भाषा भारत की उर्वर मिट्टी में उपजी भाषा है। इस भाषा में पूरे भारत को एकता के सूत्र में बाँधने की ताकत है। पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक के सारी जनता ने इस भाषा में संवाद स्थापित किया और 1857 की अधूरी लड़ाई को पूरा किया। अंग्रेजों से अपनी बात मनवाई। उन्हें भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया। भारत की आजादी की लड़ाई में हिंदी ने किस तरह से एक उपादान की भूमिका निभाई आइए देखते हैं – तुम मुझे खून दो और मैं तुमसे आजादी का वादा करता हूं - 4 जुलाई 1944 को बर्मा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जनता को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि लोगों के कठोर निर्णयों और एकजुटता के बल पर ही आजादी हासिल की जा सकती है।

उसके लिए खून बहाने की जरूरत पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा था कि एक लंबी लड़ाई हमारे सामने है। आज हमारे अंदर बस एक ही इच्छा होनी चाहिए- मरने की इच्छा ताकि भारत जी सके- एक शहीद की मृत्यु की इच्छा, ताकि आजादी के रास्ते शहीदों के खून से प्रशस्त हो सके। उसी भाषण में नेताजी ने नारा लगाया था - 'तुम मुझे खून दो और मैं तुमसे आजादी का वादा करता हूं।' इस नारे ने न केवल जवानों बल्कि समाज के प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों में, महिलाओं और पुरुषों में एक नया जोश भर दिया था। (2) करो या मरो- महात्मा गांधी ने 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान में दिए गए अपने भाषण में लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने का आह्वान देते हुए कहा था - करो या मरो। इस नारे ने भारत छोड़ो आंदोलन में बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। इस नारे का मतलब है कि या तो भारत को आज़ाद कराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें या उस प्रयास में मर जाएं। इस नारे को अगस्त आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 9 अगस्त, 1942 को औपचारिक रूप से इस नारे की शुरुआत की। इस नारे की ताकत को न केवल भारतवासियों ने बल्कि विदेशियों ने भी माना। वायसराय लिनलिथगो ने इस आंदोलन को 1857 के बाद से अब तक का सबसे गंभीर विद्रोह बताया था। इस नारे के माध्यम से गांधी जी ने हिंदुस्तानियों के दिलों में आज़ादी की आग लगा दी थी। (3) इंकलाब जिंदाबाद – भगत सिंह और उनके साथियों का प्रिय नारा था - इंकलाब जिंदाबाद। जिसका अर्थ है क्रांति अमर रहे आजादी के दिवानों को इस नारे ने आजादी की लड़ाई में जान गंवाने के डर से उबारा। शहीद होने के जो आनंद है, उससे परिचित कराया।

वैसे इस नारे के लेखक उर्दू शायर हसरत मोहानी हैं, लेकिन इसे प्रसिद्ध क्रांतिकारियों ने किया। इस नारे को भगत सिंह और उनके साथियों ने 1920 के दशक के अंत में लोकप्रिय बनाया था। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त का मानना था कि क्रांति के लिए केवल बम-पिस्तौल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। भगत सिंह और उनके साथियों ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली की असेंबली में एक आवाज़ी बम फोड़ते हुए 39;इंकलाब जिंदाबाद लगाया था और अपने-आप को गिरफ्तार करवाकर देश सामने एक बड़ा आदर्श प्रस्तुत किया था कि देश की आजादी के लिए बलिदान देना ही पड़ेगा। इस नारे को बाद में भगत सिंह की पार्टी हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन ने अपना नारा बनाया। सरफ़रोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है / देखना है ज़ोर कितना, बाज़ु-ए-कातिल में है?- इन पंक्तियों ने हज़ारों-लाखों लोगों के दिलों में भारत की आजादी के लिए लड़ने वालों के लिए सम्मान का भाव जगाया। ये पंक्तियाँ आत्मोत्सर्ग की भावना जगाने में सफल रही हैं। इन पंक्तियों को गाते-गाते क्रांतिकारी फाँसी पर खुशी-खुशी लटक जाते थे। इस गज़ल के शायर थे अज़ीमाबाद के बिस्मिल अज़ीमाबादी।

चूंकि रामप्रसाद बिस्मिल ने उनका शेर फांसी के फंदे पर झूलने के समय कहा था, तो, ये पंक्तियाँ और भी मशहूर हो गईं। और, इसीलिए भी बहुत से लोग इसे राम प्रसाद बिस्मिल की रचना मानते हैं। फिर भी, रचनाकार चाहे जो हो, ये पंक्तियाँ जनता के लिए थीं, जनता की हो गईं। भारत की आजादी की एक महत्वपूर्ण अमूर्त सिपाही। कदापि बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वन्दे मातरम जैसे सुप्रसिद्ध गीत के बाद बिस्मिल अज़ीमाबादी की यह अमर रचना, जिसे गाते हुए न जाने कितने ही देशभक्त फाँसी के तख़्ते पर झूल गए। (5) वंदे मातरम् – बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में वंदे मातरम का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म आनंदमठ उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। वैसे इस गीत की रचना बंगाल के कांतल पाडा नाम के गांव में 7 नवंबर 1876 को की गई थी। लेकिन इसे पहली बार 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। अर्थात भारत को आजादी मिलने से करीब 51 साल अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत ने बड़ी भूमिका निभाई थी। लोगों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित करने का काम किया था। अंग्रेजों के विरोध के स्वर के रूप में प्रत्येक स्वतंत्रता सेनानी के मुख से यह शब्द निकलता था - वंदे मातरम।

# नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद

**डॉ. राजनारायण अवस्थी**
**सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)**

नगर राजभाषा कार्यान्यन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद राजभाषा अधिनियम, नियम तथा विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन में निरंतर अग्रसर है। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के प्रति नराकास (उपक्रम) के पास महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। पूर्ण विश्वास है कि नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के माननीय अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। इसके लिए समिति के समन्वय कार्यालय ईसीआईएल ने प्रयोजनमूलक स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण अनुप्रयोग किए हैं। इन अनुप्रयोगों की अखिल भारतीय स्तर पर प्रशंसा की गई। इन अनुप्रयोगों में

1. नराकास (उपक्रम) की प्रत्येक छमाही बैठक में सदस्य कार्यालयों की प्रस्तुति 2. बैठक में सदस्य कार्यालयों को राजभाषा प्रदर्शनी के लिए प्रोत्साहित करना 3. नराकास समन्वय कार्यालय में राजभाषा हेल्पलाइन का प्रावधान 4. समन्वय कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को 'राजभाषा गरिमा' सम्मान 5. समिति के सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के आलेख यदि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष प्रकाशित होने वाली राजभाषा स्मारिका में विशेष आलेख प्रकाशित होने पर 'राजभाषा सौरभ' सम्मान 6. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (उपक्रम) के तत्वावधान में विभिन्न सदस्य कार्यालयों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में महिला प्रतिभागियों को 'राजभाषा विदुषी' सम्मान

7. प्रत्येक प्रतियोगिता आयोजक कार्यालय प्रमुख को भी नराकास समन्वय-कार्यालय द्वारा सम्मानित करना नराकास (उपक्रम) ने आगामी वर्षों के लिए प्रशिक्षण आधारित अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य योजना बनाई है जिसमें पत्रिका संपादन कौशन, प्रौद्योगिकी अनुवाद, कोषनिर्माण, कंठस्थ 2.0 तथा क्लाउड ट्रांस्लेशन पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उपर्युक्त अनुप्रयोगों से अत्यंत सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हुए। अत्यंत गौरव का विषय है कि वर्ष 2023-24 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए हमारे सदस्य-कार्यालय, एनएमडीसी लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार तथा नराकास, हैदराबाद (उपक्रम) को 'ग' क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर नराकास राजभाषा सम्मान 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। पूर्ण विश्वास है कि पुरस्कार एवं उपलब्धियों का यह क्रम निरंतर इसी प्रकार बना रहेगा।

यह नराकास राजभाषा सम्मान हमारे सभी सदस्य कार्यालयों भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीएचईएल - रामचंद्र पुरम, बीएचईएल (अनुसंधान एवं विकास), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), भारत संचार निगम लिमिटेड, (सर्कल कार्यालय), भारत संचार निगम लिमिटेड (कोर नेटवर्क एवं अनुरक्षण), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, बीईएमएल, केन्द्रीय भण्डारण निगम, ईसीजीसी, भारतीय खाद्य निगम, गेल (इंडिया) लिमिटेड, हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हडको, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, आईटीआई लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड , मिश्र धातु निगम लिमिटेड, भारत सरकार टकसाल, एनटीपीसी, एनएमडीसी, नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड, पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, रेलटेल, आरसीएफ, आरईसी, आरईसी-आईपीएमडी, आरआईएनएल, राइट्स लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, प्रतिभूति मुद्रणालय, वाप्कोस, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का सामूहिक प्रयास है।

इलेक्ट्रॉनिकी में उत्कृष्टता का 57 वां वर्ष

ईसीआईएल ECIL

ईसीआईएल: बहु उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी उद्यम है जो परमाणु ऊर्जा, रक्षा, वांतरिक्ष, सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-अभिशासन के सामरिक क्षेत्र में नवोन्नत प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराता है

उत्पाद एवं सेवाएं निवेदित

- नियंत्रण एवं उपकरणीकरण प्रणाली, विकिरण संसूचक एवं उपकरण
- वीडियो निगरानी सहित एकीकृत सुरक्षा प्रणाली, कार्मिक एवं वाहन अभिगम नियंत्रण, वीडियो विश्लेषिक एवं सुरक्षा उपकरण
- इलेक्ट्रॉनिक निगरानी एवं युद्धकौशल प्रणाली, रेडियो संचार उपस्कर, रक्षा के लिए कमान्ड एवं नियंत्रण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज़, जैमर, डाटा, वॉयस एवं वीडियो के लिए एनक्रिप्शन उपस्कर
- ऐन्टेना प्रणाली एवं वी-सैट नेटवर्क, कॉकपिट वॉयस रिकार्डर, सिन्क्रोज एवं जाइरो
- ई-अभिशासन अनुप्रयोग, कंप्यूटर शिक्षा सेवा, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन एवं मतदाता सत्यापन पेपर ऑडिट परीक्षण प्रिन्टर
- परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक ऊर्जा मीटर, थिक फिल्म हाइब्रिड सूक्ष्म परिपथ इत्यादि

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
हैदराबाद-500062, तेलंगाना
टेलीफैक्स: +91 40 27122584, ई-मेल- cpr@ecil.co.in
वेब: www.ecil.co.in

सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
तारनाका, उप्पल रोड, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
औद्योगिक दृष्टिकोण एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता

दृष्टिकोण
रसायन विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट ज्ञान आधार तैयार करते हुए समाज की सेवा

- अग्रणी आधारभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान
- उन्नत अनुसंधान एवं विकास सुविधा
- प्रभावशाली प्रकाशन
- उत्कृष्ट नियोजन रिकॉर्ड
- हरा-भरा परिसर

विभाग

- विश्लेषणात्मक एवं संरचनात्मक रसायन विज्ञान
- अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान
- उत्प्रेरण एवं सूक्ष्म रसायन
- रासायनिक अभियांत्रिकी एवं प्रक्रिया प्रौद्योगिकी
- ऊर्जा एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी
- फ्लोरो एवं कृषि-रसायन
- प्राकृतिक उत्पाद एवं औषधीय रसायन विज्ञान
- तेल, लिपिड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- कार्बनिक संश्लेषण एवं प्रक्रिया रसायन विज्ञान
- बहुलक एवं क्रियात्मक पदार्थ

हम रसायन और रासायनिक प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराते है।
विज्ञान के भावी नायकों को तैयार करते हैं।

क्या आप हमसे जुड़ना चाहेंगे !

संपर्क:
निदेशक
सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
तारनाका, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
दूरभाष: +91-40-2719-3030
फैक्स: +91-40-2719-0387
ई-मेल: director@iict.res.in
वेबसाईट: www.iict.res.in

हमसे जुड़ें : csiriict_official iictindia @csiriict iict-csir-b371221b3

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र (केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेत्युबोर्ड कॉलनी, गडि अन्नारम, हैदराबाद - 500036, तेलंगाना

National Institute of Indian Medical Heritage
WHO Collaborating Centre for Fundamental and Literary Research in Traditional Medicine (Central Council for Research in Ayurvedic Sciences. Ministry of Ayush, Govt. of India) Revenue Board Colony, Gaddiannaram. Hyderabad-500036. Telangana
Ph. 0400-2406738 Web. hintpadi

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

हिंदी-दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

## भारतीय परंपरागत चिकित्सा सम्पदा के संरक्षण व संवर्धन में सभी का योगदान जरूरी है।

हमारे उज्ज्वल भविष्य की नीव अतित की उपलब्धियों पर टिकी हुई है । इन उपलब्धियों को संग्रहीत कर उनकी सुरक्षा और संवर्धन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है । इसी उद्देश के साथ राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद विगत कई दशकों से 'आयुष चिकित्सा संपदा' और 'साहित्यिक अनुसंधान' के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। इसी कार्य के स्वरूप 3 जून 2024 को इस संस्थान को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने आधिकारिक तौर पर "पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए अगले चार साल तक अपने पहले सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया है ।

संस्थान में स्थित मेडिको-हिस्टोरिकल संग्रहालय हमारे देश का एक अनूठा संग्रहालय हैं, जहाँ भारत के विभिन्न "चिकित्सा प्रणालीयों से जुड़े संपदा" को संरक्षित करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस संग्रहालय में पुरातात्विक कलाकृतियाँ, पांडुलिपियाँ, विभिन्न लोक प्रचलित चिकित्सा प्रथाएं, औरएतद् संबंधित अन्य सामग्रीयों का संरक्षण किया है । वे वैद्यकीय-ऐतिहासिक अभ्यास में रुचि रखने वाले इतिहासकारों, वैज्ञानिकों और अन्य विद्वानों एक मार्गदर्शक के स्वरूप कार्य कर रहें है । साथ ही संग्रहालय को भेंट देने वाले विद्यार्थी, शिक्षकों और जनसमान्यों में हमारे चिकित्सकीय धरोहर के बारे में जागृती निर्माण कर उन्हे इस के संरक्षण प्रति प्रेरित भी कर रहा हैं ।

इसके अलावा, संस्थान के ग्रंथालय में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्धा, यूनानी, तथा आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों से संबंधित पांडुलिपियाँ, दुर्लभ ग्रंथ, पत्रिकायेँ आदि साहित्य सामग्री प्रचुरतासे उपलब्ध है । संस्थान में इनके अधिग्रहण, संरक्षण, डिजिटलीकरण, कैटलॉगिंग, संपादन, प्रतिलेखन, अनुवाद और प्रकाशन का कार्य भी निरन्तर रूप से चल रहा है। जिस कार्य को संस्थान के "आयुष पांडुलिपियाँ उन्नत भंडार (अमर)" नामक वेब पोर्टल https://niimh.nic.in/amar से भी समझ सकते है। इस सूचना प्रौद्योगिकी के प्रगत दौर में पांडुलिपियाँ, मूल ग्रंथों आदि के दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण में उनका डिजिटलीकरण करना एक मात्र कारगर उपाय है जिसके माध्यम से हम भविष्य की पीढ़ी को ज्ञान का विस्तृत भंडार प्रदान करने में सक्षम होंगे ।

हमारे देश में अनुमानतः एक करोड़ से भी ज्यादा पांडुलिपियाँ हैं, जो संभवतः दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है । परंतु दुर्भाग्यपूर्ण बात ये है की, आज भी चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी ज्यादातर पांडुलिपियाँ, पुरानी किताबें और पुरातात्विक सामग्रीयाँ उनके अध्ययन तथा अनुसंधानात्मक कार्य हेतु उपलब्ध नहीं हैं। ज्यादातर सामग्री लोगों के व्यक्तिगत संग्रहालय में कैद है और वे केवल शोभा बढ़ाने का कार्य कर रही हैं।

इसके सिवाय हमारे देश के कई ऐसे ग्रंथालय भी हैं जहाँ यह ग्रंथ सम्पदा उपलब्ध है पर न तो उनकी सूची पत्रिकायें तयार की गयी हैं और न तो वे डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध हैं।

अतः आप सभी विद्वानों से विनम्रतासे अनुरोध है कि यदि आपके पास भी कोई पांडुलिपियाँ अथवा पुरानी ग्रंथ-संपदा जैसे कि- आयुर्वेद, युनानी, सिद्धा, योग एवं प्रकृति चिकित्सा, पशु चिकित्सा, वृक्षायुर्वेद, 2 होमियों कि पुरानी किताबें आदि या अन्य पुरातात्विक सामग्री जैसे कि - सिक्के, कलाकृतियाँ, मिट्टी/धातु के बर्तन, मूर्तियां, चिकित्सकीय यंत्र-उपकरण एवं शस्त्र आदि उपलब्ध हो तो उस सामग्री को जनकल्याण के उद्देश से हमारे संस्थान को भेंट कर सकते है । आपके सहयोग एवं योगदान को इस संस्थान द्वारा यक़ीनन अभिस्वीकृत किया जाएगा। यह निश्चित रूप से हमारे उच्चकोटी के भारतीय चिकित्सा संपदा के संरक्षण में एक सराहनीय कार्य होगा और संपूर्ण भारतीय चिकित्सा विज्ञान आपका हमेशा आभारी रहेगा। इस परिपेक्ष में संस्थान द्वारा आपको प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा तथा आपके द्वारा भेंट की गयी सामग्री को आप के नाम के साथ ही संरक्षित किया जाएगा । आप अधिक जानकारी के लिए हमारे संस्थान के वेब साईट को अवश्य भेंट करें https://niimh.nic.in साथ ही आप हमसे नीचे दिए पते और ईमेल पर भी संपर्क कर सकते है ।

**जय हिन्द, जय आयुर्वेद!!**

**डॉ.गोलि पेंचल प्रसाद**
**प्रभारी सहायक निदेशक**
**राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान,**
**सर्वे नंबर 314, रेवेन्यु बोर्ड कॉलनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036**
E mail: niimh.hyderabad@gmail.com

# समाज, उपनिवेश, देश के आधार स्तंभ भाषा एवं संस्कृति

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

'संस्कृति' अर्थात परिष्कृत अथवा सुधारित रूप। जब कच्चे माल या सामग्री का प्रसंस्करण किया जाता है तब हमें उच्च गुणता एवं मूल्य का उत्पाद प्राप्त होता है। समाज के संदर्भ में भी हमारे आचार-विचार, रहन-सहन, भाषा-भाव का सुधारित रूप उस समाज, उपनिवेश, देश की संस्कृति कहलाती है। भारतीय संस्कृति अत्यंत सर्वसमावेशी, विशद व अनन्य है, क्योंकि भारत के एक छोर से दूसरे छोर तक विविधता अपने चरम पर होते हुए भी वह भारत को एक सूत्र में बांधे हुए है और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने में भाषा का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान होता है। भाषा एवं संस्कृति अनवरत रूप से एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहती है। संस्कृति लोगों के रहन-सहन, वेषभूषा, आचार-विचार, भाषा-व्यवहार आदि को परिभाषित ही नहीं उनका सेवन भी करती है और उक्त सभी का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में अंतरण भी करती है और उसका माध्यम वहां की भाषा होती है। अतः किसी भी संस्कृति व भाषा को एक दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। भारत की संस्कृति एवं भाषा के संदर्भ में देखें तो भारत में संयुक्त परिवार की संकल्पना है अर्थात यहां की भाषाओं में कुछ रिश्तों के द्योतक शब्द कई हैं जैसे मामा, काका, मौसा ताऊ आदि, परंतु इनके लिए अंग्रेजी में केवल एक शब्द अर्थात अंकल पर्याप्त है। यह कहना अत्युक्ति न होगी कि किसी भी संस्कृति को वहां की भाषा एवं वहां की भाषा को संस्कृति से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। अतः भाषा एवं संस्कृति अन्योन्याश्रित है।

भारत के संदर्भ में हिंदी को वहां की सामासिक संस्कृति का संवाहक कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि भारत की विविधता को वर्षों से एकता रूपी पानी से सींचने का काम हिंदी करते रही है और आज भी बखूबी कर रही है। यह इस देश की विडंबना है कि यहां अलग-अलग समय में विदेशी आक्रांतियों का प्रभूत्व रहा, परिणास्वरूप हमनें उनकी संस्कृति के भी कुछ अंश को अपनाया और उसे अनुचित भी नहीं कहा जा सकता। परंतु विकास के नाम पर आज हम जो कर रहे हैं वह हमारी भाषा एवं संस्कृति के लिए उपयुक्त नहीं है। भारत में न्यूनतम प्राथमिक स्तर तक शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषाओं को वरियता दी जानी चाहिए और उच्च पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षाओं में एक विषय के रूप में अंग्रेजी की अनिवार्यता को हटाया जाना चाहिए। अन्यथा इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त कार्यों हेतु भारतीय भाषाएं सक्षम नहीं हैं। भारत की वर्तमान शिक्षा नीति काफी हद तक इसी दिशा में आगे बढ़ रही है जिसे हमें पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता है। हम अपनी भाषाओं के साथ ही हमारी संस्कृति का संरक्षण कर सकते हैं।

# 'श्री अन्न' जागरूकता में हिंदी की अहम भूमिका

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती
निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

'श्री अन्न (मिलेट्स)' नाम से ही उनकी महिमा का उद्घाटन हो रहा है। श्री अन्न अर्थात ऐसे अन्न जो कई दृष्टि से श्रेष्ठ हैं और वैश्विक रूप में परिभाषित करना चाहें तो उन्हें स्मार्ट फसलें कह सकते हैं। श्री अन्न समूह में बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना आदि का समावेश होता है। ये फसलें जलवायु परिवर्तन हो, चाहे खाद्य एवं पोषण की समस्या, सभी का समाधान प्रस्तुत करती है तथा किसानों को भी निरंतर आय प्रदान करती हैं, परिणामस्वरूप इन्हें श्री अन्न की संज्ञा दी गई। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद श्री अन्न अनुसंधान एवं विकास हेतु समर्पित संस्थान है तथा इसने ज्वार, बाजरा तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं (अभासअनुप) के साथ मिलकर भारत में ज्वार तथा बाजरे की उच्च उपज युक्त किस्मों एवं संकरों तथा लघु श्री अन्न की उच्च उपज युक्त किस्मों के विकास के साथ-साथ नए उत्पादन, संरक्षण एवं उत्पाद प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह संस्थान मूलभूत तथा नीतिपरक अनुसंधान कार्यों में संलग्न है जबकि ज्वार पर 11 राज्यों में 18 केंद्रों के साथ, बाजरे पर 10 राज्यों में 12 केंद्रों के साथ तथा लघु श्री अन्न पर 9 राज्यों में 13 केंद्रों के साथ अभासअनुप, नेटवर्क के रूप में प्रायोगिक अनुसंधान तथा पथ-प्रदर्शक विस्तार कार्यों में व्यस्त है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा "श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र" के रूप में उन्नत यह संस्थान, श्री अन्न के गुणों के प्रति भारत ही नहीं, अपितु वैश्विक जागरूकता हेतु कार्यरत है। यह सर्वविदित है भारत के प्रयासों से ही आज श्री अन्न, "स्मार्ट फसलों" के रूप में वैश्विक लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं। वैश्विक होने के साथ-साथ हमें अपने देश, राज्य, समाज, परिवार व स्वयं के प्रति भी ज्यादा उत्तरदायी होना होता है। अतः हमने श्री अन्न की खेती, सेवन आदि के संबंध में सर्वप्रथम हमारे आसपास के लोगों को जागरूक किया और उसके लिए स्थानीय भाषाएं हमारी सहायक रहीं। तत्पश्चात राज्य वासियों को इनके गुणों से अवगत कराया, जिसमें उस राज्य की भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# अमृत काल में हिंदी

-डॉ साकेत सहाय

देश 14 सितंबर, 2024 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा स्वीकार करने के 75 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। आज जब देश की राजभाषा अंगीकृत हुए हिंदी को 75 वर्ष हो गए तो हमें यह अवश्य विचार करना चाहिए कि क्या देश ने राजभाषा हिंदी के साथ न्याय किया है? ऐसे में आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के विचार दृष्टव्य हैं कि ''हिंदी इसलिए महान नहीं है कि हममें से कुछ लोग इस भाषा में कविता या कहानी लिख लेते हैं या सभा,मंचों पर व्याख्यान दे लेते हैं या दस-बारह करोड़ आदमी उसमें बातचीत कर लेते हैं। हिंदी को इतनी ही सीमा में आबद्ध समझना उसकी वास्तविक शक्ति को गलत कूतना है। हिंदी विराट् जनसंख्या के कारण बड़ी नहीं है। कोई भी भाषा महज इसलिए बड़ी नहीं हो जाती कि उसके बोलनेवालों की संख्या अधिक है। वह इसलिए बड़ी है कि करोड़-करोड़ जनता के हृदय और मस्तिष्क की भूख मिटाने का वह इस देश में सबसे जबरदस्त साधन है। वह इसलिए बड़ी है कि भारतवर्ष की हजारों वर्ष की अपरिमेय चिंताराशि को ठीक-ठीक सुरक्षित रख सकने का वह सुरक्षित पात्र है। वह इसलिए बड़ी है कि करोड़ों की तादाद में अकारण कुचली हुई गूँगी जनता तक आशा और उत्साह का संदेश इस जीवंत और समर्थ भाषा के द्वारा दिया जा सकता है। वह इसलिए बड़ी है कि उसके आँचल की छाया में ऐसे हजारों महापुरुषों के पनपने की संभावना है जो न केवल इस देश को बल्कि समूचे संसार को विनाश के मार्ग से बचाने की साधना करेंगे।'' हिंदी ने देशवासियों को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय संपर्क, संवाद, भाव-विचार, परस्पर समन्वय में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका सिद्ध है। ईसा पूर्व से ही पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, ब्रज, दक्खिनी, हिंदुस्तानी तथा राजभाषा हिंदी के रूप में भारत में परस्पर संचार, कारोबार, संवाद एवं अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम के रूप में हिंदी रही है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान देश के सभी महान सेनानियों ने राष्ट्रभाषा हिंदी की भूमिका को समझा और प्रतिपादित किया। आधुनिक युग में भी हिंदी ने अर्थ, बाजार, कारोबार, संपर्क,

कला, सिनेमा, साहित्य एवं मीडिया की भाषा के रूप में इसे भली-भांति रेखांकित किया है। हिंदी ने यह शक्ति और स्वीकार्यता लोकसत्ता के बल पर लोकमानस में पाई है। देश के स्वाधीनता संग्राम में हिंदी के अतुलनीय योगदान को भला कौन भूल सकता है, पर यह भी विडंबना है कि सत्ता की ताकत इससे सदैव दूर रही। लोकसत्ता के प्रभाव से ही हिंदी को स्वतंत्र भारत की राजभाषा का दर्जा मिला पर वास्तविक

सत्ता से हिंदी दूर रहीं। यही कारण है कि राजभाषा होने के बावजूद सत्ता वर्ग में इसे वह हक नहीं मिला जिसकी हिंदी अधिकारिणी है। सत्ता व व्यापार की ताकत जिस भाषा के साथ रहती है वहीं भाषा समृद्ध होती है। आज की हिंदी के ऊपर भी यह बात लागू होती है। दिन-प्रतिदिन मजबूत होती भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ आज दुनिया के अधिकांश देश अपना संबंध बेहतर करना चाहते है और भारत को बेहतर तरीके से जानने–समझने के लिए भारत की राजभाषा, संपर्क भाषा, कला–संस्कृति, कारोबार एवं मनोरंजन की भाषा हिंदी को जानना-समझना

अत्यावश्यक है। वर्तमान सरकार की स्पष्ट भाषा नीति, सूचना क्रांति एवं हिंदी के चार्तुदिक महत्व ने इसकी अपार क्षमता को सशक्त किया है। अब यह कहा जा सकता है कि 'वक्त बदल गया है।' देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विश्व के हर मंच पर हिंदी में अपनी बात कहना गर्व की बात समझते हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है राजभाषा हिंदी ही इस देश की प्रमुख भाषा है। राजभाषा हिंदी ही विश्व मंच पर भारत एवं भारतीयता की पहचान है। हिंदी को देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विकास का इंजन माना जाता है। हिंदी उत्तर, पूर्वी, दक्षिणी व पश्चिमी भारत के अधिकांश प्रांतों में बोली व समझी जाती है। दक्षिण व पूर्व के कुछेक प्रांतों में हिंदी के साथ

क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग किया जाता है। यही कारण है कि हिंदी में अभिव्यक्ति से व्यक्ति, समाज या संगठन का विस्तार राष्ट्रीय फलक को पाता है। इस भाषा के प्रयोग से व्यवसाय के नए-नए आयाम स्वतः प्रशस्त हो जाते हैं। भारतीय जन की अभिव्यक्ति यदि हिंदी में हो तो यह देश की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विस्तार को सकारात्मक स्वरूप प्रदान करती है। आज जब देश हिंदी के राजभाषा स्वीकार करने के 75 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है तो हिंदी को उसका मूल अधिकार देना ही होगा। कभी हिंदी की स्थिति पर विचार करते हुए भारतीय संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. विद्यानिवास मिश्र कहते हैं - झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने कहा था, 'मेरी झांसी मुझे वापस चाहिए।' मैं भी हिन्दी के लेखक की हैसियत से यही मांगता हूँ कि मेरा तो कोई प्रदेश नहीं, कोई वर्ग नहीं, मजहब नहीं, सिर्फ एक देश है, उसे वापस लाओ। बंद करो यह ढोंग कि हिन्दी संपर्क भाषा है।


## भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद 500030

भाचाअनुसं IIRR

चावल भारत की 50% जनसंख्या का मुख्य आहार है, तथा 131 मिलियन मेट्रिक टन उत्पादन के साथ 44 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में इसकी खेती की जाती है। भारत 2023-24 के दौरान ₹ 86190 करोड मूल्य के 16.36 मिलियन टन चावल के निर्यात के साथ सबसे बड़ा निर्यातक देश है।

इस संस्थान की स्थापना प्रारंभ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दवारा 1965 में हैदराबाद में अखिल भारतीय समन्वित चावल सुधार परियोजना के रूप में की गई। तत्पश्चात 1983 में निदेशालय तथा 2014 में संस्थान (भाचाअनुसं) के रूप में इसका उन्नयन किया गया।

हमारे अधिदेश

- सिंचित पारिस्थितिक तंत्र के अंतर्गत चावल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु मूलभूत तथा नीतिपरक अनुसंधान।
- विभिन्न पारिस्थितिक तंत्र हेतु स्थान विशिष्ठ किस्मों व प्रौद्योगिकियों के विकासार्थ बहु-स्थानिक परीक्षणों का समन्वय।
- प्रौद्योगिकियों का प्रसार, क्षमता निर्माण तथा संपर्क स्थापित करना।

हमारी दूरदृष्टि (विज़न): खाद्य, पोषण एवं जीविका सुरक्षा को सुनिश्चित करके भारत के चावल कृषकों एवं उपभोक्ताओं की वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों का कल्याण।

हमारा मिशन : चावल की उत्पादकता, संसाधन एवं आगत उपयोग दक्षता तथा पर्यावरण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना चावल की लाभप्रदता को बढ़ाने हेतु प्रौद्योगिकियों का विकास।

### महत्वपूर्ण शोध उपलब्धियां

देशभर में विभिन्न पारिस्थितिकी में एक फसल हेतु समर्पित 45 (वित्तपोषित) तथा 100 (स्वायत) केंद्रों में कार्यरत 400 से ज्यादा वैज्ञानिकों का विशालतम अनुसंधान संजाल। देशभर में विभिन्न पारिस्थितिकी हेतु आज तक 135 संकर शामिल चावल की 1572 किस्में तथा फसल उत्पादन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकियां लोकार्पित।

| | |
|---|---|
| *महत्वपूर्ण* सांब मसूरी डीआरआर धान 53, 59 | उच्च उपज तथा जीवाण्विक पर्ण अंगमारी (बीएलबी) प्रतिरोधी |
| डीआरआर धान 42 | सूखा सहिष्णु |
| डीआरआर धान 45, 48, 49, 63 | जिंक जैव-पौष्टिकीकृत किस्में |
| डीआरआर धान 50 | सूखा तथा जलमग्नता सहिष्णु किस्म |
| डीआरआर धान 52 | पहली ताप सहिष्णु किस्म |
| डीआरआर धान 54, 55, 57 | एरोबिक किस्में – जल बचत |
| डीआरआर धान 58 | पहली लवणता तथा बीएलबी सहिष्णु किस्म |
| डीआरआर धान 60, 65, 66 | न्यून फास्फोरस सहिष्णु किस्में |
| डीआरआर धान 62 | पहली बीएलबी तथा ब्लास्ट प्रतिरोधी किस्म |
| डीआरआर धान 64 | पहली नाइट्रोजन उपयोग दक्षता अगेती किस्म |
| डीआरआरएच 4 | सार्वजनिक क्षेत्र से पहला एरोबिक संकर |

भाकृअनुप-भाचाअनुसं, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद 500030, www.icar-iirr.org दूरभाष : 040 24591218

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 14 सितंबर- 2024

## पूजा पर हंगामा क्यों?

देश की राजनीति में इतनी वैमनस्यता घर कर गई है कि लोग अब पूजा-पाठ पर भी विवाद खडा करने से परहेज नहीं करते। शायद इसीलिए भारत को विवादों का देश कहा जाने लगा है। फिलहाल देश में गणेश उत्सव की धूम है, खास कर महाराष्ट्रीयन परिवार व समूह इस उत्सव को बडे ही श्रद्धापूर्वक व धूमधाम से मनाता है। ऐसे ही एक गणपति पूजा को लेकर विवादास्पद राजनीति शुरू हो गई है। विवाद खडा करने की जड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महाराष्ट्रियन पोशाक पहनकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ( सीजेआई) चंद्रचूड के घर चले जाना है। वहाँ पीएम ने गणपति पूजा भी की। प्रधानमंत्री ने गणपति की आरती उतारी और गाई सीजेआई ने। फोटो वायरल होते ही विपक्ष ने इस पर हंगामा खडा कर दिया। विपक्ष का कहना है कि राजनीति और न्यायिक व्यवस्था के बीच एक मर्यादा होती है। एक लक्ष्मण रेखा होती है। इसका पालन होना ही चाहिए। अगर मुख्य न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री को गणपति पूजा का आमंत्रण दिया भी था तो इसकी वीडियोग्राफ़ी करने की क्या ज़रूरत थी? आखिर इसके प्रचार की आवश्यकता क्यों पड़ी? जवाब में भाजपा के प्रवक्ता भी उतरे और देश को बताया कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कांग्रेस के सत्ताकाल में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इफ़्तार पार्टी दी थी, उसमें तब के मुख्य न्यायाधीश शामिल हुए थे। उस समय कांग्रेस और बाक़ी पार्टियों ने ऐतराज क्यों नहीं किया था? सवाल यह है कि इफ़्तार पार्टी हो या गणपति पूजा, कोई भी किसी के कार्यक्रम में उसके आमंत्रण पर कहीं भी जा सकता है। यही तो धार्मिक दस्तूर है। इसमें ऐतराज कैसा? आख़िर किसी सीजेआई या किसी प्रधानमंत्री की निजी और सामाजिक ज़िंदगी है या नहीं? फिर किसी प्रधानमंत्री के किसी सीजेआई के घर पूजा करने जाने से क्या सीजेआई के फ़ैसलों पर असर पड़ सकता है? कदापि नहीं। हमारी संवैधानिक संस्थाएँ इतनी मजबूत हैं कि किसी के किसी के घर जाने से प्रभावित नहीं होतीं! हद तो तब हो गई जब कश्मीर वाले फारुख अब्दुल्ला भी प्रधानमंत्री के सीजेआई के घर जाने की निंदा कर रहे हैं, जिन्होंने कश्मीर में अपना राज रहते हुए किसी कानून, किसी संवैधानिक संस्था की परवाह तक नहीं की। वे उद्धव ठाकरे जिनकी पार्टी सालों तक भाजपा के साथ रही, वे भी कह रहे हैं कि सीजेआई चंद्रचूड़ को हमसे जुड़े हुए न्यायिक मामलों से खुद को अलग कर लेना चाहिए! ऐसी बेतुकी बहस पर सिर्फ हंसा जा सकता है, प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की जा सकती है। आखिर ये कैसा दौर आ गया है जहां मुख्य न्यायाधीश के फ़ैसलों, उनकी शिद्दत और ईमानदारी पर शक किया जा रहा है! सिर्फ़ इसलिए कि देश के प्रधानमंत्री ने उनके घर जाकर गणपति पूजा में हिस्सा ले लिया?

# लेडी डॉक्टर की मौत से बैकफुट पर ममता

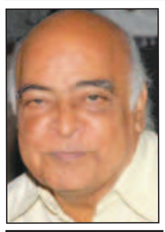

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को आंदोलनरत डॉक्टरों को एक बार फिर बातचीत के लिए आमंत्रित किया था लेकिन यह बैठक नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, ममता बनर्जी सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कांड के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से तीसरी बार बातचीत का प्रस्ताव रखा था। हड़ताली डॉक्टर मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे जिसके चलते बातचीत संभव नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने करीब दो घंटे तक कॉन्फ्रेंस हॉल में डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल का इंतजार किया लेकिन वे नहीं पहुंचे। जब डॉक्टर नहीं आए तो उन्होंने लाइव आकर कहा कि मैं जनता से माफी मांगती हूं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि वे इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हैं। यह पेशकश उन्होंने तब की, जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बर्बर बलात्कार और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर उनसे मिलने नहीं आए। डॉक्टरों ने राज्य सरकार से पूरी बैठक का लाइव टेलीकास्ट करने की मांग की थी जिसे सरकार ने नहीं माना। सरकार बैठक रिकॉर्ड करने के लिए तैयार थी लेकिन डॉक्टर लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 34 सालों के वाममोर्चा के शासन के दौरान ममता बनर्जी ने लेफ्ट को कड़ी चुनौती दी और साल 2011 में लेफ्ट का शासन का खात्मा कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुईं। लगभग 13 सालों के शासन में ममता बनर्जी को लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा की कड़ी चुनौती मिली लेकिन साल 2021 के विधानसभा चुनाव में फिर से तीसरी बार राज्य की मुख्यमंत्री बनकर सत्ता में वापसी की हैं। लड़ाकू नेता और आंदोलन से निकली नेता के रूप में जानी जाने वाली ममता बनर्जी कभी भी अपने विरोधियों के आगे नहीं झुकी हैं। भ्रष्टाचार से लेकर विभिन्न घोटालों के आरोप में विपक्ष लगातार इस्तीफा की मांग करते रहा है, लेकिन कभी ममता बनर्जी ने कभी ऐसा नहीं कहा कि वह इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं लेकिन कोलकाता में लेडी डॉक्टर की रेप-मर्डर मामले में जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन ने ऐसा क्या कर दिया कि ममता बनर्जी ने इस्तीफे की पेशकश कर दी? छात्र राजनीति से लेकर राज्य की राजनीति तक ममता बनर्जी को लंबे समय से आंदोलन को नेतृत्व देती रही हैं। नंदीग्राम से लेकर सिंगूर में आंदोलन को नेतृत्व दिया है, लेकिन क्या डॉक्टरों के आंदोलन के सामने ममता बनर्जी झुक गयी हैं। यह क्या उनकी रणनीति है या फिर ममता बनर्जी वास्तव में दवाब में हैं। आइए जानते हैं- नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में लेडी डॉक्टर का शव मिला। शव मिलने के बाद अस्पताल के प्रबंधकों ने पहले इसे आत्महत्या करार दिया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई है कि लेडी डॉक्टर की रेप कर हत्या की गयी है। इस मामले में एक आरोपी सिविक वॉलेंटियर संजय रॉय को अरेस्ट भी किया गया, लेकिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दे दिया। कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष पर भ्रष्टाचार और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप लगे। भ्रष्टाचार के मामले की सीबीआई जांच के आदेश दे दिये। ईडी भी आरजी कर में वित्तीय अनियमितता की जांच शुरू की है, लेकिन न्याय की मांग पर पूरे देश में आंदोलन जारी है। कोलकाता सहित पूरे देश में रिक्लेम द नाइट से लेकर लाइट बंद कर रात को आंदोलन हुए। आरजी कर के जूनियर डॉक्टर्स लगातार हड़ताल कर रहे हैं, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में डॉक्टरों को ज्वाइन करने की हिदायद दी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद जूनियर डॉक्टर्स स्वास्थ्य भवन के सामने धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज में सेवाएं बाधित हो रही हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि इलाज के अभाव में 27 रोगियों की मौत हो चुकी है। इस परिपेक्ष्य में राज्य सरकार ने आंदोलनरत डॉक्टरों से बातचीत का आह्वान किया। मुख्य सचिव मनोज पंत ने डॉक्टरों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया लेकिन तीन दिनों तक आमंत्रण का दौर चला और अंततः डॉक्टर राज्य सचिवालय नबान्न आए भी, लेकिन बातचीत नहीं हो सकी। विवाद बातचीत की लाइव स्ट्रीम को लेकर हुआ । डॉक्टरों ने बातचीत की लाइव स्ट्रीम की मांग की लेकिन ममता बनर्जी की सरकार ने अस्वीकार कर दिया। उसके बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि वह नबान्न के सभागार में दो घंटे से अधिक समय तक बैठी रहीं लेकिन बैठक नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं लेकिन कुछ लोग न्याय नहीं चाहते। सत्ता की कुर्सी चाहिए। मेरा बहुत अपमान हुआ है। मेरी सरकार का अपमान किया गया है। अब मैं इनके साथ बैठक नहीं करूंगी। यदि बैठक होगी तो डीजी और मुख्य सचिव बैठक करेंगे। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक समय बीत चुका है। जहां तक मुझे पता है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, वे राज्य को कार्रवाई करने से नहीं रोकेंगे लेकिन मैं कुछ नहीं करूंगी। कई लोगों को इलाज नहीं मिल रहा है। 27 लोगों की मौत हो चुकी है। सात लाख लोग वंचित हैं। मेरा दिल रो रहा है वे छोटे हैं, मैं उन्हें क्षमा करती हूं। मैं लोगों से माफी मांगती हूं। तीन दिन तक प्रयास किया, लेकिन समाधान नहीं हो सका। ममता बनर्जी के बयान के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अदालत को प्रभावित करने के लिए नबान्न के बैठक कक्ष की तस्वीरें प्रकाशित की हैं। बैठक के लाइव टेलीकास्ट का सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से कोई लेना-देना नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का भी सीधा प्रसारण किया जाता है, जो चर्चा होनी थी उससे अदालत की अवमानना का कोई लेना-देना नहीं है। ये सब नाटक है। उसका नकाब खुलने की संभावना थी, अतः उन्होंने उचित मांग स्वीकार नहीं की। वह नहीं चाहती कि गतिरोध खत्म हो। वहीं, आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य भवन के सामने फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, वे अगले 33 दिनों तक सड़कों पर रहेंगे। जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस घटना में जो लोग शामिल थे, जो लोग इस घटना पर पर्दा डालना चाहते थे, वे सजा चाहते थे। हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भरोसा करके गये थे लेकिन कोई हल नहीं निकला। डॉक्टरों ने साफ कहा कि उन्होंने कभी भी मुख्यमंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा है। वे लोग न्याय और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। देखा जाय तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदा से ही विपक्ष को चुनौती देती रही हैं, लेकिन पहली बार वह उन्हें चुनौती मिल रही है और सबसे आश्चर्य की बात है कि यह चुनौती उन्हें विपक्ष से नहीं मिल रही है, बल्कि जूनियर डॉक्टरों से मिल रही है। कोलकाता रेप मामले में ममता बनर्जी की सरकार का भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो चुका है। वह पूरी तरह से दवाब में हैं। ऐसा लगता है कि जिस तरह से ज्योति बसु ने कार्यकाल के बीच में ही बुद्धदेव भट्टाचार्य को सीएम पद सौंप दी थी। बताया जाता है कि शायद ममता बनर्जी भी अभिषेक बनर्जी को सीएम पद या डिप्टी सीएम पद सौंपने की रणनीति बना रही हैं। इस मुद्दे पर ममता बनर्जी ने पहले ही पार्टी नेताओं को बयान नहीं देने का निर्देश दे रखा है। पार्टी के सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दे दिया है।

# ऐतिहासिक है बुजुर्गों के निःशुल्क इलाज का फैसला

प्रो. महेश चंद गुप्ता

केन्द्र सरकार ने 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का निशुल्क इलाज कराने का जो फैसला लिया है, वह एक दूरगामी फैसला है जिसकी सराहना की जानी चाहिए। यह एक ऐसा फैसला है, जिसकी वास्तव में जरूरत थी और अगर इसका यथार्थ के धरातल पर सुचारू क्रियान्वयन हो जाता है तो यह निर्णय बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को नई दिशा देने वाला साबित होगा। यह निर्णय हर लिहाज से महत्वपूर्ण है और इससे बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील सोच के बारे में पता चलता है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में इस बारे में वादा किया था जिसे पूरा कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले के तहत 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा देना तय किया है। इसके तहत हर साल पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में कराया जा सकेगा। माना जा रहा है कि इस योजना के दायरे में देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार शामिल होंगे और छह करोड़ बुजुर्ग सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। इस फैसले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्ग, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, उन्हें इस योजना के दायरे में लाया गया है। जैसा कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि शुरुआत में इस योजना के लिए 3,437 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। भविष्य में जैसे-जैसे लोग इस योजना से जुड़ेंगे, इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। यह भी सराहनीय है कि जो परिवार पहले से आयुष्मान योजना के दायरे में हैं, उन परिवारों के 70 साल पार के बुजुर्गों के लिए हर साल 5 लाख रुपए तक का एडिशनल कवर मिलेगा। इसका इस्तेमाल परिवार के अन्य लोग नहीं कर सकेंगे। कई लोगों को यह फैसला मुफ्त की रेवड़ी लग सकता है लेकिन भारत में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ रही जनसंख्या के दृष्टिगत यह फैसला सचमुच कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के अनुकूल है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष और उससे अधिक आयु) की जनसंख्या 10.38 करोड़ है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग द्वारा गठित जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट के अनुसार 2026 में देश में 60 वर्ष से ऊपर वाले वरिष्ठ नागरिकों की अनुमानित जनसंख्या 17.32 करोड़ होने की उम्मीद है। जिस प्रकार बुजुर्गों की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके साथ-साथ उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी बढ़ रही हैं। हमारे समाज में बुजुर्गों की उपेक्षा के मामले सामने आते रहते हैं। देश में वृद्धाश्रमों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, उससे भी घरों में बुजुर्गों की दशा का संकेत मिलता है। भारतीय आबादी के बुजुर्ग होने से आने वाली समस्याओं और उनके निदान व समाधान को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष व भारत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पापुलेशन साइंसेज ने पिछले साल जो इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 जारी की है, उसके मुताबिक आज का युवा भारत आने वाले दशकों में तेजी से वृद्ध होते समाज में बदल जाएगा। 2050 तक हर पांच में से एक शख्स बुजुर्ग होगा। सदी के अंत में कुल आबादी में 36 फीसदी वृद्ध होंगे, जो अभी महज 10.1 फीसदी हैं। देश में बुजुर्गों की आबादी बढने का सिलसिला 2010 से शुरू हुआ है। मौजूदा चलन के मुताबिक तकरीबन 15 साल में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के नागरिकों की संख्या दोगुनी हो रही है। इससे हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि बहुत से बुजुर्गों के पास इलाज के लिए आर्थिक संसाधन नहीं होते जिससे वे सही समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में, सरकार का उनके मुफ्त इलाज की दिशा में बढ़ाए इस कदम को एक परिहार्य पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकार के इस फैसले से देश के वंचित, शोषित, दलित वर्ग और ग्रामीण परिवेश के बुजुर्गों को सर्वाधिक राहत मिलेगी। हमारे देश में इन वर्गों के अधिकांश बुजुर्गों की आय सीमित अथवा नगण्य होती है और उनके लिए बीमार होने पर इलाज करा पाना एक बड़ी चुनौती व चिंता का विषय होता है। आर्थिक रूप से परेशान बुजुर्गों को जब शारीरिक व्याधियां घेरती हैं तो मानसिक समस्याएं भी दस्तक देने लगती हैं। कई बुजुर्ग तो दूसरों को बीमार देखकर असहज और चिंतित महसूस करते हैं कि अगर वह बीमार पड़ गए तो इलाज कैसे हो पाएगा? यकीनन, मुफ्त इलाज की इस व्यवस्था से उन्हें न केवल इस चिंता से मुक्त करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे उनके खुश रहने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। यह बात प्रमाणित है कि जब बुजुर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से सुलभ होती हैं तो वे समय पर अपना इलाज करवा सकते हैं। इससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार होता है और उम्र संबंधी बीमारियों की गंभीरता को कम करने में भी मदद मिलती है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकार यह सुनिश्चित करना चाह रही है कि आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को भी समान स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले, जो उनके सामाजिक अधिकारों का हिस्सा है। इसे फैसले के कई लाभ और भी होंगे। जब निशुल्क उपचार होगा तो परिवार में बुजुर्गों को बोझ नहीं माना जाएगा। यह योजना निश्चित रूप से सराहनीय है लेकिन इसका सही एवं सुचारू क्रियान्वयन हो, इसे सुनिश्चित करना भी सरकार की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस योजना के कारण सरकारी अस्पतालों पर काम का दबाव बढना स्वाभाविक है। हमारे दूरदराज के अस्पतालों में संसाधनों एवं डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की कमी इसमें बाधक हो सकती है। इसके लिए न केवल डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ के रिक्त पद भरने होंगे बल्कि अन्य जरूरी संसाधन भी जुटाने होंगे। योजना के तहत इलाज कराने आए बुजुर्गों को अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए क्योंकि बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए लंबी कतारों में घंटों तक बारी आने का इंतजार बहुत कष्टदायक होता है। इससे वह इलाज के प्रति विमुख भी होते हैं। इसी के साथ-साथ एक प्रभावी प्रशासनिक ढांचे को भी विकसित करना जरूरी होगा, जो इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित बना सके। सरकारी अस्पतालों के ढांचे में सुधार, जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत और संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के निशुल्क इलाज का फैसला एक सामाजिक और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकार अगर इसकी आयु सीमा को घटा कर साठ वर्ष कर दे तो यह और ज्यादा प्रभावकारी होगा क्योंकि रिटायरमेंट की उम्र 58 या 60 साल ही है। सरकार को इस योजना में भी इसी उम्र को आधार मानना चाहिए।

# गौरव के मंत्र की भाषा : हिंदी

अतुल कुमार

हिंदी सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। सही अर्थों में जन भाषा वही है। पिछली जन गणना के अनुसार देश में 53.68 % लोगों द्वारा इसका इस्तेमाल होता है।यह ग़णना 2011 में हुई थी तब से 14 वर्ष बीत चुके हैं इस दौरान गंगा में बहुत जल प्रवाहित हुआ । मौजूदा हालातों को देखते हुए निश्चित रूप से इसमें बढोतरी हुई होगी ! क्यों कि लोगों की अंतर्राज्यीय आवाजाही रोज़गार ,कारोबार और पढाई आदि के लिये तेज़ी से बडी है हिंदीतर भाषी राज्यों में भी पहले जैसी परिस्थितियां नहीं रहीं कि स्थानीय भाषा और अंग्रेज़ी के बिना काम नहीं चल सकता। इस भारी बदलाव का कारण हुनर मंद लोगों का आगे आना है।हिंदी ने हुनर को बहुत बडी छलांग दी है।उदाहरण के लिये कंस्ट्रक्शन, ज्वेलेरी ,और फर्नीचर ,का काम करने वाले कारीगरों आदि ने अच्छे मेहनताने को देख बडे शहरों का रुख किया । यह हिंदी की महिमा ही है जिसने अन्य शहरों में लोकप्रिय मिठाइयों ,नमकीनों और अन्य खाद्य पदार्थों के विक्रेताओं को दूसरे शहरों में जा अपनी शाखाएं खोलने के लिये प्रेरित किया जिससे उनका कारोबार और मुनाफा बडा ।यह ट्रांस्फार्मेशन सभी राज्यों में पारस्परिक रूप से हुआ । जिसमें हिंदी ने बडी भूमिका निभायी संपर्क भाषा के रूप में उसकी व्यापक पहुंच बनी जिससे छोटे , मंझोले और बडे व्यापारियों की सालाना बैलेंस शीट मज़बूत हुई कुछ ने तो ऐसी उडान भरी कि उनकी फैचाइसी जम कर बिक रही है।अर्थ व्यवस्था को हैपेनिंग बनाने का श्रेय हिंदी को है ।वह दिन लद गये जब लोग कहते हिंदी नहीं चलती । आज हिंदी दौड रही है बडे से बडे हास्पिटल और डाक्टर भी इसकी महता को समझ गये हैं कि हेल्थ सेक्टर में हिंदी कितनी ज़रूरी है। टूरिस्म और तीर्थाटन की सबसे बडी लिंक लैंगुएज के रूप में भी तो हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है । पिछले 10 वर्षों में घरेलू पर्यटन में 12 % की बढोतरी हुई । जिसमें हिंदी की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है । सोचिये ! वास्तव में हिंदी को सिर्फ साहित्यिक चश्मे से ही देखने की आदत सी हो गयी है । अंग्रेज़ी के प्रभुत्व को हिंदी ने तोडा है भारतीय भाषाओं के साथ मिल कर हिंदी का नया रूप स्वरूप सामने आ रहा है जिससे हिंदी ने नयी ज़मीन को तोडा । अक्सर हिंदी की कमियों के लंबे चौडे बखान कर हास्य के रूप में पूछा जाता है " रेल " को हिंदी में क्या कहते हैं । क्या रेल अंग्रेज़ी शब्द है ? यह मूलतः तकनीकी शब्द है जिसका संबंध ट्रैक से होने के कारण सन 1681 में इसे रेल रोड कहा गया जिसका इस्तेमाल सवारी यात्रा और माल ढुलाई में होता है अतः कुछ समय बाद रोड का स्थान "वे" ने लिया और वह रेल्वे बना।इस प्रकार कई तकनीकी शब्दों की उत्पत्ति हुई ।तकनीकी विकास में कई शब्दों का आगमन समय के साथ हुआ और लुप्त हुआ उदाहरण के लिये " ट्रांसिस्टर " " ग्रामा फोन " और " वी सी आर " आदि अपने दौर के इलेक्ट्रानिक उपकरणों के नाम थे क्या इन नामों का अनुवाद कर इनकी खिल्ली उडाई जा सकती है ? इलेक्ट्रानिक सामानों में जापान की मोनोपली है अतः उनकी निर्मित वस्तुओं पर जापानी भाषा का होना स्वाभाविक है । तकनीक ने मनुष्य की सुविधा के रूप में आम ज़िंदगियों में प्रवेश किया इसलिये जब तक तकनीक रही तब तक उन शब्दों का उपयोग होता रहा मिसाल के रूप में " टाइप राइटर " अब यह गुज़रे ज़माने की बात हो गयी है ।

बदलती तकनीक अपने साथ नये शब्दों को लायेगी ही जिसे हुबहू स्वीकार करना होगा उनके ट्रांस्लेशन की बात करना नादानी होगी ।हिंदी नित नये विकास की यात्रा कर रही है ।स्टेटिस्टा रिसर्च की सूचनानुसार दुनिया में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाली 700 भाषाएं हैं जिनमें हिंदी का स्थान तीसरे नंबर पर है क्या इसे महान उपलब्धि नहीं माना जाए ? इसका तो गौरव गान होना ही चाहिये ।इस भव्य उपलब्धि की यदि कोई अनदेखी करेगा तो उसकी ना समझी पर तरस आयेगा ।शब्द किसी भी भाषा से आये ,अगर वे अपने व्याकरण ,और वाक्य रचना में खप जाते हैं तो वे अपनी भाषा के बन जाते हैं।जिससे शब्द भंडार की श्रीवृद्धि होती है। महात्मा गांधी जिनकी मातृभाषा गुजराती थी ने स्वतंत्रता आंदोलन के पहले एजेंडे के रूप में सन 1918 में हिंदी के प्रचार प्रसार के कार्य को शुरु किया क्यों कि वह जानते कि हिंदी ही पूरे देश में संपर्क भाषा होने की सामर्थ्य रखती है और वही किया और देश अंग्रेज़ों की हुकूमत से स्वतंत्र हुआ । हिंदी स्वतंत्र भारत की गरिमा ,गौरव का प्रतीक है ।जिससे स्वभाषा प्रेम , स्वदेश प्रेम और स्वावलंबन की भावना जुडी है । पिछली जन गणना के अनुसार 44% लोगों की मातृभाषा हिंदी है। इतने स्पष्ट आंकडों के बावजूद अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोलने की होड लगी है। दरअसल ग्लोबलाइसेशन और तकनीकी क्रांति के कारण अंग्रेज़ी का इस्तेमाल या पढाई ज़रूरी है लेकिन इसके चलते हिंदी के महत्व की अनदेखी हो यह अनुचित है। हिंदी का उपयोग विज्ञान ,वाणिज्य ,व्यवसाय और अन्य सूचना प्रणालियों और डिजिटल मीडिया में जम कर हो रहा है । सोशल मीडिया की तो हिंदी प्राण वायु है।

# निरंतर बढ़ रही है हिन्दी की ताकत

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी भाषा को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व की बात है कि दुनियाभर में अब हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डा. फादर कामिल बुल्के ने संस्कृत को मां, हिन्दी को गृहिणी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया था। आयरिश प्रशासक जॉन अब्राहम ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहां के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था, जिन्होंने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि बताया था। दूसरी ओर हमारे ही देश में कुछ लोग कुतर्क देते हैं कि भारत सरकार योग को तो 177 देशों का समर्थन दिलाने में सफल हो गई लेकिन हिन्दी के लिए 129 देशों का समर्थन भी नहीं जुटा सकी और इसे अब तक संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने में भी सफलता नहीं मिली। हालांकि इस प्रकार की नकारात्मक बातों से न हिन्दी का कुछ भला होने वाला है और न ही उसका कुछ बिगड़ने वाला है। ऐसे व्यक्ति हिन्दी की बढ़ती ताकत का यह सकारात्मक पक्ष बहुत चालाकी से नजरअंदाज कर देते हैं कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। देश-विदेश के बड़े-बड़े विद्वानों ने हिन्दी भाषा के महत्व को समय-समय पर अपने शब्दों में व्यक्त किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में भी हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। हिन्दी भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए वह कहा करते थे कि सम्पूर्ण भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जिसे जनता का बड़ा भाग पहले से ही जानता-समझता है और राज व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। गांधी जी कहते थे कि दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल दिल से बातचीत करता है और राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है। अमेरिका के जाने-माने चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग का कहना था कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी हिन्दी को देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत मानते थे जबकि राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार संस्कृत की विरासत हिन्दी को जन्म से ही मिली है। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का कहना था कि राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी ही जोड़ सकती है। महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम को परिभाषित करता वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंध कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। बहुत सारे देशों में अब वहां की स्थानीय भाषाओं के साथ हिन्दी भी बोली जाती है। इसके अलावा दुनिया के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है। दुनियाभर में अब करीब 75 करोड़ व्यक्ति हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री 'बॉलीवुड' का नाम है, जहां हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं।

# शहर में कवि या कवियों में शहर

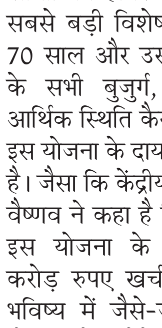

डॉ टी महादेव राव

मेरा शहर मुझे लगता है बहुत उर्वरा है। वरना जहाँ शांति सद्भाव बड़ी कठिनाई से स्थापित होते हैं, वहीं कवियों की संख्या बड़ी आसानी से बढ़ रही है। मुझे डर है कि भारत की जनसंख्या की तरह पूरे का पूरा शहर कविग्रस्त... कर्फ्यूग्रस्त की तरह न हो जाये। कल को इस शहर का हर शख्स केवल कवि ही न नज़र आये। मुझे आशा है मेरे शहर के कवि इस बात पर नाराज नहीं होंगे। इस बात का पता बड़ी देर से चला कि मेरे शहर के हर तीसरे घर में एक कवि है। हो भी क्यों न? जब सारे वातावरण में कविताई कण भरें हों। एक शख्स बेचारे तबला बजाते रहे और कवियों के संपर्क में आकर तबला बजाना छोड़ दिया। अब मंच पर से श्रोताओं के कान बजा रहे हैं। आखिर तबले पर आप कितने तरह की ताल निकालेंगे? अधिक से अधिक दस या बीस किन्तु कविता में ताल ही क्यों – नदी-नाले, समुद्र और न जाने क्या क्या विषय ले सकते हैं और सारे संसार की वस्तुओं पर कविता सुना सकते हैं। दूसरे महोदय अति आधुनिकता का जामा पहने कविताई कुछ ऐसी करते हैं कि सामने वाला श्रोता बाईसवीं सदी की ओर दौड़ने लगता है। आखिर उनकी कविता में लेजर किरणों, कंप्यूटर, इंटरनेट, रृइ मेल-फीमेल, प्रगति, ए आई, प्रधानमंत्री, परमाणु ऊर्जा जैसे शब्दों की भरमार होती है। इस तरह कविग्रस्त मेरा शहर अपनी संस्कृति और सभ्यता का जीता जागता उदाहरण है। एक ओर औद्योगिक वातावरण के कारण ध्वनि प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण ग्रस्त है तो दूसरी ओर मेरे शहर के कवि सामाजिक वायुमंडल को साहित्यिक प्रदूषण से ओत-प्रोत करने में सक्रिय हैं। इस तरह के कविग्रस्त शहर की वरिष्ठ साहित्य समिति समर शंखनाद से मुझे एक कविगोष्ठी का आमंत्रण पत्र मिला – आप चूँकि समीक्षा, रिपोर्टिंग आदि लिखते और छपवाते हैं सो एक माननीय समीक्षक की हैसियत से आप सादर आमंत्रित हैं। कवितायें सुनें और अच्छी समीक्षा करें और छपवायें – ऐसा हमारा अनुरोध है। निर्धारित समय पर पहुँचा। उनके आदेशानुसार प्रतिज्ञा किया कि इस समय कोई कविता नहीं सुनाऊंगा। संचालक महोदय ने आसंदी सम्हाली और संचालन आरंभ किया। वे समिति के अध्यक्ष थे और उनका नाम जाज्वल्यमान ज्वलंत था। आप सबका समर शंखनाद साहित्य समिति स्वागत करती है। इस सुहावनी संध्या पर सर्वप्रथम मैं जिन्हें आमंत्रित कर रहा हूँ उनके बारे में – खोल देंगे आते ही आपके दिल का फाटक/ ऐसे कवि हैं हमारे नीरस कुमार घातकघातक जैसा संघातक नाम लिये हुए दुबले से, उदास से खोये खोये से शख्स ने गला खखार कर शुरू किया – एक सामयिक कविता प्रस्तुत है – श्वान।

# परिवर्तिनी एकादशी आज

## भगवान विष्णु के वामन रूप की पूजा होती है मान्यता है कि इस व्रत से मिलता है वाजपेय यज्ञ का फल

14 सितंबर को भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे जलझूलनी या परिवर्तिनी एकादशी कहते हैं। इस दिन भगवान विष्णु के वामन रूप की पूजा होती है। माना जाता है कि इस दिन भगवान योग निद्रा के दौरान करवट लेते हैं, इसलिए इसको परिवर्तिनी एकादशी कहते हैं। मान्यताओं के मुताबिक कुछ जगहों पर ये दिन भगवान श्रीकृष्ण की सूरज पूजा (जन्म के बाद होने वाला मांगलिक कार्यक्रम) के रूप में मनाया जाता है।

**व्रत की विधि:** इस एकादशी व्रत का नियम दशमी तिथि की रात से ही शुरू हो जाता है। एकादशी के दिन सूर्योदय से पहले ही नहाना चाहिए। फिर साफ कपड़े पहनकर भगवान वामन या विष्णुजी की मूर्ति के सामने बैठकर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान वामन की पूजा विधि-विधान से करें। हो सके तो उपवास करें। उपवास में अन्न नहीं खाएं और एक वक्त फलाहार कर सकते हैं।

**पूजा विधि:** भगवान पर शुद्ध जल चढ़ाएं फिर पंचामृत से नहलाएं। इसके बाद फिर शुद्ध जल चढ़ाएं। इसके बाद भगवान को गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि पूजन सामग्री अर्पित करें। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप एवं भगवान वामन की कथा सुनें। इसके बाद भगवान को नैवेद्य लगाकर आरती करें और सब में प्रसाद बांट दें।

**परिवर्तिनी एकादशी व्रत का महत्व**

विष्णु धर्मोत्तर पुराण का कहना है कि विधि-विधान से परिवर्तिनी एकादशी व्रत करने वाले को वाजपेय यज्ञ का फल मिलता है। जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा है कि इस एकादशी पर व्रत और पूजा करने से भगवान विष्णु, शिव और ब्रह्मा यानी त्रिदेवों की पूजा का फल मिल जाता है। ये व्रत हर तरह की मनोकामना पूरी करने वाला माना जाता है।

# रणथंभौर के गणपति पूरी करते हैं हर मनोकामना

जरा सोचिए कि आप भगवान को चिट्ठी लिखें तो कैसा होगा। आस्था और विश्वास की यह डोर जुड़ी है भगवान गणपति से। भारत में एक ऐसा स्थान भी है जहां लोग गणपति को खत लिखते हैं,जो उन्हें बताना होता है वो सब कुछ खत में लिख देते हैं। गणेश जी के इस खास मंदिर में लाखों की संख्या में चिट्ठियां आती हैं और गणपति का ये खास मंदिर स्थित है रणथंभौर राजस्थान में। यहां हर शुभ कार्य से पहले गणपति जी को निमंत्रण दिया जाता है।

यहां तीन आंख वाले गणपति पूरी करते है हर मनोकामना, अनोखे तरीके से भक्त गणेश जी तक पहुंचाते हैं अपनी बात

गणपति जी के इस मंदिर की स्थापना रणथंभौर के राजा हमीर ने 10वीं सदी में की थी। ऐसा कहा जाता है कि युद्ध के समय गणेश जी राजा के सपने में आए और उन्हें आशीर्वाद दिया और राजा युद्ध में विजयी हुए। इसके बाद राजा ने अपने किले में गणेश जी के मंदिर का निर्माण करवाया।

यहां तीन आंख वाले गणपति पूरी करते है हर मनोकामना, अनोखे तरीके से भक्त गणेश जी तक पहुंचाते हैं अपनी बात

यहां भगवान गणेश की मूर्ति में तीन आंखें हैं। यहां पर भगवान गणेश जी अपनी पत्नी रिद्धि, सिद्धि और अपने पुत्र शुभ-लाभ के साथ विराजमान हैं। गणपति का वाहन चूहा भी साथ में है। यहां गणेश चतुर्थी पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और बड़े ही धूमधाम से उत्सव मनाया जाता है।

यहां तीन आंख वाले गणपति पूरी करते है हर मनोकामना, अनोखे तरीके से भक्त गणेश जी तक पहुंचाते हैं अपनी बात

इस मंदिर में किसी भी शुभ कार्य से पहले लोग डाक द्वारा चिट्ठियां भेजते हैं। कार्ड पर पता लिखा जाता है- 'श्री गणेश जी, रणथंभौर का किला, जिला- सवाई माधौपुर (राजस्थान)। डाकिया के द्वारा भी इन चिट्ठियों को पूरी श्रद्धा और सम्मान से मंदिर में पहुंचा दिया जाता है।

यहां तीन आंख वाले गणपति पूरी करते है हर मनोकामना, अनोखे तरीके से भक्त गणेश जी तक पहुंचाते हैं अपनी बात

चिट्ठी जब मंदिर में पहुंच जाती हैं तब पुजारी जी चिट्ठियों को भगवान गणेश के सामने पढ़कर उनके चरणों में रख देते हैं। ऐसा कहा जाता ही कि है कि इस मंदिर में भगवान गणेश को निमंत्रण भेजने से सारे काम सफल हो जाते हैं।

# जयपुर में होती है बिना सूंड वाले भगवान गणेश की पूजा

गणपति को विघ्नहर्ता कहा जाता है। उनकी सूंड दाईं ओर है ये फिर बाईं ओर है इसका प्रभाव पूजा और मनोकामना की पूर्ति पर भी पड़ता है। लेकिन भारत में एक ऐसा मंदिर भी है जहां बिना सूंड वाली गणपति की मूर्ति विराजमान है। ये प्राचीन मंदिर भारत में इतना प्रसिद्ध है कि हर साल लाखों श्रद्धालू दूर-दूर से यहां माथा टेकने आते हैं। ये मंदिर राजस्थान की राजधानी जयपुर में है। गढ़ गणेश के नाम से प्रसिद्ध इस मंदिर का इतिहास क्या है आइए जानते हैं।

राजस्थान के गढ़ गणेश मंदिर का इतिहास

इतिहास के जानकारों द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार गढ़ गणेश मंदिर महाराजा सवाई जयसिंह ने बनवाया था। नाहरगढ़ की पहाड़ी पर अश्वमेघ यज्ञ करवा कर गणेश जी के बाल स्वरूप वाली इस प्रतिमा की स्थापना करीब 350 साल पहले करवायी गयी थी। कहते हैं इस मंदिर की स्थापना के बाद ही जयपुर शहर की नींव रखी गयी थी। इस मंदिर के शीर्ष से पूरा जयपुर शहर एकसाथ देखा जा सकता है। मंदिर में गणपति की प्रतिमा को इस तरह स्थापित किया गया है कि इसे सिटी पैलेस के इंद्र महल से आप दूरबीन से साफ देख सकते हैं। कहते हैं इंद्र महल से महाराजा दूरबीन से भगवान के दर्शन किया करते थे।

इस मंदिर के निर्माण में सीढ़ियों की भी एक कहानी है। गढ़ गणेश मंदिर में 365 सीढ़ियां हैं कहते हैं जब मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है तो एक दिन में एक सीढ़ी का निर्माण किया जाता था और इस तरह से इन सीढ़ियों का काम 365 दिन यानि एक साल में पूरा हुआ। जब आप मंदिर में दर्शन करने जाते हैं तो आप ये सारी सीढ़ियां चढ़ते हैं। इश तरह से आप भगवान की 12 महीने 365 दिनों की आराधना एक ही दिन में कर लेते हैं। गढ़ गणेश के मंदिर की ओर जाते समय रास्ते में शिव भगवान का एक प्राचीन मंदिर भी आता है जिसमें वो अपने परिवार के साथ विराजमान हैं। कहते हैं अगर आप इस मंदिर में होते हुए भगवान गणेश के दर्शन करने जाते हैं तो गढ़ गणेश मंदिर में मांगी हर मनोकामना जल्द पूरी होती है। इस मंदिर में गणेश के बालरूप को पूजा जाता है जिस वजह से इनकी सूंड नहीं है। ये भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमे गणेश जी बिना सूंड के विराजमान हैं।

गढ़ गणेश मंदिर के परिसर में दो चूहे स्थापित है जिनके कान में भक्त अपनी मनोकामना बताते हैं मान्यता है कि चूहे उन इच्छाओं को बाल गणेश तक पहुंचाते है। जिससे भक्तगणों की हर मुराद पूरी होती है। सच्चे मन से मांगी हर मुराद पुरी होने का दावा यहां आए कई भक्त करते हैं।

## गणेश जी ने अपने पिता को दिया था युद्ध में विजय का आशीर्वाद, अष्टविनायकों में से एक

भगवान शिव और त्रिपुरासुर में युद्ध हुआ। त्रिपुरासुर को भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त था। तब महादेव ने श्री गणेश की अराधना की। अपने ही बेटे से विजयश्री का आशीर्वाद लेने के बाद ही राक्षस त्रिपुरासुर को...

महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है, जहाँ भगवान श्री गणेश की उपासना किसी त्यौहार से कम नहीं है। राज्य का संभवतः ही कोई ऐसा इलाका हो, जहाँ भगवान गणेश का कोई दिव्य मंदिर न हो। ऐसा ही एक मंदिर पुणे के निकट रांजनगाव में स्थित है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के मुताबिक इस स्थान पर भगवान गणपति ने अपनी पिता की उपासना से प्रसन्न होकर उन्हें दर्शन दिया था। इसके बाद भगवान शिव ने राक्षस त्रिपुरासुर पर विजय प्राप्त की थी और यहाँ भगवान श्री गणेश के मंदिर को स्थापित किया था।

**पौराणिक इतिहास**

रांजनगाव का वर्णन पुराणों और कई अन्य धर्म ग्रंथों में मिलता है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में गृत्समद नाम के एक महान ऋषि थे, जो बहुत बड़े गणेश भक्त थे। उनका त्रिपुरासुर नाम का एक पुत्र हुआ, जो अत्यंत महत्वाकांक्षी होने के साथ क्रूर भी था। ऋषि गृत्समद ने उसे भगवान गणेश की उपासना करने के लिए कहा। भगवान गणेश ने त्रिपुरासुर को स्वर्ण, चाँदी और लोहे के तीन नगर आशीर्वाद स्वरूप दिए। भगवान गणेश से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद त्रिपुरासुर ने अत्याचार मचा दिया और स्वर्ग, नरक एवं पाताल को भी जीत लिया।

त्रिपुरासुर के अत्याचार से तंग आकर यहाँ निवास करने वाले लोग भगवान शिव के पास गए और उनसे रक्षा करने की प्रार्थना की। भगवान शिव ने त्रिपुरासुर से युद्ध किया लेकिन भगवान शिव को युद्ध में उस राक्षस को नियंत्रित करने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा। इसी दौरान उन्हें यह स्मरण हुआ कि त्रिपुरासुर को भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त है, तब उन्होंने भी भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उनकी अराधना की।

भगवान शिव की उपासना से प्रसन्न होकर भगवान श्री गणेश ने उन्हें इसी स्थान पर दर्शन दिए और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। भगवान गणेश के आशीर्वाद से महादेव ने एक ही बाण से त्रिपुरासुर के तीनों नगरों को नष्ट कर दिया और उस पर विजय प्राप्त की।

# राक्षस को मारने के बाद इस मंदिर में देवी ने बुझाई थी अपनी प्यास

हैदराबाद शहर के जुबली हिल्स पर एक अनोखा मंदिर स्थित है। यह मंदिर करीब 150 साल पुराना है। लोग शक्ति का प्रतीक मानते हैं। इसकी वास्तुकला की सुंदरता और धार्मिक महत्व के कारण यहां लोग दूर-दूर से पूजा पाठ करने के लिए आते हैं। एक और वजह से मंदिर बहुत खास है। दरअसल, इस मंदिर में लोग नारियल नहीं चढ़ाते। बल्कि देवी को खुश करने के लिए नारियल का पानी का चढ़ाया जाता है।

पेद्दम्मा थल्ली मंदिर के नाम की कहानी

'पेद्दाम्मा' शब्द की उत्पत्ति तेलुगु से हुई है। जो पेद्दा और अम्मा को मिलाकर बना है। इसका अर्थ है 'माताओं की माँ।' जो थल्ली मां को दर्शाता है। इसलिए पेद्दम्मा थल्ली का वही अर्थ है, जो देवी को परम मातृ स्वरूप के रूप में दिखाता है। पेद्दम्मा थल्ली को श्री गौरम्मा और श्री अम्मावरु भी कहा जाता है।

**पेद्दम्मा थल्ली मंदिर का अनोखा चढ़ावा**

पेद्दम्मा थल्ली मंदिर की एक अनोखी परंपरा में भक्त देवी को केवल नारियल चढ़ाते हैं। भक्तो के अनुसार देवी एक राक्षस को मारने के बाद इस स्थान पर अपनी प्यास बुझाने आई थीं, यही वजह भक्त माता को नारियल पानी चढ़ाते हैं। एक और अजीब रिवाज है कि सिक्कों को एक निर्दिष्ट स्थान पर लंबवत रखा जाता है और मन्नत मांगी जाती है। यह विश्वास करते हुए कि इससे उन्हें वास्तविक इच्छाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक आशीर्वाद मिलेगा।

**पेद्दम्मा थल्ली मंदिर कैसे पहुंचे**

यह मंदिर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बस और ऑटो से यहां आप आसानी से पहुंच सकते हैं। वहीं, माधोपुर मेट्रो स्टेशन से 3 किलोमीटर की दूरी है। सोमवार से शनिवार सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक, शाम 3 बजे से 8 बजे तक दर्शन का समय होता है। रविवार को सुबह 6 बजे से शाम 8:30 बजे तक लोग यहां दर्शन कर सकते हैं।

# अभिषेक बच्चन का नया लुक देख फैंस ने कहा- 'किंग' फिल्म की तैयारी है

अभिषेक बच्चन हिंदी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्हें उनकी बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता हैं। अपने करियर में एक अच्छा खासा समय बीत जाने के बाद उन्हें वो भूमिकाएं और सराहनाएं मिली, जिसके वह हमेशा से हकदार थे। उन्हें उनकी पिछली कुछ फिल्मों और वेब सीरीज में काफी पसंद किया गया है। अब फिल्मी गलियारे में ये अफवाहें तेजी से फैल रही हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि वह बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' में नजर आने वाले हैं। कुछ अफवाहों में बताया जा रहा है कि वो इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में दिखने वाले हैं। इन तमाम अफवाहों के बीच उनका एक नया लुक तेजी से वायरल हो रहा है।

### वायरल हो गया है अभिषेक का नया लुक

अभिषेक बच्चन ने नया लुक अपनाया है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि ये लुक शाहरुख और सुहाना खान की आगामी फिल्म किंग के लिए हो सकती है। अभिषेक बीते कुछ समय से सार्वजनिक रूप से जितनी बार भी नजर आए हैं, उनमें वह पहले की अपेक्षा काफी दुबले-पतले नजर आ रहे हैं। इससे साफ है कि वह अब काफी फिट हो चुके हैं। फैंस इससे अनुमान लगा रहे हैं कि अभिनेता ने अपने लुक में इस तरह का बदलाव सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित फिल्म किंग के लिए अपनाया है।

### आलिम हकीम ने साझा की है तस्वीर

इस क्रम में अब सेलिब्रेटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने भी उनकी एक तस्वीर साझा की है। अभिषेक इस लुक में बेहद अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में उन्होंने टर्टल नेकवाली टीशर्ट पहनी हुई है, जिसमें वह नए हेयर स्टाइल के साथ काफी शानदार नजर आ रहे हैं। उनके कानों में एक ज्वेलरी पहनी हुई है, जो उनके लुक को और शानदार बना रहा है। उनके इस तस्वीर को अर्जुन कपूर, वरुण धवन, बिपाशा बसु, नील नितिन मुकेश और बॉबी देओल समेत कई सितारों ने लाइक किया है। अभिनेता रोहित बोस ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, ₹वाह! यह अब तक का आपका सबसे अच्छा लुक है।

### कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन की बात करें तो, उनके आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई आर बाल्की की फिल्म घूमर में देखा गया था। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म बी हैप्पी में नजर आएंगे, जिसे रेमो डिसूजा बना रहे हैं। इसके अलावा वह शूजित सरकार द्वारा निर्देशित फिल्म में भी नजर आएंगे। बात करें फिल्म किंग की, तो इसे सुजॉय घोष निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख खान एक डॉन के किरदार में नजर आने वाले हैं।

# धनुष को आखिर समझ आ ही गई फिल्म निर्माताओं की ताकत सूद समेत लौटाएंगे इस फिल्म का साइनिंग अमाउंट

ये सब कोरोना संक्रमण काल के समय से शुरू हुआ। थलाइवा के नाम से मशहूर रजनीकांत के दामाद धनुष ने अपनी लोकप्रियता की हनक बनाई और अपनी फिल्में निर्माताओं की तय मियाद से पहले ही सिनेमाघरों से ओटीटी तक पहुंचानी शुरू कर दीं। इसके बाद उन्होंने सीधे ओटीटी के लिए भी फिल्में बनाईं और मामला इतना बिगड़ गया कि फिल्म वितरकों ने उनकी फिल्मों को सिनेमाघरों में दिखाना ही बंद कर दिया। अब जबकि धनुष के सिर से रजनीकांत का हाथ हट चुका है तो धनुष को भी निर्माताओं की ताकत का अंदाजा होने लगा है।

हुआ यूं कि धनुष ने कम से कम दो फिल्म निर्माताओं को लंबे अरसे से लटका कर रखा है। दोनों फिल्मों के लिए वह मोटी साइनिंग अमाउंट रकम ले चुके थे लेकिन न तो वह इनकी शूटिंग के लिए डेट्स दे रहे थे और न ही कोई स्पष्ट जवाब ही दे रहे थे। निर्माताओं ने इसकी शिकायत तमिल फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल से की और अनुशासन तोड़ने को ही अपना स्टारडम मानते रहे धनुष को इस बार सीधी सीधी चेतावनी जारी कर दी गई।

जानकारी के मुताबिक तमिल फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल का नोटिस मिलते ही धनुष ने अपनी आदतें सुधारने का फैसला कर लिया है। उनके करीबियों ने भी उन्हें इस मामले में यही सलाह दी है कि स्थानीय निर्माताओं से पंगा लेना ठीक नहीं है क्योंकि हॉलीवुड में जमने का धनुष का प्रयोग सफल हो नहीं पाया है। जिन फिल्मों को लेकर धनुष के खिलाफ काउंसिल में शिकायत पहुंची, उनका निर्माण थेनांदल फिल्म्स और फाइव स्टार क्रिएशन्स नामक प्रोडक्शन हाउस कर रहे हैं।

इन दोनों प्रोडक्शन कंपनियों की शिकायत पर तमिल प्रोड्यूसर्स काउंसिल ने सख्ती दिखाई और ये फैसला किया कि आगे से धनुष के साथ कोई भी नई फिल्म शुरू करने से पहले तमिल निर्माताओं को काउंसिल से अनुमति लेनी होगी। बस इस आदेश के बाहर आते ही धनुष ने तुरंत घुटने टेक दिए हैं। जानकारी के मुताबिक धनुष की थेनांदल फिल्म्स और फाइव स्टार क्रिएशन्स नामक प्रोडक्शन हाउस के मालिकों से बात हो चुकी है।

काउंसिल की पहल पर थेनांदल फिल्म्स, फाइव स्टार क्रिएशन्स नामक प्रोडक्शन हाउस और धनुष के बीच मामले को सुलझाने पर सहमति बन चुकी है। जानकारी के मुताबिक, धनु, ने थेनांदल फिल्म्स की फिल्म में काम करने की बात मान ली है। फिल्म के लिए निर्देशक का नाम फाइनल होते ही इसका एलान कर दिया जाएगा। हालांकि, फाइव स्टार क्रिएशन्स नामक प्रोडक्शन हाउस की फिल्म वह अब नहीं करेंगे और इस कंपनी से मिली साइनिंग अमाउंट की रकम वह ब्याज समेत वापस कर देंगे।

धनुष के इस फैसले के बाद अब तमिल सिनेमा में उनके नाम और काम लेकर चल रही बाधाएं दूर हो चुकी बताई जाती हैं। वह इन दिनों शेखर कमुला की फिल्म 'कुबेर' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में नागार्जुन भी एक विशेष भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी एक फिल्म हिंदी सिनेमा में भी बन रही है जिसके निर्देशक आनंद एल राय हैं। आनंद की फिल्म 'रांझणा' से ही धनुष ने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था।

# जब आलिया भट्ट ने सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की करी थी तारीफ, बोलीं- सबसे क्यूट

इन दिनों आलिया अपनी आगामी फिल्म जिगरा को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में आलिया वेदांग रैना के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। इसी बीच आलिया भट्ट का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें वह अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की तारीफ कर रही हैं और उन्हें सबसे क्यूट व्यक्ति बताया था।

दरअसल, कॉफी विद करण शो पर जब 2022 में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए गए थे, तब आलिया ने सैफ के बेटे इब्राहिम के बारे में कहा था कि वह सबसे ज्यादा क्यूट इंसान हैं। आगे आलिया ने इब्राहिम अली खान के लिए कहा था कि उन्हें अब तक मिले सभी लोगों में सबसे प्यारे व्यक्ति (इब्राहिम) हैं।

यही नहीं बल्कि करण के शो के दौरान आलिया ने इब्राहिम का मैसेज भी पढ़कर सुनाया। मैसेज पढ़ते हुए आलिया ने कहा, आपको व्यक्तिगत रूप से मैसेज भेजने के लिए समय निकालना पड़ा (जिस पर रणवीर और केजेओ अपनी हंसी रोक नहीं पाए)। आलिया की इस बात कर रणवीर ने कहा ''क्योंकि आप (आलिया) जीवन में जेफ बेजोस से भी ज्यादा व्यस्त हैं ।

आलिया ने आगे इब्राहिम का मैसेज पढ़ा, गंगू के रूप में आप बहुत अच्छी हैं और रानी के रूप में आपको देखना और फिर यह फिल्म देखना। यह कहना सही होगा कि आप खुद को आसानी से ढाल लेती हैं। आप बहुत अच्छी, देश की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री हैं। इब्राहिम के इतने प्यारे और मजेदार मैसेज को सुनकर रणवीर सिंह और करण जौहर जोर-जोर से हंसने लगे।

काम की बात करें तो आलिया भट्ट अपनी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं रणवीर सिंह अभी हाल ही में एक नन्हीं परी के पापा बने हैं। वह जल्द ही सिंघम अगेन, डॉन 3 के अलावा कई फिल्मों में नजर आएंगे। वहीं इब्राहिम अली खान जल्द ही बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरुआत करने जा रहे हैं। इब्राहिम ने काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ सरजमीन फिल्म की शूटिंग कर ली है।

# जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' के तीन सीन पर चली सेंसर की कैंची

कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी जूनियर एनटीआर अभिनीत फिल्म 'देवराः भाग 1' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिन जारी हुए हाई एक्शन पैक्ड ट्रेलर ने प्रशंसकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इस फिल्म के जरिए जान्हवी कपूर भी अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इसी बीच फिल्म की सेंसर प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'देवराः भाग 1' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की ओर से यू/ए प्रमाणपत्र दिया गया है।

'देवराः पार्ट 1' महीने के आखिरी शुक्रवार यानी 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 10 सितंबर को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान रिलीज हुआ और इसने पैन-इंडिया फिल्म के इर्द-गिर्द बढ़ते प्रचार को और बढ़ा दिया है। फिल्म ने अपनी सेंसर प्रक्रिया पूरी कर ली है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म में दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कई कट लगाए हैं।

सीबीएफसी ने चार संशोधनों के लिए कहा, जिनमें से तीन हिंसक दृश्यों से संबंधित हैं। सबसे उल्लेखनीय परिवर्तनों में से एक दृश्य शामिल है, जहां एक किरदार अपनी पत्नी को लात मारता है। सीबीएफसी के अनुरोध के बाद पेट पर सीधी लात मारने का दृश्य हटा दिया गया।

इसी तरह, दूसरे भाग के एक अन्य दृश्य में एक किरदार अपनी मां को लात मारता है और सीबीएफसी ने इस अनुक्रम को भी संशोधित करने पर जोर दिया। तीसरे संशोधन में पांच-सेकंड के शॉट को हटाने की आवश्यकता थी जिसमें एक व्यक्ति के शरीर को तलवार पर लटकाया गया था और हथियार नीचे फिसल रहा था। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव में सीजीआई दृश्य शामिल है जिसमें जूनियर एनटीआर को शार्क की सवारी करते हुए दिखाया गया है, जिसने काफी चर्चा पैदा की है।

सीबीएफसी ने निर्माताओं को दर्शकों की किसी भी संभावित गलतफहमी से बचने के लिए एक टिकर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया, जो पुष्टि करता हो कि शार्क कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी (सीजीआई) है। फिल्म का रनटाइम 178 मिनट और 3 सेकंड है, जिससे यह लगभग तीन घंटे लंबी हो जाती है। कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित 'देवरा भाग 1' में जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर सहित कई कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ सहित कई भाषाओं में रिलीज होगी।

# संजय लीला भंसाली की रोमांटिक फिल्म 'तुम ही हो' में दिखेगी सिद्धांत-मृणाल की जोड़ी

निर्देशक संजय लीला भंसाली अपने बेहतरीन निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। संजय की कुछ समय पहले वेब सीरीज हीरामंडी रिलीज हुई थी। इस वेब सीरीज ने सोशल मीडिया पर जमकर सुर्खियां बटोरीं। मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार, अब संजय एक म्यूजिक आधारित प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की रोमांटिक जोड़ी देखने को मिलेगी।

फिल्म का शीर्षक होगा 'तुम ही हो'?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय की आगामी फिल्म का शीर्षक 'तुम ही हो' हो सकता है। फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित होगी। हालांकि, निर्माताओं ने इस फिल्म को लेकर किसी भी प्रकार की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

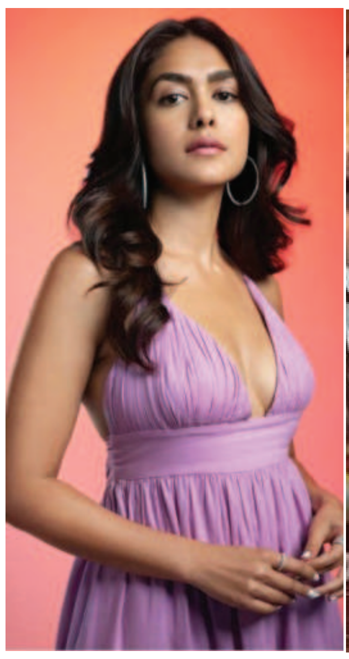

### उत्तराखंड में होगी आगे की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मई 2023 से शुरू हो चुकी है। फिल्मांकन का अगला शेड्यूल उत्तराखंड के खूबसूरत राज्य में होगा। टीम सितंबर के आखिर में उत्तराखंड जाएगी और शूटिंग के अगले चरण के लिए अक्टूबर में कुछ समय के लिए वहीं रुकेगी। सिद्धांत और मृणाल बाकी टीम के साथ वहां शूटिंग में शामिल होंगे।

सिद्धांत और मृणाल संगीतकार की भूमिका निभाएंगे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तुम ही हो में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर संगीतकारों की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा होने का वादा करती है। चूंकि दोनों कलाकार संगीतकार की भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए फिल्म का संगीत बेहद शानदार होने की पूरी उम्मीद है।

तुम ही हो का निर्माण जारी है, वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी एक्शन फिल्म 'युध्रा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।

वह तृप्ति डिमरी के साथ धड़क 2 पर भी काम कर रहे हैं , जो इस साल के आखिर तक रिलीज होने वाली है। इस बीच, मृणाल ठाकुर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं, जिनमें अजय देवगन के साथ वह सन ऑफ सरदार 2 और वरुण धवन के साथ डेविड धवन द्वारा निर्देशित एक नई फिल्म में नजर आ सकती हैं।

# एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगी शाहिद-तृप्ति की पहली फिल्म, विशाल भारद्वाज करेंगे निर्देशन

निर्माता साजिद नाडियाडवाला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आज कुछ ही देर पहले साजिद ने अपनी एक और एक्शन-थ्रिलर फिल्म की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर की है। इस फिल्म में पहली बार शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज करेंगे।

आज, 13 सितंबर को साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने उनके आगामी प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा पोस्ट की। साजिद नाडियाडवाला द्वारा समर्थित और विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। साजिद ने पोस्ट में अपनी, तृप्ति, विशाल और शाहिद की तस्वीर का एक कोलाज साझा किया और पोस्ट पर लिखा, ₹मैं बेहद ही उत्साहित हूं अपने प्रतिभाशाली निर्देशक और मेरे प्रिय मित्र विश्ला भारद्वाज के साथ जुड़ने के लिए। साथ ही पावरहाउस अभिनेता शाहिद कपूर के साथ मिलकर काम करने के लिए बेहद रोमांचित हूं।

बता दें शाहिद और विशाल इस फिल्म से पहले 2009 में फिल्म कमीने और 2014 में हैदर के साथ बड़े पर्दे पर अपना जादू चला चुके हैं, जिसमें हैदर को सर्वश्रेष्ठ संगीत, संवाद, पार्श्व गायक और सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई जा रही है। यह एक मिशन-आधारित एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। साजिद नाडियाडवाला इसे सबसे बड़े संभव तरीके से पेश करने के लिए उत्साहित हैं। साजिद और विशाल की जोड़ी का मानना है कि शाहिद कपूर इस भूमिका के लिए सबसे सही अभिनेता हैं। फिल्म के लिए छह बड़े एक्शन सेट बनाने की योजना चल रही है। सबकुछ सही रहा तो यह फिल्म सितंबर या फिर अक्टूबर 2024 से फ्लोर पर आएगी और इसे भारत और अमेरिका में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा।

फिलहाल, साजिद नाडियाडवाला सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस हार्ड-कोर एक्शन एंटरटेनर में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, प्रतीक बब्बर और सत्यराज महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह अगले साल ईद 2025 पर रिलीज होगी।

# 'तुम्हारी मुस्कुराहट पूरी दुनिया में सबसे अच्छी है' काजोल-अजय ने बेटे युग को दी जन्मदिन की बधाई

**काजोल** और अजय देवगन बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक हैं। कपल की तरह उनके बच्चे भी काफी लोकप्रिय हैं। लाइमलाइट से दूर होने के बाद भी किसी न किसी इवेंट में काजोल अपने परिवार के साथ स्पॉट हो ही जाती हैं। आज कपल अपने बेटे युग का 14वां जन्मदिन मना रहे हैं। माता-पिता ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और एक प्यारा सा नोट भी लिखा है। काजोल ने हाल ही में, अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ पारिवारिक सेलिब्रेशन से एक प्यारी मां-बेटे की तस्वीर में युग के साथ पोज दिया। अजय ने युग के साथ दो तस्वीरें शेयर कीं, जब वे हाल ही में वेकेशन के दौरान साइकिल चला रहे थे। सोशल मीडिया पर कपल की उनके बेटे के साथ यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है। काजोल ने अपने इंस्टाग्राम कैप्शन में युग के लिए लिखा, इस छोटे से बच्चे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! तुम्हारी मुस्कुराहट पूरी दुनिया में सबसे अच्छी चीज है.. हम हमेशा एक-दूसरे का हाथ थामे रहें और अजीबोगरीब चीजों पर हंसते रहें! लव यू युग। एक प्रशंसक ने उनकी पोस्ट पर टिप्पणी की, काजोल सच में आपका बेटा बहुत ही प्यारा है, शांत और शांत।₹ एक दूसरे यूजर ने कहा, ₹जन्मदिन मुबारक हो छोटे बच्चे युग। युग और अपनी तस्वीरों के साथ अजय ने ट्वीट किया, तुम सबसे आसान पलों को भी अलग बना देते हो... मुझे मात देने से लेकर मुझे चौकन्ना रखने तक, तुमने हमेशा कंफर्म किया है कि मैं कभी बोर न होऊं... जन्मदिन मुबारक हो मेरे बेटे। एक प्रशंसक ने जवाब में ट्वीट किया, जन्मदिन मुबारक हो युग... हमेशा खुश और स्वस्थ रहो और अपने सपने पूरे करो। भगवान हमेशा साथ रहे। बता दें कि काजोल और अजय देवगन की एक बेटी भी हैं, जिसका नाम नीसा देवगन है। नीसा का जन्म 20 अप्रैल 2003 को हुआ था। वही, बर्थडे बॉय युग का जन्म 2010 में हुआ था।

# एशा देओल ने पिता धर्मेंद्र को बताया रूढ़िवादी

ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और हीमैन धर्मेंद्र की बेटी एशा देओल की निजी जिंदगी काफी उलझनों भरी रही है। भरत तख्तानी के साथ इस साल उनका रिश्ता टूटा है। करीब 12 साल शादी में रहने के बाद इस साल फरवरी में दोनों ने तलाक ले लिया। एशा देओल को अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में, एशा ने अपने पिता धर्मेंद्र को रूढ़िवादी बताया है और कहा है कि वह नहीं चाहते थे कि एशा कभी भी फिल्मों में आए।

हाल ही में एक साक्षात्कार में, एशा ने कहा, वह नहीं चाहते थे कि मैं फिल्मों में प्रवेश करूं। वह थोड़े रूढ़िवादी हैं और सही भी हैं। वह एक पंजाबी पिता हैं, और वह चाहते थे कि हम 18 साल की उम्र में शादी करके घर बसा लें। उन्होंने आगे बताया कि एक ऐसा दौर था, जब वह देर रात तक बाहर जाने के लिए वह झूठ बोलती थीं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, यह उनकी कंडीशनिंग है, वह ऐसी जगह से आते हैं जहां उनके घर की सभी महिलाओं को इसी तरह पाला गया था, लेकिन मेरी परवरिश बहुत अलग थी। अभिनेत्री ने बताया कि अपनी मां हेमा मालिनी के साथ पली-बढ़ी होने की वजह से ही उन्हें फिल्मों में करियर बनाने की इच्छा हुई। एशा अपना नाम खुद बनाना चाहती थीं, लेकिन उन्हें अपने पिता को मनाने में काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने माना कि उन्हें मनाना काफी चैलेंजिंग था, हालांकि अब स्थिति बदल गई है।

एशा ने यह भी बताया कि वह एक सख्त घर में पली-बढ़ी थी, जहां उनकी नानी ने छोटी स्कर्ट, स्पेगेटी टॉप पहनने और देर तक बाहर रहने के खिलाफ नियम बनाए थे। एशा ने कहा, ₹मेरी दादी बहुत सख्त थीं। हमें स्पेगेटी और छोटी स्कर्ट पहनकर बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। हमें कई बार देर रात तक जागने की अनुमति नहीं थी। एशा ने बताया कि वह रात में बाहर जाने के लिए अपने माता-पिता से झूठ बोलती थी, उन्होंने स्वीकार किया कि इन नियमों के बावजूद

# अफगानिस्तान–न्यूजीलैंड टेस्ट बारिश के कारण बिना गेंद डले रद्द

## भारतीय मैदानों पर ऐसा पहली बार, ओवरऑल 8वां मैच

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड एकमात्र टेस्ट बारिश के कारण रद्दकर दिया गया है। नोएडा में शुक्रवार सुबह से बारिश होती रही और मैदान पर पानी भर गया। मैच ऑफिशियल ने सुबह मैदान का निरीक्षण किया और मैच रद्द करने का फैसला किया। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा- 'ग्रेटर नोएडा में अभी भी बारिश हो रही है।

मैच अधिकारियों ने लगातार बारिश के कारण 5वें और अंतिम दिन का खेल भी रद्द कर दिया है।' टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार भारत में कोई टेस्ट मैच बिना गेंद डले रद्द हुआ है। यह ओवरऑल 8वां मुकाबला है। ब्लैककैप्स के नाम से मशहूर

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस पोस्ट के जरिए टेस्ट रद्द होने की जानकारी दी। टीम शनिवार, 14 सितंबर को श्रीलंका रवाना होगी, वहां कीवियों को टेस्ट सीरीज खेलनी है।

26 साल बाद कोई मैच रद्द हुआ, न्यूजीलैंड का लगातार दूसरा मुकाबला

26 साल के बाद कोई टेस्ट मैच बिना किसी बॉल के रद्द हुआ है। इससे पहले 1998 में ऐसा हुआ था, तब भारत और न्यूजीलैंड के बीच डुनेडिन टेस्ट रद्द हुआ था। न्यूजीलैंड का लगातार दूसरा मुकाबला रद्द हुआ है। अब तक कुल 7 मैच रद्द हो चुके हैं। साल 1890 में इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में ऐसा पहली बार हुआ था। मैच के दौरान नोएडा स्थित स्टेडियम में बदइंतजामी देखने को मिली। आलम यह था कि शुरुआती दिनों में मैदान को बारिश से बचाने के लिए शादी में उपयोग होने वाली दरी का इस्तेमाल किया गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पास कुशल मैदानकर्मी भी नहीं थे। ऐसे में मजदूरों को काम पर लगाया गया। यहां सुपर सोपर तक नहीं थे। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक पंखों से मैदान सुखाने का प्रयास किया गया। बाद में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ से 2 सुपर सोपर मांगे थे। जो मेरठ स्टेडियम से भेजे गए। इतना ही नहीं, स्टेडियम के केटरिंग स्टॉफ को वॉशरूम के पानी से बर्तन धोते देखा गया।

### शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच होगी भिड़ंत, हरमनप्रीत की सेना चार मैचों में दर्ज कर चुकी जीत

सेमीफाइनल में जगह बना चुकी भारतीय हॉकी टीम का शनिवार को पाकिस्तान से सामना होगा। एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बहु प्रतिक्षित आखिरी राउंड रॉबिन मैच में भारत अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगा। लगातार चार मैचों में जीत दर्ज कर चुकी भारतीय सेना अंक तालिका में शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है।

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलयेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया। अब टीम की नजर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर है। वहीं, पाकिस्तानी टीम ने मलयेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से हराया है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

भारत-पाकिस्तान हेड टु हेड

मौजूदा फॉर्म की बात करें तो भारत का पलड़ा भारी है। हांगझोउ एशियाई खेलों में पिछले साल भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। उससे पहले चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि 2021 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ढाका में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए काफी उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले कप्तान ने कहा- मैं अपने जूनियर दिनों से पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलता आया हूं। मेरा उनसे अच्छा संबंध है और वे भाई जैसे हैं। मैदान पर हालांकि किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जज्बात पर काबू रखना होता है। विश्व हॉकी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का कोई मुकाबला नहीं है। मुझे यकीन है कि दुनिया भर में हॉकी प्रेमियों को इस मैच का इंतजार होगा।

# हर किसी के लिए पीएम का मतलब प्रधानमंत्री होता है

## हमारे लिए आप 'परम मित्र' हैं : योगेश कथुनिया

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दो बार के पैरालंपिक रजत पदक विजेता डिस्कस थ्रोअर योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक नई उपाधि दी, पीएम के आवास पर बातचीत के दौरान उन्हें परम मित्र कहा। मई में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऍफ़56 श्रेणी में रजत पदक जीतने वाले कथुनिया ने हाल ही में संपन्न पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो - ऍफ़56 स्पर्धा में 42.22 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया और रजत पदक जीता।

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर भारत के पैरालंपियनों से मुलाकात की और उन्हें पेरिस पैरालंपिक खेलों में 29 पदकों के रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई दी और पैरा-एथलीटों से अपने पैरालंपिक अनुभव साझा करने के लिए कहा। कथुनिया ने पीएम

मोदी से कहा, (प्रदर्शन में) निरंतरता आपकी वजह से आई है; यह आपके द्वारा शुरू की गई योजनाओं जैसे कि टॉप्स, खेलो इंडिया आदि की वजह से आई है। सबके लिए पीएम का मतलब प्रधानमंत्री होता है लेकिन हमारे लिए आप हमारे 'परम मित्र' हैं। प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, मुझे इस पद पर गर्व है और मैं भी आप सभी के साथ 'मित्र' के तौर पर काम करना चाहता हूं। भारत ने पदक तालिका में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक के साथ 29 पदकों के रिकॉर्ड के साथ 18वां स्थान हासिल किया। दल ने 2020 टोक्यो पैरालिंपिक (19) में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदक जीतने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

रिकॉर्ड बनाने का मतलब यह भी था कि भारत ने 16 स्वर्ण, 21 रजत और 23 कांस्य के साथ अपने कुल पदकों की संख्या 60 तक पहुंचाकर अपने पैरालंपिक इतिहास में 50 पदकों का आंकड़ा पार कर लिया।

रिकॉर्ड 84 पैरा-एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। पेरिस 2024 पैरालंपिक, 28 अगस्त से 8 सितंबर तक फ्रांस की राजधानी में आयोजित किया गया। भारत ने 12 खेलों में भाग लिया, जो टोक्यो 2020 से तीन अधिक है।

# एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी : भारत पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए तैयार

मोकी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा इंतजार किए गए मुकाबले का समय आ गया है, जब भारत और पाकिस्तान शनिवार को आमने-सामने होंगे। यह मैच मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर खेला जाएगा। भारत की टीम इस मैच में अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहते हुए उतरेगी। टीम की कप्तानी अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह कर रहे हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम की कप्तानी अमाद बट कर रहे हैं। यह टीम भी अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और दूसरे स्थान पर है।

गत चैंपियन भारत ने अब तक अपने सभी मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले मैच में चीन को 3-0 से हराया, दूसरे मैच में जापान को 5-1 से, तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 से मात दी और पिछले मैच में कोरिया को 3-1 से हराया। भारत ने सबसे पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वहीं, पाकिस्तान ने भी टूर्नामेंट में लगातार सुधार दिखाया है। उन्होंने मलेशिया और कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ किया, जापान को 2-1 से और चीन को 5-1 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। दोनों टीमों के बीच मैदान पर एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता होती है, लेकिन मैदान के बाहर इन टीमों के खिलाड़ी आपस में अच्छा रिश्ता रखते हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, मैं पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों के साथ जूनियर दिनों से खेल रहा हूं और हमारे बीच एक खास रिश्ता है। वे मेरे भाई जैसे हैं। हालांकि, मैदान पर हम उन्हें किसी अन्य विरोधी की तरह ही खेलेंगे

और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखेंगे। पाकिस्तान के कप्तान अमाद ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, भारत ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया है। हम अपने खेले गए मैचों से आत्मविश्वास लेंगे और मुझे कहना होगा कि हमने हर मैच में सुधार किया है। हमने अनुशासन के साथ हॉकी खेली है। भारत के खिलाफ भी हम यही करने की कोशिश करेंगे।

अमाद ने कहा, हमने पिछले कुछ मैचों में अपने विरोधियों के खिलाफ बेहतरीन बचाव किया है और भारत के खिलाफ भी खासकर पेनल्टी कॉर्नर बचाव में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए अपने पिछले मुकाबलों में पड़ोसी देश की टीम को आसानी से हराने में कामयाबी हासिल की है।

पिछले साल एशियन गेम्स में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था, इससे पहले पाकिस्तान को चेन्नई में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के हाथों 4-0 से हार मिली थी।

जकार्ता 2022 में हुए एशिया कप 2022 में पाकिस्तान और भारत के बीच मैच 1-1 से ड्रा रहा था। जबकि ढाका में हुई हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से मात देकर कांस्य पदक हासिल किया था। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत का मानना है, यह आंकड़े मैच से पहले कोई मायने नहीं रखते हैं।

उन्होंने कहा, पिछले नतीजे ज्यादा मायने नहीं रखते हैं। पाकिस्तान एक मजूबत टीम है और उनके पास खेल में कभी भी पलटवार करने की क्षमता है। हम कल के लिए मैच के लिए देख रहे हैं।

# भारतीय कप्तान ने जमाया 'दोहरा शतक' पाकिस्तान का सामना करने से पहले भरी हुंकार

ओलंपिक खेल खत्म हो चुके हैं। भारतीय हॉकी टीम लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीत चुकी है लेकिन टीम के सरपंच साहब का जलवा कायम है। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस रिकॉर्ड के साथ वह दिग्गज खिलाड़ी ध्यानचंद और बलबीर सिंह सीनियर के क्लब में शामिल हो गए हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत गुरुवार को कोरिया का सामना करने उतरा। टीम ने इस मैच में 3-1 से जीत हासिल की। टीम के लिए पहला गोल अराएजीत सिंह ने 8वें मिनट में किया। इसके अगले ही मिनट में हरमनप्रीत ने

गोल दागकर टीम की लीड 2-0 कर दी। यह हरमनप्रीत के करियर का 200वां गोल था। हरमप्रीत ने इसके बाद मैच में एक और गोल दागा और टीम की जीत तय की।

हरमनप्रीत भारत के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 गोल किए हैं। उनसे पहले केवल ध्या चंद और बलबीर सिंह सीनियर ही यह कारनामा कर पाए हैं। वहीं दुनिया में वह ऐसा करने वाले 12वें खिलाड़ी हैं। ध्याचंद के नाम 570 और बलबीर सिंह सीनियर के नाम 246 गोल हैं।

कोरिया के खिलाफ जीत भारत की लगातार चौथी थी। भारत ने टूर्नामेंट की शुरुआत चीन के खिलाफ मैच से की थी। भारत ने चीन को 3-0 से मात दी थी। वहीं अपने दूसरे मैच में पूर्व एशियन चैंपियन जापान को 5-1 से हराया था।

तीसरे मैच में टीम ने एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की। उन्होंने मलेशिया को 8-1 से धूल चटाई थी। अब भारतीय हॉकी टीम अपने आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबलें में 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। बता दें, भारत टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है।

# दिनेश कार्तिक ने पहले टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन की जानकारी कर दी लीक?

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन क्या होगी इसकी जानकारी लीक कर दी। उन्होंने पुष्टि की है कि टीम मैनेजमेंट पहले टेस्ट मैच के लिए कुलदीप यादव और अक्षर पटेल दोनों को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर देगा।

हाल ही में बीसीसीआई ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। इस टीम में 4 तेज गेंदबाज और 4 स्पिनर को जगह दी गई। हालांकि भारतीय आक्रामण में 5वां गेंदबाज कौन होगा इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

प्लेइंग इलेवन में होंगे दो स्पिनर

दिनेश कार्तिक से क्रिकबज के शो हेसीबी विद डीके में जब भारत की प्लेइंग इलेवन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारत शायद पहला मैच तेज गेंदबाजों वाली पिचों पर खेलेगा। उन्होंने कहा कि टीम में अश्विन और

जडेजा के रूप में दो स्पिनर प्लेइंग इलेवन में होंगे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि भारत इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहा है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट तीसरे स्पिनर को शामिल करने के बजाय दो स्पिनरों के साथ तीन तेज गेंदबाजों को चुनेगी।

इस कार्यक्रम में एक क्रिकेट फैन ने पूछा कि क्या कुलदीप यादव को अगले घरेलू टेस्ट में तीसरे स्पिनर के रूप में क्या कुलदीप यादव को अक्षर पटेल पर तरजीह दी जाएगी। इसका जवाब देते हुए कार्तिक ने कहा कि मुझे लगता है कि टीम इंडिया इस बार तेज पिच पर टेस्ट खेलने जा रहा है। भारत को पता है कि ये बांग्लादेश के हराने का अच्छा तरीका हो सकता है। वहीं टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की भी तैयारी करेगा। ये सीरीज ऑस्ट्रेलिया में इस साल के अंत में खेली जाएगी और इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय टीम मैदान पर सिर्फ दो स्पिनर के साथ उतरने वाली है। प्लेइंग इलेवन में सिर्फ अश्विन और जडेजा को ही जगह मिलेगी।

# 21वीं सदी के टॉप 8 बेस्ट टेस्ट पेसर्स की लिस्ट में सिर्फ बुमराह डेल स्टेन हैं नंबर 1 तो दूसरे नंबर पर है यह इंग्लिश गेंदबाज

टेस्ट प्रारूप को असली क्रिकेट माना जाता है और इसके जरिए ही खिलाड़ी की असली पहचान होती है। दुनिया के किसी भी क्रिकेटर से बात कर लीजिए हर कोई टेस्ट प्रारूप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना जरूर चाहता है। बल्लेबाज हो या फिर गेंदबाज वो टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद ही खुद को संपूर्ण क्रिकेटर मानता है। टेस्ट प्रारूप में जहां एक से बढ़कर एक बल्लेबाज हुए हैं तो दूसरी तरफ इस फॉर्मेट में बेहतरीन गेंदबाजों की भी कोई कमी नहीं रही है।

टेस्ट क्रिकेट का इतिहास सबसे पुराना है और 147 साल से क्रिकेट के इस प्रारूप को खेला जा रहा है। इस दौरान कई बेहतरीन गेंदबाज आए और अपनी कला का इस्तेमाल करते हुए क्रिकेट को अलविदा कह गए। अब बात अगर 21वीं सदी की हो तो इसमें भी कई बेहतरीन तेज गेंदबाज टेस्ट प्रारूप में हुए जिसमें से कई तो टेस्ट क्रिकेट

रिटायर हो चुके हैं, लेकिन कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो अभी खेल भी रहे हैं। अब बज पैनल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो पर 21वीं सदी के टॉप 8 बेस्ट टेस्ट पेसर्स का चयन किया है। इस लिस्ट में सिर्फ एक भारतीय को जगह दी गई।

**बुमराह को 21वीं सदी के टॉप 8 बेस्ट टेस्ट पेसर्स की लिस्ट में मिली जगह**

बज पैनल ने 21वीं सदी के जिस टॉप 8 पेसर्स का चयन किया है उसमें तीसरे नंबर पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रखा गया है। बुमराह इस लिस्ट में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। इस लिस्ट में जिस गेंदबाज को पहले स्थान पर रखा गया वो साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन हैं। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं जबकि चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के मौजूदा कप्तान व तेज गेंदबाज पैट कमिंस जगह बनाने में सफल रहे हैं।

इस लिस्ट में 5वें नंबर पर साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के मौजूदा तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा हैं जबकि छठे नंबर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को जगह दी गई है। न्यूजीलैंड के धाकड़ तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ड इस सूची में सातवें स्थान पर हैं जबकि आखिरी यानी 8वें नंबर पर साउथ अफ्रीका के वर्नोन फिलेंडर को जगह दी गई।

**ईएसपीएन क्रिकइंफो पर बज पैनल द्वारा चुने गए दुनिया के टॉप 8 बेस्ट टेस्ट पेसर्स**

डेल स्टेन
जेम्स एंडरसन
जसप्रीत बुमराह
पैट कमिंस
कगिसो रबाडा
स्टुअर्ट ब्रॉड
ट्रेंट बोल्ट
वर्नोन फिलेंडर

# 'दुनिया में कर्ज का बढ़ना चिंता की बात'

## आरबीआई गवर्नर बोले- इससे निपटने के लिए साझा प्रयास हों

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक जीडीपी के 333 प्रतिशत के बराबर, 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है। सिंगापुर में शुक्रवार को 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' में बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर दास ने कहा कि कर्ज का यह अभूतपूर्व स्तर विशेष रूप से उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) और निम्न से मध्यम आय वाले देशों के लिए बड़ा जोखिम पैदा करता है। ऐसे देश

वित्तीय अस्थिरता के प्रति तेजी से कमजोर होते जा रहे हैं। दास ने कहा, निम्न आय और कुछ मध्यम आय वाले देश बहुत कमजोर हैं। उच्च स्तर के कर्ज और उच्च ब्याज दरों का सह-अस्तित्व सरकारी और निजी क्षेत्र की बैलेंस शीट की हानि के माध्यम से वित्तीय अस्थिरता के दुष्चक्र को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजकोषीय परिदृश्य बढ़ते राजकोषीय घाटे से और जटिल हो गया है, जो अब महामारी से पहले के स्तर से अधिक है। दास ने कहा कि 2024 में 88 अर्थव्यवस्थाएं चुनावी चक्र में प्रवेश कर रही हैं, ऐसे में राजकोषीय समेकन की गुंजाइश सीमित प्रतीत होती है। इससे विभिन्न देशों के लिए वित्तीय जोखिमों को बढ़ने से बचाने के लिए अपने ऋण का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना महत्वपूर्ण हो जाता है। आरबीआई गवर्नर ने यह भी बताया कि चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति शृंखला व्यवधानों ने निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है, जिससे सीमा पार व्यापार प्रतिबंध बढ़ गए हैं। आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने साझा वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने की वकालत की। उन्होंने सतत आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। आरबीआई गवर्नर दास ने राष्ट्रों से सभी के लिए एकीकृत भविष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

## चीन से भागने की तैयारी में यूएस कंपनियां भारत ने खोल दिए स्वागत के दरवाजे

नई दिल्ली, 13 सितंबर(एजेंसियां)। राजनीतिक तनाव, धीमी आर्थिक ग्रोथ और जबरदस्त घरेलू प्रतिस्पर्धा अमेरिकी कंपनियों के चीन में कारोबार करने के भरोसे को कमजोर कर रही है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि इससे अमेरिकी कंपनियों का चीन में कारोबार को लेकर अगले 5 साल के आउटलुक में रिकॉर्ड गिरावट आई है। लेकिन चीन में घटते अमेरिकी कंपनियों के इस भरोसे का सबसे बड़ा फायदा भारत को मिल सकता है। सर्वे में शामिल कंपनियों में से 47 फीसदी अमेरिकी कंपनियां ही अब चीन में अगले 5 साल के लिए कारोबार करने को लेकर भरोसमंद हैं। ये पिछले साल के मुकाबले 5 परसेंटेज प्वाइंट्स की गिरावट है। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स शंघाई ने इस सर्वे को किया था जिसके मुताबिक 1999 में रिपोर्ट की शुरुआत के बाद से ये अबतक का सबसे कमजोर आउटलुक है। इसके साथ ही 2023 में चीन में मौजूद अमेरिकी कंपनियों में से केवल 66 फीसदी को मुनाफा हुआ जो फिर से एक रिकॉर्ड गिरावट है। प्रॉफिट में कमी की वजह घरेलू मांग, महंगाई और भूराजनीतिक चिंताएं शामिल हैं। शंघाई के अमचैम के मुताबिक ये ट्रेंड बिजनेस प्लान्स पर असर डाल रहा है। इससे अमेरिकी विदेशी निवेश चीन में 2023 में 14 फीसदी गिरकर 163 अरब डॉलर रह गया। भूराजनीतिक तनाव अमेरिकी कंपनियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से पहले दोनों के रिश्तों को लेकर दुविधा बढ़ गई है। वहीं चीन में बने ईवीएस पर 100 फीसदी, सेमीकंडक्टर्स और सोलर सेल्स पर 50 परसेंट और लिथियम-आयन बैट्रीज़ पर 25 फीसदी शुल्क लगाने का प्रस्ताव इस साल दो बार टाल दिया गया है। चीन ने अमेरिका से सभी ड्यूटीज तुरंत हटाने की अपील करते हुए धमकी दी है कि बदले में वो भी ऐसे ही चार्ज अमेरिकी उत्पादों पर लगा सकता है।

## अमेरिका से आई एक खबर और भारत में सोने-चांदी के रेट में रिकॉर्ड उछाल,अब इतना हो गया दाम

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो उससे पहले ये खबर जरूर पढ़ लें। क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती के संकेत की खबर का असर भारत में सोने के दाम पर दिखा। भारत में सोना अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया है। कमोडिटी बाजार में भी जबरदस्त एक्शन दिखाई दे रहा है। दो दिनों की बढ़त के बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था और कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन वायदा बाजार में भी इसमें तगड़ी तेजी दर्ज हो रही है। ऐसे में सोना खरीदने से पहले आपको आज का रेट जरूर चेक कर लेना चाहिए।

**क्या है सोने चांदी का हाल?**

आज सुबह वायदा बाजार में सोना 396 रुपये (0.54%) की तेजी लेकर 73,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था, जोकि कल 72,824 रुपये पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी 560 रुपये (0.64%) की तेजी लेकर 87,655 रुपये प्रति किलोग्राम पर चल रही थी, इसका कल का क्लोजिंग भाव 87,095 रुपये था। राजधानी में सोने का भाव बृहस्पतिवार को 250 रुपये की गिरावट के साथ 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि चांदी की कीमत बढ़कर

87,000 रुपये प्रति किग्रा के स्तर को छू गई। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत बृहस्पतिवार को 2,000 रुपये की तेजी के साथ दो सप्ताह के उच्चस्तर 87,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी 85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

**चांदी का हाल**

इसके साथ ही पिछले तीन सत्रों में चांदी की कीमतों में 3,,200 रुपये से अधिक की मजबूती आई है। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसका पिछला बंद भाव 74,250 रुपये प्रति 10 ग्राम था। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत औद्योगिक उठाव के कारण चांदी में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में मजबूती का रुख जारी रहा, जिससे चांदी की कीमतों में उछाल आया।

## 16,500 करोड़ कमाने के बाद भी गौतम अडानी को बड़ा झटका

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भले ही एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की नेटवर्थ में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा हो, अनुमान लगाया जा रहा हो कि अगले कुछ सालों में एलन मस्क के बाद अडानी दुनिया के ट्रिलिनियर्स में से एक होंगे। उसके बाद भी उन्हें बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को उनकी दौलत में इजाफा होने के बाद भी उनकी रैंकिंग नीचे गिर गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार करीब दो बिलियन डॉलर की कमाई करने के बाद वो टॉप 15 अरबपतियों की लिस्ट से बाहर हो गए। अच्छी बात ये है कि मौजूदा समय में अब भी वह उस एलीट ग्रुप में शामिल हैं, जिसमें 100 अरब डॉलर की नेटवर्थ वाले कारोबारी मौजूद हैं। अब मौजूदा समय में दुनिया के 16 अरबपति ऐसे हैं जिनके पास 100 अरब डॉलर की नेटवर्थ है। ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है। आइए

### कहां हुआ नुकसान

आपको भी बताते हैं कि आखिर गौतम अडानी की की कुल दौलत कितनी है और अब वह नेटवर्थ के मामले में कितने नंबर हैं।

**अडानी की नेटवर्थ में इजाफा**

एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ में 1.96 अरब डॉलर यानी 16,500 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल नेटवर्थ 100 अरब डॉलर हो गई है। मौजूदा साल में उनकी कुल नेटवर्थ में 16 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि गौतम अडानी दुनिया में 100 अरब डॉलर की नेटवर्थ रखने वाले कुछ चुनिंदा अरबपतियों में से एक है। हाल के दिनों में गौतम अडानी की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली है। बीते एक महीने में उनकी नेटवर्थ में 5 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है। दौलत में इजाफा होने के बाद भी उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है। ये नुकसान रैंकिंग में है। वास्तव में वह दुनिया के टॉप 15 अरबपतियों की लिस्ट से बाहर हो गए हैं। अब उनकी रैंकिंग 16 है। वास्तव में कुछ अरबतियों की दौलत में बढ़ोतरी होने की वजह से गौतम अडानी की रैंकिंग नीचे आ गई हैं। उनसे ऊपर जिम वॉल्टन, जेंसन हुआंग और माइकल डेल पहुंच गए हैं। जिनकी नेटवर्थ गौतम अडानी के मुकाबले 2 से 6 अरब डॉलर ज्यादा है। वैसे ये अतंर कुछ ज्यादा नहीं है। आने वाले दिनों में अडानी की दौलत में इजाफा होता है तो वह आराम से एक बार फिर से इन तीनों को पीछे ही नहीं छोड़ेंगे बल्कि टॉप 15 की लिस्ट में आ जाएंगे।

**मुकेश अंबानी की दौलत में भी बढ़ोतरी**

वहीं दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ 112 अरब डॉलर हो चुकी है। मौजूदा ससाल में उनकी दौलत में 15 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिल चुका है। मुकेश अंबानी अब दुनिया के 11वें सबसे अमीर कारोबारी हैं। टॉप 10 में आने के लिए उन्हें सर्जी ब्रिन को पीछे छोड़ना होगा। मुकेश अंबानी और ब्रिन के बीच दौलत का फासला 20 अरब डॉलर का है। अगर मुकेश अंबानी रिटेल और टेलीकॉम आर्म का आईपीओ लेकर आते हैं तो उनकी दौलत में जबरदस्त इजाफा देखने को मिलेगा।

## कच्चे तेल में गिरावट का भारत को फायदा

### पेंट, टायर से लेकर एविएशन कंपनियों को ऐसे मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सितंबर के महीने में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है। वैसे कच्चे तेल की कीमत में गिरावट भारत जैसे देश के लिए इसलिए काफी अहम है, क्योंकि देश अपनी जरुरत का 85 फीसदी आयात करता है। तेल की कीमतों में कमी आएगी तो देश का इंपोर्ट बिल कम होगा और देश के विदेशी पूंजी का फ्लो भी कम होगा। जिसका असर देश की इकोनॉमी पर काफी पॉजिटिव देखने को मिलता है।कुछ आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो अमेरिका और चीन में मंदी की चिंताओं के कारण पिछले 5 दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमत में करीब 4 फीसदी और बीते एक महीने में करीब 14 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि इस दौरान कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे तक आ गया है। मौजूदा समय यानी शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 72 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा देखने को मिल रही है। वैसे कच्चे तेल की कीमतों की गिरावट का असर देश के शेयर बाजार में कुछ कंपनियों के शेयरों में भी देखने को मिला है। घरेलू उद्योग जैसे पेंट, टायर, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों और एयरलाइंस कंपनियों के शेयरों में कच्चे तेल की गिरावट की वजह से तेजी देखने को मिली हैं। वहीं दूसरी ओर

तेल निकालने वाली कंपनियों के शेयरों पर काफी बुरा असर देखा गया है।पहले बात पेंट्स की करें तो इसके इनपुट कॉस्ट में क्रूड ऑयल की हिस्सेदारी 35 फीसदी देखने को मिलती है। कोटक सिक्योरिटीज के वीपी और ऑयल एनालिस्ट सुमित पोखरना ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से पेंट कंपनियों को फायदा होने की संभावना है क्योंकि इसका कच्चा माल कच्चे तेल का डेरिवेटिव है।

हालांकि, ये स्टॉक काफी बढ़ गए हैं और इस सेक्टर में वैल्यूएशन महंगा है। बुधवार को एशियन पेंट्स के शेयरों में 2.23 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। जबकि बर्जर पेंट्स इंडिया और कंसाई नेरलोक में लगभग 2.5 फीसदी का इजाफा देखने को मिला था। नुवामा एसेट मैनेजमेंट के सीआईओ इक्विटी अल्टरनेटिव्स, निखिल रांका ने कहा कि हालांकि पेंट शेयरों में कुछ दिनों में तेजी आई है, लेकिन उन्हें अंतराल के साथ लाभ देखने की संभावना है क्योंकि वे आम तौर पर 1-2 महीने के कच्चे माल की लिस्ट रखते हैं।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

**ग्रह स्थिति**
सूर्य- सिंह मे
चंद्र- मकर मे
मंगल मिथुन मे
बुध- सिंह मे
गुरु- वृष मे
शुक्र- कन्या मे
शनि- कुंभ. मे
राहु- मीन मे
केतु- कन्या मे

**लग्नारंभ समय**
सिंह- 04-14 बजे
कन्या- 06-21 बजे
तुला- 08-27 बजे
वृश्चिक- 10-37 बजे
धनु- 12-50 बजे
मकर... 14-57 बजे
कुंभ- 16-48 बजे
मीन- 18-25 बजे
मेष-- 19-01 बजे
वृष.. 21-46 बजे
मिथुन.. 23-46 बजे
कर्क.. 02-00 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-07
सूर्यास्त. - 18-17
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादिशी 20-41 तक उपरान्त द्वादशी
मास - भाद्रपद शुक्ल, शनिवार 14 September
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 21-35 तक उपरान्त श्रवण
योग - शोभन 18-17 तक उप अतिगण्ड
करण- वणिज 09-41 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - एकादशी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल** 09:08 से 10:40 तक

**पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल. | 06:07 - 07:37 | अशुभ | लाभ | 18:17 - 19:46 | शुभ |
| शुभ. | 07:37 - 09:08 | शुभ | उत्पात | 19:46 - 21:15 | अशुभ |
| रोग | 09:08 - 10:40 | अशुभ | शुभ | 21:15 - 22:43 | शुभ |
| उत्पात | 10:40 - 12:11 | अशुभ | अमृत. | 22:43 - 00:11 | शुभ |
| चंचल | 12:11 - 13:43 | शुभ | चंचल. | 00:11 - 01:40 | शुभ |
| लाभ | 13:43 - 15:15 | शुभ | रोग. | 01:40 - 03:08 | अशुभ |
| अमृत. | 15:15 - 16:46 | शुभ | काल. | 03:08 - 04:37 | अशुभ |
| काल | 16:46 - 18:17 | अशुभ | लाभ. | 04:37 - 06:07 | शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है, उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं। आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आभूषण या कुछ बहुमूल्य रत्नो या मॉडलिंग या उस तरह के समान पेशे से जुड़े हुए है। आपको अपने व्यापारिक गतिविधियों या किसी समारोह के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपके सफल होने के आसार हैं, इसलिए चिंता छोड़ो और आगे बढ़ो। आपको अपनी उम्मीदों से कहीं अधिक पैसे की प्राप्ति होगी।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे। इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है, इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है। यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा। जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे। आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे !

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो, सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं। तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है। बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे। आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है। अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा। अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है। आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा। आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है। यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे, इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है।

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र**

## अमेरिका में 14 साल में सबसे बुरी स्थिति

### दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी के साथ महामारी में भी नहीं हुआ था ऐसा

न्यूयार्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश की इकॉनमी सुस्त पड़ रही है। इसे देखते हुए फेड रिजर्व अगले हफ्ते होने वाली पॉलिसी मीटिंग में ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स की कमी कर सकता है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है और वहां मंदी से पूरी दुनिया पर असर हो सकता है। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में

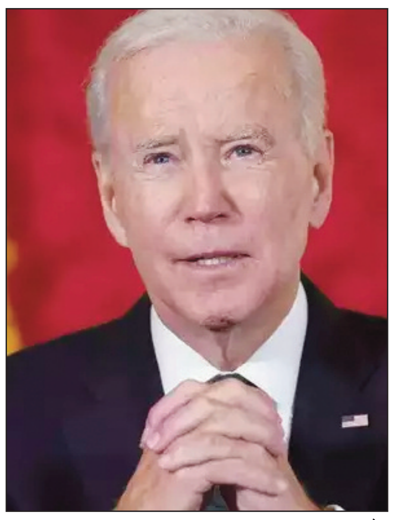

पिछले तीन महीनों में 37 फीसदी छोटी कंपनियों की कमाई में गिरावट आई है। यह 2010 के बाद सबसे ज्यादा है। साल 2020 में कोरोना काल में भी ऐसा नहीं हुआ था। तब 35 फीसदी छोटी कंपनियों की **कमाई में तिमाही गिरावट आई है।**

लेबर और मटीरियल की बढ़ती लागत और बिक्री में गिरावट से कंपनियों की कमाई पर असर पड़ा है। हाल में छोटी कंपनियों की बिक्री संभावना गिरकर चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। अमेरिका में छोटी कंपनियों को इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है जैसे कि देश की इकॉनमी मंदी से गुजर रही है। अमेरिका में 3.3 करोड़ छोटी कंपनियां हैं और देश की इकॉनमी में इनकी 44% हिस्सेदारी है। इन कंपनियों में 6.17 करोड़ लोग काम करते हैं जो प्राइवेट सेक्टर का कुल 46.4 फीसदी है।

**452 कंपनियों का निकला दिवाला**

अमेरिका में साल के पहले आठ महीनों में ही देश में 452 बड़ी कंपनियों का दिवाला निकल चुका है। यह पिछले 14 साल में दूसरा सबसे बड़ा नंबर है। साल 2020 में जब कोरोना महामारी ने दस्तक दी थी तो लॉकडाउन के कारण साल के पहले आठ महीने यानी अगस्त तक 466 कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इस साल अगस्त में 63 कंपनियां दिवालिया हो गई जबकि जुलाई में 49 कंपनियों का दिवाला निकला था। अमेरिकन इंडस्ट्री के लिए अगस्त पिछले चार साल में चौथा सबसे खराब महीना रहा।

## भारतीय मूल के इस व्यक्ति ने बेचा वारेन बफे की कंपनी के शेयर, 139 मिलियन डॉलर हुई कमाई

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिग्गज निवेशक वारेन बफे के करीबी अजीत जैन ने बर्कशायर हाथवे में अपनी लगभग आधी हिस्सेदारी बेच दी है। उन्होंने अपने हिस्से के आधे शेयरों की बिक्री ऐसे समय की है, जब हाल ही में वारेन बफे की कंपनी बर्कशायर हाथवे ने ट्रिलियन डॉलर एमकैप क्लब में एंट्री ली है।

**करीब 7 लाख डॉलर के औसत भाव पर बिक्री**

भारतीय मूल के अजीत जैन अभी बर्कशायर हाथवे के वाइस चेयरमैन हैं। उन्हें दिग्गज निवेशक वारेन बफे के करीबियों में गिना जाता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत जैन ने अपने हिस्से के 200 क्लास ए कॉमन स्टॉक्स की बिक्री की है। यह बिक्री 6,95,418 डॉलर प्रति शेयर की औसत

कीमत पर हुई है। इससे जैन को करीब 139 मिलियन डॉलर मिले हैं।

**अब अजीत जैन के पास बचे हैं इतने शेयर**

इस बिक्री के बाद अजीत जैन के पास बर्कशायर हाथवे के 166 क्लास ए कॉमन स्टॉक्स बचे हैं। इस बार बेचे गए शेयर उनकी कुल हिस्सेदारी के 54 फीसदी के बराबर है। अब बचे शेयरों में 61 शेयर सीधे जैन के पास हैं। जैन फैमिली ट्रस्ट के पास बर्कशायर हाथवे के क्लास ए वाले 55 शेयर हैं। वहीं नॉन-प्रॉफिट कॉरपोरेशन जैन फाउंडेशन इंक के पास ऐसे 50 शेयर हैं।

**1986 में बर्कशायर हाथवे से जुड़े थे अजीत जैन**

अजीत जैन लंबे समय से वारेन बफे की कंपनी के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने साल 1986 में बर्कशायर हाथवे के इंश्योरेंस बिजनेस को जॉइन किया था। उन्हें 2018 में बर्कशायर हाथवे का वाइस प्रेसिडेंट बनाया गया था। एक समय उन्हें बर्कशायर हाथवे में वारेन बफे का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। वह अभी समूह के इंश्योरेंस बिजनेस को भी हेड कर रहे हैं।बर्कशायर हाथवे के क्लास ए कॉमन स्टॉक की वैल्यू गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद 0.69 फीसदी कम होकर 6,75,380 डॉलर रही थी। कंपनी का बाजार पूंजीकरण बीते दिनों पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के पार निकल गया था।

## सेंसेक्स-निफ्टी गिरकर बंद

### पर निफ्टी का मिड-कैप इंडेक्स 60000 के ऑलटाइम हाई पर हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है। सेंसेक्स-निफ्टी में भले ही गिरावट रही हो लेकिन आज के सत्र में बाजार में दो नए कीर्तीमान बने। मिड-कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स पहली बार 60,000 के आंकड़े को पार करते हुए 60189.35 के ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा है। स्मॉल-कैप शेयरों में भी शानदार तेजी देखने को मिली। मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में खरीदारी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप पहली बार 469 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा। कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 72 अंकों की गिरावट के साथ 82,890 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32 अंकों की गिरावट के साथ 25,356 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, मीडिया, रियल एस्टेट, मेटल्स और फार्मा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है। जबकि एफएमसीजी, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में मुनाफावसूली रही। मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में आज के सेशन में भारी खरीदारी रही। निफ्टी का मिडकैप 100 ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा और 60034 पर क्लोज हुआ है। निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स भी 151 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है। मिड-कैप स्मॉल-कैप समेत बैंकिंग आईटी शेयरों में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 468.80 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जबकि पिछले सेशन में ये 467.36 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था। आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.44 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।

# सभी लोगों को गणेश विसर्जन की सफलता में योगदान देना चाहिए : पोन्नम प्रभाकर

## गणेश विसर्जन के दौरान राजनीतिक रैलियों की अनुमति नहीं

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुड़वां शहरों में गणेश विसर्जन समारोह शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया जाता है। राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सभी लोगों को इसे पूरा करने के लिए सहयोग करना चाहिए। शुक्रवार को कलक्ट्रेट मीटिंग हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी और सीपी आनंद ने भाग लिया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि 17 सितंबर को होने वाला विसर्जन समारोह बिना राजनीति के शांतिपूर्ण माहौल में भव्य तरीके से संपन्न हो इसके लिए सरकार ने पुख्ता इंतजाम किये है। उन्होंने कहा कि गणेश नवरात्रि समारोह के अवसर पर, मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, पहले ही उच्च अधिकारियों, उत्सव समिति के सदस्यों के साथ-साथ जिला कलेक्टरों और उच्च पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकें की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जुड़वा शहरों में कहीं भी यातायात की समस्या न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि विसर्जन समारोह के दौरान यदि कोई समस्या या कठिनाई हो तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस एवं राजस्व विभाग को दें। उन्होंने कहा कि शांति एवं सुरक्षा के मामले में कड़े कदम उठाये जायेंगे और जनता एवं जन प्रतिनिधि पूरा सहयोग करें। मंत्री ने कहा कि मुस्लिम धार्मिक नेता इस महीने की 16 तारीख को मिलादुन नबी त्योहार मनाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हैदराबाद एकता के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा और त्योहार की पृष्ठभूमि में कहीं भी गड़बड़ी पैदा होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव अच्छे माहौल में स्वतंत्र रूप से आयोजित किया जाना चाहिए। सभी लोग सहयोग कर महोत्सव को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए भड़काने और गलतफहमियां पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर अनुदीप डुरीशेट्टी ने कहा कि हैदराबाद जिले में विसर्जन समारोह शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तर पर अधिकारियों के साथ बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं और समारोह की प्रक्रियाओं पर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सभी सेक्टरों, सर्किलों और जोनलों में किसी भी परेशानी से बचें। कहा गया है कि चूंकि बालापुर और खैरताबाद में मूर्तियां बड़ी हैं, इसलिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि विसर्जन के अवसर पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस तंत्र को सतर्क कर दिया गया है, 15,000 लोगों और अन्य जिलों से 3,000 लोगों को पुलिस कर्तव्यों के लिए आवंटित किया गया है और अन्य 8,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। यह उल्लेख किया गया है कि सरकार इन समारोहों के लिए धन उपलब्ध कराएगी और पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि विसर्जन समारोह के दौरान लोगों को यातायात की समस्या न हो, इसके लिए उपाय किये जायेंगे और लोग एवं उत्सव समिति के सदस्य सहयोग करें। बैठक में जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी, अतिरिक्त कलेक्टर राजस्व वेंकटचारी, पुलिस, जीएचएमसी अधिकारी अन्य लोगों ने भाग लिया।

# जनभागीदारी से सफल हो स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम : आयुक्त आम्रपाली काटा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को जनभागीदारी से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया। पवित्रता के लिए इस महीने की 17 तारीख से गांधी जयंती 2 अक्टूबर को समाप्त होगी। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक वर्ष स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया है और नवगठित राज्य तेलंगाना ने स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं। केंद्रीय शहरी आवास मंत्रालय के तत्वावधान में देशभर में स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयारी बैठकें आयोजित की गईं। यह दशक 2014 से 2024 तक फैला है। वर्ष 2024 में चरित्र की पवित्रता और संस्कृति की पवित्रता (4एस) के रूप में तीन मुख्य पहलू मुक्ति का मार्ग, पूर्ण पवित्रता, सुरक्षा मित्र- सुरक्षाशिवरी है।

यह निर्णय लिया गया है कि पूरे समाज की भागीदारी के साथ जीएचएमसी में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके एक भाग के रूप में सार्वजनिक, आवासीय कल्याण संघों, स्वयं सहायता समूहों, युवा समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, एनएसएस को शामिल किया जाना चाहिए और जागरूकता कार्यक्रम इस तरह से चलाए जाने चाहिए ताकि स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। यह पखवाड़ा सफाई मित्रों के कल्याण के प्रति एक प्रतिबद्धता है और नगरसेवकों के सहयोग से, पूरे समाज को शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए एक अभिनव तरीके से शामिल किया गया है और जीएचएमसी ने क्षेत्र स्तर के अधिकारियों को इस दिन के बारे में निर्देशित किया है। आज की गतिविधियां- आयुक्त आम्रपाली काटा ने प्रमंडलीय एवं उपायुक्तों को इस तरह से कार्रवाई करने का निर्देश दिया कि इस अभियान में स्वयंसेवी संगठन, नागरिक, विकास संगठन, उद्योग एवं कॉरपोरेट संगठन शामिल हों। आयुक्त ने आदेश जारी किया कि जीएचएमसी को स्वच्छता पर गहन अभियान कार्यक्रम चलाने और शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए उपाय करने के लिए अन्य विभागीय अधिकारियों, विशेष रूप से स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय करना चाहिए। स्वच्छता कर्मियों के कल्याण, सुरक्षा और स्वास्थ्य जांच के संचालन के लिए एकल खिड़की सेवा। कमिश्नर ने जोनल कमिश्नरों को इन तीन पहलुओं में 17 से 2 अक्टूबर तक विभिन्न अभियान गतिविधियां चलाने का निर्देश दिया। आयुक्त ने नागरिकों से ग्रेटर हैदराबाद को स्वच्छ शहर बनाने में मदद करने का अनुरोध किया है।

# यातायात नियमन में ट्रांसजेंडरों को स्वयंसेवक के रूप में उपयोग करने का विकल्प तलाशें : रेवंत

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से हैदराबाद में यातायात को सुव्यवस्थित करने में ट्रांसजेंडरों को स्वयंसेवक के रूप में उपयोग करने का विकल्प तलाशने को कहा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में नगर प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर, जीएचएमसी मेयर गदवाला विजयलक्ष्मी, विधायक जयवीर रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने सलाह दी कि पुलिस होमगार्ड की तर्ज पर ट्रांसजेंडरों को रोजगार देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और अधिकारियों को इच्छुक लोगों का विवरण एकत्र करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के तहत सड़कों, फुटपाथों, सफाई और अन्य कार्यों के विकास में प्रगति के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में समय सीमा के भीतर काम पूरा किया जाना चाहिए और जिन ठेकेदारों ने निविदाएं प्राप्त कीं और काम की उपेक्षा की, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया, जिन ठेकेदारों ने काम नहीं किया है, उनके बारे में 15 दिनों के भीतर पूरी रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। अगर झूठी रिपोर्ट दी जाती है, तो उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

# "जाति गणना" और बीसी आरक्षण के मुद्दे पर हुई बैठक

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने आज "जाति गणना" और बीसी आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पिछले बीसी आयोग के अध्यक्षों और सदस्यों के साथ बैठक की।

इस बैठक में भाग लेने वाले पूर्व अध्यक्ष और सदस्यों ने बताया कि वे अतीत में एकत्रित जानकारी साझा करेंगे और वर्तमान आयोग को सभी प्रकार की सहायता प्रदान करेंगे। यह राय व्यक्त की गई कि उन्हें अक्सर मिलना चाहिए और आपसी चर्चा करनी चाहिए। वर्तमान अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य रापोलू जयप्रकाश, थिरुमालागिरी सुरेंदर, बाला लक्ष्मी ने इस बैठक में भाग लिया और पूर्व बीसी आयोग के अध्यक्ष बी.एस. रामुलु, डॉ. वकुलभरणम कृष्ण मोहन राव और पूर्व सदस्य डॉ. अंजनेया गौड़, जुलुरु गौरी शंकर, सीएच, उपेंद्र, सुभा प्रधान पटेल, के. किशोर गौड़ ने बैठक में भाग लिया।

# सीपी सीवी आनंद ने पश्चिम क्षेत्र का दौरा किया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी सीवी आनंद ने आज पश्चिम क्षेत्र का दौरा किया, एलएंडओ, यातायात, एसबी, टास्कफोर्स के अधिकारियों से मुलाकात की और 17 और 19 तारीख को होने वाले गणेश उत्सव, अन्य कार्यक्रमों और मिलाद उन नबी जुलूस के संबंध में किए जा रहे बंदोबस्त की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से आत्म-प्रेरित होने, स्वतंत्र विचारों वाले होने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय दृढ़ रहने की अपील करता हूं।

हाल ही में हुई घटनाओं, सक्रिय उपद्रवियों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने उन्हें सांप्रदायिक उपद्रवियों पर लगाम लगाने और उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया जो फर्जी खबरें, संवेदनशील वीडियो फैलाने के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठा रहे हैं। बैठक में एसएम विजय कुमार डीसीपी पश्चिम क्षेत्र, बीके राहुल हेज डीसीपी ट्रैफिक-I और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

# चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल जाने वाले यात्रियों को असुविधा न हो : आयुक्त

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है कि चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल जाने वाले यात्रियों को असुविधा न हो। शुक्रवार को कमिश्नर कपरा सर्कल चेरलापल्ली जोनल कमिश्नर टाउन प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग के अधिकारियों ने साइट का निरीक्षण किया। इस मौके पर कमिश्नर ने चेरर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल को जोड़ने वाली सभी सड़कों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को पहले से क्षतिग्रस्त सड़कों को चौड़ा करने और सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया। वन विभाग द्वारा चौड़ी सड़क प्रस्तावित की गई है। वे टर्मिनल के चारों ओर एक ठोस सड़क के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करना चाहते हैं। चूंकि टर्मिनल के चारों ओर पहुंच मार्ग टीजीआईआईसी की भूमि है, इसलिए उन्होंने अधिकारियों को सहयोग से टर्मिनल के चारों ओर सड़क स्थापित करने, आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करने और सड़क प्रस्ताव तैयार करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। कमिश्नर के साथ एलबी नगर जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, एसई अशोक रेड्डी, डिप्टी कमिश्नर और इंजीनियरिंग अधिकारी शामिल हुए।

# बीआरएस ने वोट के लिए आंध्र की भावनाओं का दोहन किया, असली चेहरा सामने आया : इंदिरा शोभन

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता इंदिरा शोभन ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर वोट के लिए आंध्र की भावनाओं का दोहन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी का असली चेहरा अब सामने आ गया है। शुक्रवार को यहां एक बात बयान में उन्होंने विधायक पदी कौशिक रेड्डी द्वारा साथी विधायक अरिकेपुडी गांधी के खिलाफ हाल ही में की गई अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा की और ऐसे बयानों की उपयुक्तता पर सवाल उठाया। शोभन ने बीआरएस के भीतर के पाखंड को उजागर करते हुए पूछा कि क्या पार्टी के नेताओं को गांधी के आंध्र मूल के बारे में पता नहीं था जब वे उनके साथ जुड़े थे। उन्होंने लोगों को पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के पिछले बयानों की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने वोट हासिल करने के लिए "आंध्र के कांटों को अपने नाखूनों से हटाने" की बात कहकर क्षेत्रीय तनाव को भड़काया था। उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच विभाजन को बढ़ावा देने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की और आज के राजनीतिक माहौल में इस तरह की कार्रवाइयों की वैधता पर सवाल उठाया। सोभन ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से महिलाओं के प्रति अनुचित टिप्पणियों के लिए कौशिक रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने पूर्व मंत्री हरीश राव की हरकतों पर चिंता व्यक्त की, जिससे हैदराबाद की छवि खराब हो रही है और तेलंगाना में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है।

# कानून व्यवस्था की स्थिति पर कोई समझौता नहीं : डीजीपी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों के साथ एक बैठक किया। इस दौरान डीजीपी ने जोर देकर कहा कि तीनों कमिश्नरियों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाना चाहिए। हैदराबाद और तेलंगाना में स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीजीपी ने लोगों से अपील की कि वे कानून को अपने हाथ में न लें। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस की छवि को हर हाल में सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

# स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए : सतीश कुमार

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीआरबी और सीईओ, रेलवे बोर्ड सतीश कुमार ने कहा कि सभी क्षेत्रीय रेलवे, उत्पादन इकाइयों और रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और न केवल रेलवे स्टेशनों पर, बल्कि ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों और उत्पादन इकाइयों में भी सफाई के स्तर में उल्लेखनीय सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रेलवे और नोडल कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में सीआरबी और सीईओ ने कहा कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2017 से 'स्वच्छता ही सेवा' का पखवाड़ा मनाया जा रहा है। हमें स्वच्छता के लिए स्वैच्छिकता और सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए। 'स्वच्छता ही सेवा' स्वच्छ भारत मिशन के तहत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और पेयजल और स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय) की एक संयुक्त पहल है। भारतीय रेलवे इस वर्ष भी 'स्वच्छता ही सेवा' समारोह का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा'-2023 अभियान के दौरान भारतीय रेलवे ने लगभग 6823 रेलवे स्टेशनों पर 70,0000 से अधिक मानव-घंटे श्रमदान के साथ लगभग 2.5 लाख लोगों को अभियान में शामिल किया था। भारतीय रेलवे ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जैसे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान, कचरे से लेकर सेल्फी पॉइंट बनाना, रेलवे की वेबसाइट पर स्वच्छता ही सेवा लोगो/बैनर पोस्ट करना, ट्रेनों/स्टेशनों में कचरे के उचित निपटान के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के लिए नियमित घोषणा करना, जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारे के साथ प्रभात फेरी निकालना, यात्रियों की जागरूकता के लिए रेलवे स्टेशनों पर गैर सरकारी संगठनों, धार्मिक निकायों और स्कूली बच्चों की मदद से नुक्कड़ नाटक आयोजित करना आदि। इस वर्ष, स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, 'स्वच्छता ही सेवा' 2024 अभियान 14 सितंबर (पर्दा उठाने वाला)/17 सितंबर (अभियान का उद्घाटन) से 1 अक्टूबर तक 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ मनाया जा रहा है और 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाएगा। 'स्वच्छता ही सेवा' 2024 का थीम, "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" पूरे भारत में स्वच्छता प्रयासों में सामूहिक कार्रवाई और नागरिक भागीदारी की भावना को फिर से जगाने का प्रयास करता है। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसका समापन स्वच्छ भारत दिवस पर होगा, यह सभी नागरिकों, भागीदारों और हितधारकों के लिए सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रस्तुत करता है। आइए हम सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने, महात्मा गांधी की विरासत का सम्मान करने और स्वच्छता को जीवन का एक तरीका बनाने की अपनी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करें।

# चलती बस में आग, चमत्कारिक रूप से बच गए यात्री

सिद्दीपेट, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकनूरपल्ली गांव के पास राजीव राहदारी में शुक्रवार तड़के आरटीसी बस के इंजन में आग लग जाने से उसमें सवार यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए। सतर्क बस चालक ने इंजन से धुआं निकलता देखा और बस रोक दी। उसने यात्रियों को तुरंत उतरने के लिए कहा और अग्निशमन सेवा को बुलाया। इस मौके पर पहुंची एक दमकल गाड़ी ने आग बुझाई। बस करीमनगर से सिकंदराबाद जा रही थी। यात्रियों ने सिकंदराबाद पहुंचने के लिए दूसरी बस ली।

# अंतिम रिपोर्ट में हो सकती है और देरी

### मेडिगड्डा बैराज और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार मेडिगड्डा बैराज और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का हिस्सा बनने वाले दो अन्य महत्वपूर्ण बैराजों पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस रिपोर्ट से इन बैराजों के पुनर्वास पर आगे बढ़ने का एक आवश्यक तरीका प्रदान करने की उम्मीद है, संभवतः यदि आवश्यक हो तो स्थायी कार्यों की सिफारिश की जा सकती है लेकिन अगले फसल सीजन तक, विशेष रूप से रबी के लिए बैराजों के चालू होने की उम्मीद कम ही दिखती है।

एनडीएसए की ओर से अंतिम रिपोर्ट इस साल के अंत से पहले आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि इसमें और देरी हो सकती है। रिपोर्ट का पूरा होना राज्य सिंचाई विभाग को सौंपी गई कुछ जांचों पर निर्भर करता है, जिसमें इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाली राष्ट्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया है। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने विभाग के अधिकारियों से इन जांचों को एनडीएसए को सौंपने में तेजी लाने का आग्रह किया है।

मई में राज्य सरकार को भेजी गई अंतरिम रिपोर्ट में, एनडीएसए विशेषज्ञ समिति ने बैराजों की मौजूदा स्थिति को बनाए रखने के लिए मानसून के मौसम से पहले लागू किए जाने वाले कई अंतरिम उपायों की सिफारिश की। मेडिगड्डा के ब्लॉक-7 के लिए, पैनल ने दरारों की निगरानी करने, पार्श्व गति को रोकने के लिए 16 से 22 खंभों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने और राफ्ट में दोषपूर्ण दबाव रिलीज वाल्व को ठीक करने या बदलने का सुझाव दिया।


## CLASSIFIEDS

### NAME CORRECTION

I, ADARSH DAYAL SINGH S/o. PRABHU DAYAL SINGH R/0. Plot No.10, H.No.7-34/1, Prabhu Residency, Hydershakote Village, Gandipet Mandal, Ranga Reddy District—500091 Telangana, INDIA, hereby state that, Name Correction is done in my name from Recorded Name as AADARSH DAYAL SINGH vide my Indian Passport No.P5072758 to ADARSH DAYAL SINGH as per my Aadhaar Card No.924073980118, Vide Affidavit No.W582258, Tran. ID 240912173832826225, dated 12 th Sept.2024 on Indian Non- Judicial Stamp Paper Valued Rupees Fifty only And thru K.SRINIVASRAO Advocate & Notary GOMS No.2612/11, Mehdipatnam, Hyderabad, Telangana, INDIA

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# ट्रम्प भारतवंशी कमला के साथ और डिबेट नहीं करेंगे

## बोले- हार के बाद एक और मौका चाहती हैं, सर्वे ने हैरिस को बेहतर माना था

वाशिंगटन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वे 5 नवंबर के चुनाव से पहले उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ किसी और डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे। सीएनएन के मुताबिक उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी मुकाबला हार जाता है तो सबसे पहले यही कहता है कि वह फिर से एक और मुकाबला चाहता है। कमला हैरिस एक और डिबेट चाहती हैं। इसका मतलब यही है कि वे पिछली डिबेट हार चुकी हैं और अब वह जीतने के लिए एक और मौका चाहती हैं। ट्रम्प और कमला के बीच दो दिन पहले पेनसल्वेनिया के फिलाडेफ्लिया में पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई थी। इसे 6 करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोगों ने टीवी पर लाइव देखा था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर और डिबेट न करने की घोषणा करने के बाद एरिजोना में हुई चुनावी रैली में यही बात दोहराई। उन्होंने कहा- "चुनाव से पहले मैं दो डिबेट्स में हिस्सा ले चुका हूं। दोनों ही सफल रही हैं। इसलिए तीसरी की कोई वजह ही नहीं है।"

ट्रम्प ने कहा, "सर्वे से साफ है कि मैंने डेमोक्रेट की कट्टर वामपंथी कैंडिडेट कमला हैरिस से पिछली डिबेट जीत ली है। उपराष्ट्रपति को अब डिबेट्स पर नहीं, बल्कि अपने काम पर फोकस करना चाहिए।" इससे पहले कमला हैरिस ने गुरुवार को एक और डिबेट की मांग की थी। एक चुनावी रैली में कमला ने कहा था कि वोटरों के लिए उन पर एक और डिबेट की जिम्मेदारी है। इससे ज्यादा जरूरी और कुछ नहीं हो सकता। 27 जून को ट्रम्प और बाइडेन के बीच पहली डिबेट हुई थी। ट्रम्प और कमला के बीच बुधवार को दूसरी डिबेट हुई थी। दोनों के बीच 90 मिनट बहस चली। ट्रम्प के दावे के उलट कई सर्वे में कमला हैरिस को विजेता माना गया था।

# पाकिस्तान की फौज ने पुलिस के आगे टेके घुटने

## विरोध प्रदर्शन के बाद खाली करेंगे लक्की मारवात का इलाका

इस्लामाबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रान्त में सेना के खिलाफ पुलिस के विरोध प्रदर्शन के बाद सैन्य अफसर झुक गए हैं। प्रान्त के लक्की मारवात जिले में पुलिसकर्मियों के विरोध प्रदर्शन के शुक्रवार को पांचवें दिन में प्रवेश करने के बाद सेना ने शहर खाली करने की बात मान ली है। सेना की ओर से कहा गया है कि फौजी छह दिन में लक्की मारवात के शहरी इलाके से निकल जाएंगे। पुलिस और सेना के बीच वार्ता के बाद ये जानकारी दी गई है। कहा गया है कि वार्ता सफल रही है और सेना ने शहर से हटने की बात स्वीकार ली है। सोमवार को पुलिसकर्मियों का ये प्रदर्शन शुरू हुआ था। पुलिस का आरोप है कि सेना और आईएसआई के लोग उनकी ड्यूटी में दखल करते हैं और उनको काम नहीं करने दिया जा रहा है, इसने प्रान्त के हालात को बदतर कर दिया है। सेना और आईएसआई के दखल को खत्म करने की मांग को लेकर सैकड़ों पुलिसकर्मी सड़कों पर उतर गए। पुलिसकर्मियों का कहना है कि प्रान्त कानून व्यवस्था का काम उनका है ना कि सेना का और इसे वही करेंगे। पुलिस का कहना है कि वह क्षेत्र में सेना को नहीं चाहते हैं। ऐसे में सेना यहां से जाए, उनकी इस मांग को मान लिया है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, लक्की मारवात में शुरू हुए इस प्रदर्शन में आसपास के जिलों के पुलिसकर्मी भी शामिल हो गए। कई राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और स्थानीय समूहों का साथ भी इस प्रदर्शन में पुलिस को मिला, जिससे ये काफी बड़ा हो गया। पुलिसकर्मी सेना और आईएसआई पर क्षेत्र में शांति भंग करने और सुरक्षा स्थिति को बदतर बनाने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिसकर्मियों का कहना है कि सेना स्थिति बिगाड़ रही और आतंकी गुटों का निशाना पुलिस बन रही है।

# उत्तर कोरिया ने पहली बार दुनिया को दिखाया यूरेनियम का भंडार

## तानाशाह किम ने ज्यादा परमाणु हथियार बनाने पर दिया जोर

प्योंगयांग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम का भंडार जमा किया हुआ है। उत्तर कोरिया की सत्ता में सर्वसर्वा किम जोंग उन ने यूरेनियम संवर्धन केंद्र का दौरा किया है और इसकी तस्वीरें भी सार्वजनिक की गई हैं। इस दौरान किम ने वेपन-ग्रेड सामग्री का उत्पादन करने के लिए नए सेंट्रीफ्यूज तैयार करने का आह्वान किया, जिससे ज्यादा परमाणु हथियार बनाए जा सकें। स्टेट मीडिया केसीएनए ने शुक्रवार को बताया कि किम जोंग उन खुद यूरेनियम फैसिलिटी पर व्यवस्था देखने पहुंचे थे। किम के दौरे की तस्वीरों के साथ पहली बार उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम की झलक भी दुनिया को दिखी है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के तहत प्रतिबंधित है। किम की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें वह यूरेनियम को समृद्ध करने वाली मशीनों मेटल सेंट्रीफ्यूज की लंबी कतारों के बीच दिख रहे है। रिपोर्ट में यह साफ नहीं किया गया कि किम का दौरा कब हुआ है। उत्तर कोरिया की इस यूरेनियम फैसिलिटी की जगह का खुलासा भी रिपोर्ट में नहीं किया गया है। इस दौरान किम ने सामरिक परमाणु हथियारों के लिए अधिक सामग्री का उत्पादन करने का आग्रह किया। उन्होंने अमेरिका और उसके सहयोगियों की ओर से संभावित खतरे का जिक्र करते हुए देश के परमाणु शस्त्रागार को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा के लिए हथियारों को बढ़ाने की बहुत आवश्यकता है। उत्तर कोरिया की सैन्य ताकत के बारे में बहुत सटीक जानकारी दुनिया को नहीं है। एक अलगाव में रहने वाले उत्तर कोरिया के बारे में दावा किया जाता है कि उसके पास यूरेनियम संवर्धन के लिए कई स्थल हैं। एक्सपर्ट दावा करते हैं कि सेटेलाइट तस्वीरों में योंगब्योन परमाणु वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र देखा गया है। इससे अंदाजा लगाया जाता है कि उत्तर कोरिया तेजी से अपने परमाणु कार्यक्रम को बढ़ा रहा है।

# रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिले एनएसए अजीत डोभाल

## मोदी की यूक्रेन यात्रा और जेलेंस्की से मुलाकात की जानकारी दी, पीएम अगले महीने रूस जा सकते हैं

मास्को, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के बीच 12 सितंबर को सेंट पीटर्सबर्ग में मुलाकात हुई। इसका 51 सेकेंड का वीडियो शुक्रवार को सामने आया। इस दौरान डोभाल ने पीएम मोदी के यूक्रेन विजिट की जानकारी पुतिन को दी। एनएसए ने बताया, 'जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आपसे टेलीफोन पर बातचीत की थी, वह आपको अपनी यूक्रेन यात्रा और राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ हुई मुलाकात के बारे में जानकारी देने के लिए उत्साहित थे। वह चाहते थे कि मैं रूस जाऊं और व्यक्तिगत रूप से खासतौर पर आपसे मिलूं और आपको उस बातचीत के बारे में बताऊं। दोनों के बीच बातचीत बहुत क्लोज फॉर्मेट में हुई। इसमें केवल 2 नेता थे। उनके साथ उनके 2 लोग थे, जिसमें मैं भी प्रधानमंत्री के साथ था। मैं इस बातचीतa का गवाह हूं।' रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वह 22 अक्टूबर को कजान (रूस) में ब्रिक्स समिट में भाग लेने के लिए पीएम मोदी का इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक का भी प्रस्ताव रखा। पुतिन ने पीएम मोदी को एक बार फिर अपना एक अच्छा मित्र बताया। उन्होंने कहा, "मुझे मोदी का मॉस्को दौरा बहुत अच्छी तरह से याद है। मुझे कहना चाहिए कि यह यात्रा न केवल सफल रही, बल्कि इस दौरान लिए गए फैसले काफी अहम रहे। हमारी महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी तेजी से आगे बढ़ रही है, जो बहुत खुशी देती है। हमें भारत की उन सफलताओं पर भी गर्व है जो मोदी के नेतृत्व में हासिल हुई हैं।' एनएसए डोभाल की रूस यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन दौरे के ढाई सप्ताह बाद हो रही है। 23 अगस्त को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत में पीएम मोदी ने कहा था कि यूक्रेन और रूस को मौजूदा जंग को खत्म करने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि शांति के हर प्रयास में भारत सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। डोभाल ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु के साथ व्यापक बातचीत की और पारस्परिक हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। डोभाल और शोइगु के बीच बातचीत पर रूस में भारतीय दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और आपसी हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

# मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट को पति ने गला घोंटकर मारा था

## बॉडी पार्ट्स को ब्लेंडर में पीसा, एसिड में घोला, हत्या के 7 महीने बाद खुलासा

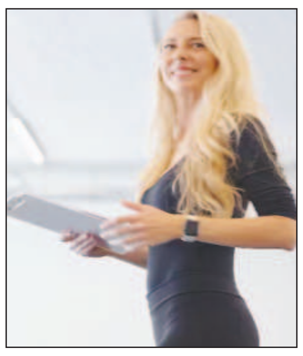

बर्न, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मिस स्विजट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की हत्या उनके पति थॉमस ने की थी। थॉमस ने क्रिस्टीना की डेड बॉडी के कई टुकड़े कर दिए थे। इनमें से कई टुकड़ों को उसने ब्लेंडर में पीसा। इसे छिपाने के लिए उसने घोल में एसिड मिला दिया था। इस बात का खुलासा स्विट्जरलैंड पुलिस के जांच अधिकारियों ने किया है। 38 वर्षीय मॉडल क्रिस्टीना की इसी साल 13 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। क्रिस्टीना का शव बिनिंगन शहर में स्थित उनके घर के लॉन्ड्री रूम में मिला था। हत्या के एक दिन बाद (14 फरवरी 2024) ही पुलिस ने क्रिस्टीना के पति थॉमस (41) को गिरफ्तार कर लिया था। मार्च में थॉमस ने अपना गुनाह कबूल कर लिया था। थॉमस ने फेडरल कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने 11 सितंबर को खारिज कर दिया। आरोपी थॉमस ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि मैंने आत्मरक्षा में क्रिस्टीना की हत्या की। क्रिस्टीना ने पहले मुझ पर चाकू से हमला किया था। इसके बाद मैंने अपने बचाव में क्रिस्टीना की हत्या कर दी। स्काई न्यूज के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट में थॉमस पर किसी हमले का निशान नहीं मिला। क्रिस्टीना की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि पहले उसका गला घोंटा गया। थॉमस ने अपने कबूलनामे में इस बात को स्वीकार किया है। इसके बाद उसने लॉन्ड्री रूम में आरी, चाकू और पौधों की छंटनी में काम आने वाली कैंची की मदद से क्रिस्टीना की बॉडी के टुकड़े कर दिए। बिनिंगन में पैदा हुई क्रिस्टीना ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2003 में मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड का खिताब जीता था। साल 2008 में वे मिस स्विट्जरलैंड की फाइनलिस्ट बनीं। इसके बाद क्रिस्टीना ने कैटवॉक कोच के तौर पर करियर बनाया।

# झारखंड चुनाव से पहले 'इंडिया' में होगा 'खेल'

## दीपांकर भट्टाचार्य ने की टेंशन देने वाली मांग, अब क्या करेगी जेएमएम और कांग्रेस?

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भाकपा (माले) ने झारखंड में बीजेपी को हराने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल दलों के बीच सीट बंटवारे की वकालत की है। पार्टी का मानना है कि झामुमो, कांग्रेस, वामदल और राजद मिलकर एक मजबूत गठबंधन बना सकते हैं और बीजेपी को सत्ता से दूर रख सकते हैं। भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संताल और कोल्हान में विपक्षी एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही है। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस, वामदल और राजद को आपस में बात करके सीट बंटवारे का एक अच्छा फॉर्मूला तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गठबंधन के चार प्रमुख घटक झामुमो, कांग्रेस, वाम और राजद संतोषजनक चर्चा कर एक उचित सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तैयार कर सकते हैं।

# कांग्रेस सरकार में पावरफुल रही अधिकारी सौम्या चौरसिया की बढ़ी मुश्किलें

## 50 से ज्यादा संपत्तियां अटैच

रायपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कोयला लेवी घोटाला एक बार फिर से सुर्खियों में है। एक तरफ जेल में बंद सूर्यकांत तिवारी के लेटर को लेकर सियासत तेज हुई है वहीं, दूसरी तरफ ईडी ने एक बार फिर से बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने जेल में बंद सौम्या चौरसिया की 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी अटैच की है। इसके लिए उनके घर पर ईडी की टीम ने नोटिस का बोर्ड भी लगाया है। बताया जा रहा है जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है। उसमें सौम्या चौरसिया का भिलाई स्थिति मकान भी शामिल है। बता दें कि कांग्रेस सरकार के समय सौम्या चौरसिया ताकतवर और प्रभावशाली अफसर थीं। सौम्या चौरसिया पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डेप्यूटी सेक्रेटरी भी रह चुकी हैं। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने उन संपत्तियों को अटैच किया है जो बेनामी तरीके से बनाई गई हैं। अटैच की गई संपत्ति में रियल एस्टेट प्रॉपर्टीज, बैंकों में जमा राशि को भी शामिल किया गया है। सौम्या चौरसिया इस समय रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। ईडी की टीम ने कोयला लेवी घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में 2 दिसंबर 2022 को अरेस्ट किया गया था। सौम्या चौरसिया पर आरोप है कि उन्होंने कोयला वसूली के नियमों में बदलाव किया था। जिसके बाद इस मामले की जांच चल रही है। ईडी की टीम ने इस मामले में कई सीनियर अधिकारियों को अरेस्ट किया है। पूर्व आईएएस रानू साहू भी इस समय जेल में बंद हैं। ईडी ने छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ रुपए का कोयला घोटाला उजागर किया है। ईडी इस मामले की जांच कर रही है। ईडी का आरोप है कि छत्तीसगढ़ में कोयले के परिवहन पर अवैध वसूली की गई है। आरोप है कि कोयला परिवहन के दौरान कोयला व्यापारियों से अवैध वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन किया गया था। इसके लिए खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर बिश्नोई निर्देश जारी किए थे। इसके बाद सिंडिकेट बनाकर कोयला कारोबारियों से अवैध वसूली होती थी। इस पूरे मामले का मास्टर माइंड कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को माना जाता है।

# रूस में दागी जा सकती हैं नाटो देशों की मिसाइलें

## अमेरिका में बाइडेन-ब्रिटिश पीएम के बीच बैठक, पुतिन बोले- हम जवाब देने को तैयार

मास्को, 13 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन को रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मिल सकती है। सीएनएन के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन इस पर विचार कर रहे हैं। अब तक इस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, लेकिन यूक्रेन पर लगी ये पाबंदी अब हट सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि ऐसे हथियारों के इस्तेमाल करने की इजाजत देने का मतलब यह समझा जाएगा कि नाटो, रूस के खिलाफ जंग में उतर चुका है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वे इसका जवाब जरूर देंगे। पुतिन ने एक सरकारी टीवी चैनल पर कहा कि इससे बहुत कुछ बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल सैटेलाइट के बिना संभव नहीं है। यूक्रेन के पास ऐसी तकनीक नहीं है। यह केवल यूरोपीय यूनियन के सैटेलाइट या फिर अमेरिकी सैटेलाइट की मदद से ही हो सकता है। पुतिन ने आगे कहा कि सिर्फ नाटो सैन्यकर्मियों को ही इन मिसाइल सिस्टम्स का इस्तेमाल करने के लिए ट्रेनिंग ली रखी है। यूक्रेनी सैनिक ये मिसाइल ऑपरेट नहीं कर सकते।

रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और राष्ट्रपति जो बाइडेन की बैठक होने वाली है। इस दौरान यह चर्चा होनी है कि क्या यूक्रेन को रूस के खिलाफ लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने दिया जाए। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कहा था कि अमेरिका, रूस के भीतर सैन्य ठिकानों पर लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल करने पर यूक्रेन पर लगे प्रतिबंधों को हटाने वाला है। ब्लिंकन ने कहा कि हमें ऐसे सबूत मिले हैं कि रूस के पास ईरान से बैलिस्टिक मिसाइल आ रही हैं।

# महादेव सट्टा केस, सुनवाई में दाऊद इब्राहिम की एंट्री

## छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में प्रमोटर के वकील बोले-ईडी ने गलत जानकारी दी, वारंट रद्द करें

रायपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप प्रमोटर-संचालक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के गिरफ्तारी वारंट केस में मोस्ट वांटेड आतंकी दाऊद इब्राहिम की एंट्री हुई है। आरोपियों के वकील ने सुनवाई के दौरान एक केस का जिक्र करते हुए वारंट रद्द करने की मांग की है। वकील ने कहा कि ईडी ने कोर्ट को गलत जानकारी दी।

दरअसल, सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ ईडी कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। इसी वारंट को आरोपियों ने वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल और किशोर श्रीवास्तव के जरिए बिलासपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मामले की सुनवाई जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। रवि उप्पल के वकील ने किशोर श्रीवास्तव जज के सामने ईडी की एफआईआर पढ़ी। एफआईआर पढ़ने के दौरान ईडी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। रवि उप्पल के अधिवक्ता ने कहा कि एफआईआर में जिन बातों का उल्लेख है, उन बातों की ऐप्लीकेशन कोर्ट में सब्मिट नहीं की गई है। उन्होंने गुरुवार को कहा, न्यायधीश ने नोटिस जारी करते समय कथित अभियुक्त बताया, लेकिन ईडी ने अपनी एफआईआर में अभियुक्त लिखा है। ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। ईडी ने गलत जानकारी देकर कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी कराया है। इसे रद्द कर देना चाहिए। वकील किशोर श्रीवास्तव ने अपने तथ्यों को सही साबित करने के लिए पुराने कई केस का रिफ्रेंस दिया। इनमें से एक केस दाऊद इब्राहिम से जुड़ा हुआ भी है। वहीं ईडी की तरफ से अधिवक्ता सौरभ पांडेय और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने बहस की। वारंट मामले में शुक्रवार को दोबारा सुनवाई होगी। ईडी के अधिवक्ताओं का कहना है कि बहस की प्रक्रिया में और कई दिन लग सकते हैं। इससे पहले बुधवार को भी अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सौरभ चंद्राकर का पक्ष रखा था और फिर प्रदेश से रवाना हो गए थे। कपिल सिब्बल ने बुधवार को हाईकोर्ट में कहा, ईडी कोर्ट यह निर्देशित नहीं कर सकती कि सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को गिरफ्तार करें। ये कोर्ट अपने क्षेत्राधिकार के लिए कानूनी अधिकार से संपन्न है, ले न क्षेत्र के बाहर ऐसा नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि महादेव ऐप के दोनों संचालक वानूआतू के नागरिक हैं।

# बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्र का हाईकोर्ट में हलफनामा

## केंद्र ने माना-संथाल में हुई घुसपैठ, आदिवासियों की संख्या 16% घटी

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को माना कि संथाल परगना के छह जिलों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है। इससे संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई है। हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि यहां घुसपैठ के साथ बड़े पैमाने पर धर्मांतरण भी हो रहा है। केंद्र की ओर से 1991 से 2011 तक जनगणना रिपोर्ट भी पेश की गई। इसके मुताबिक तब मुस्लिम आबादी 13% बढ़ी थी, जबकि साहिबगंज-पाकुड़ में 35% बढ़ी थी। पहले यहां आदिवासियों की आबादी 44% थी, जो घटकर 28% घुसपैठ, धर्मांतरण और पलायन की वजह से यह स्थिति बनी है। हलफनामे में कहा गया है कि संथाल परगना के कुछ जिलों में राज्य सरकार ही संथाल परगना टेनेंसी (एसपीटी) एक्ट का उल्लंघन कर रही है। इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गिफ्ट डीड के माध्यम से आदिवासी जमीन का हस्तांतरण हुआ है। एसपीटी एक्ट लागू होने के बावजूद इस तरह जमीन के हस्तांतरण से लगता है कि इसमें राज्य सरकार की भी सहमति है। क्योंकि ऐसे किसी मामले में कार्रवाई नहीं की गई है।

यही नहीं, संथाल के कुछ क्षेत्रों में पिछले कुछ सालों में मदरसों की संख्या भी बढ़ी है। बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र साहिबगंज और पाकुड़ में सबसे ज्यादा मदरसे बड़े हैं। हलफनामे में कहा गया है कि केंद्र के पास घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की क्षमता है। लेकिन इसके लिए एनआरसी लागू करना जरूरी है।

बांग्लादेश घुसपैठियों को वापस भेजने को लेकर दाखिल इस याचिका पर गुरुवार को तकनीकी कारणों से पूरी सुनवाई नहीं हो सकी। एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की कोर्ट ने अब 17 सितंबर को सुनवाई की अगली तिथि तय की है। इस मामले में यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी हाईकोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया। इसमें कहा गया है कि आधार कभी भी नागरिकता का आधार नहीं हो सकता। यह सिर्फ लोगों की पहचान बताने वाला दस्तावेज है। इससे पहले की सुनवाई में राज्य सरकार ने दावा किया था कि झारखंड में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठ नहीं हुआ है। वहीं संथाल परगना के सभी जिलों के डीसी ने भी शपथ पत्र दाखिल कर किसी भी जिले में घुसपैठियों के न होने का दावा किया था।

# कांग्रेस पार्षद का अनोखा अंदाज कचरे को बनाया ड्रेस

जगदलपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर में नगर निगम कार्यालय में सामान्य सभा आयोजित किया गया, इस सामान्य सभा को लेकर पहले से ही विपक्ष दल ने अपनी रणनीति तैयार करके रखे हुए थे, जिसके चलते जैसे ही सामान्य सभा शुरू हुआ कांग्रेस पार्षद द्वारा कचरे को अपना ड्रेस बनाकर सभा में पहुँचे जहाँ हंगामे के बीच दोनों पक्षों को समझाया गया, लेकिन बात नही मानने पर 1 घंटे के लिए सभा को स्थगित करना पड़ा। बताया जा रहा है कि नगर निगम की सामान्य सभा में कांग्रेस पार्षद राजेश रॉय के द्वारा कचरा बनकर सामान्य सभा मे पहुँचे।

# नशीले पदार्थ की बिक्री पर हाईकोर्ट सख्त

## कहा- रांची में अवैध चल रहे रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट को तत्काल बंद कराएं

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची में इन दिनों रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट तेजी से खुल रहे हैं। नगर निगम से नक्शा स्वीकृत कराएं बिना और फायर एनओसी के बिना ऐसे बार-रेस्टोरेंट का संचालन किया जा रहा है। इस पर झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए मौखिक कहा कि रांची में बिना नक्शा स्वीकृत कराए चल रहे रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट का तत्काल बंद कराएं। नगर निगम को इस मामले में सभी रूफ टॉप बार-रेस्टोरेंट की जांच करनी चाहिए, जो वैध है उसे छोड़कर अवैध को बंद कराना चाहिए। अदालत ने कहा कि शहर के लालपुर, हरमू रोड सहित अन्य इलाकों में बिना नक्शा पास कराए रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट का संचालन किया जा रहा है। बिना नक्शा पास कराए अवैध रूप से हो रहा संचालन गंभीर मामला है। निगम ऐसे बार एवं रेस्टोरेंट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अदालत में रिपोर्ट पेश करे।

नगर निगम के टाउन प्लानिंग सेक्शन का काम सिर्फ नक्शा पास करना रह गया है। टाउन प्लानर से लेकर इंजीनियरों की मिलीभगत से शहर में अवैध भवन का निर्माण और रूफटॉप बार -रेस्टोरेंट का संचालन होता है। इसी वजह से कभी भी ऐसे बार- रेस्टोरेंट की जांच नहीं होती और न किसी तरह की कार्रवाई होती है।

एक आकलन के अनुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 100 से अधिक रूफटॉप बार- रेस्टोरेंट चल रहे हैं। जिन भवनों में बार- रेस्टोरेंट का संचालन हो रहा है, वहां पार्किंग तक की व्यवस्था नहीं है। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि रांची सहित पूरे राज्य में मादक पदार्थों की बिक्री रोकने का अभियान चलाया जा रहा है।

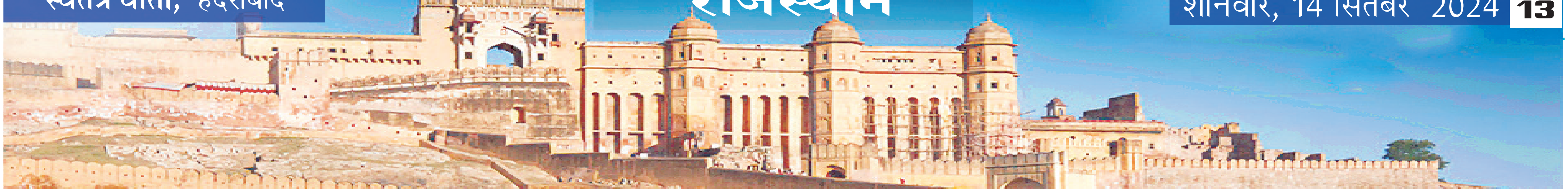

# विकास के खोखले दावों की पोल खोलती जिंदा तस्वीर

## ऊफनते नाले के बीच से ले जानी पड़ी शवयात्रा

सवाई माधोपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में भारी बारिश से जिले में न केवल बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ, बल्कि मानवीय संवेदना को झकझोर कर रख देने वाली तस्वीर भी इस दौरान देखने को मिली।

राजस्थान के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के विधानसभा क्षेत्र के जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर की यह तस्वीर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के मुंह पर तमाचा है, जो विकास के वादे तो हजार करते हैं पर लाखों-करोड़ों खर्च करने के बाद भी धरातल पर विकास नजर नहीं आता और लोगों को श्मशान तक सही-सलामत शवयात्रा ले जाने के लिए भी भारी जद्दोजहद करनी पड़ती है। सवाई माधोपुर में हुई भारी बारिश के कारण सभी नदी-नाले ऊफान पर रहे, इसी दौरान जिला मुख्यालय के पुराने शहर स्थित भेरू दरवाजा के समीप विनोबा बस्ती में एक व्यक्ति की प्राकृतिक रूप से मौत हो गई। समय पर बारिश नहीं रुकने की वजह से शव को श्मशान तक ले जाना और फिर शव का अंतिम संस्कार करना परिजनों की मजबूरी बन गया लेकिन श्मशान के रास्ते मे पड़ने वाले लटिया नाले में बारिश का पानी इस कदर ऊफान पर था कि लोगों का शवयात्रा लेकर वहां तक पहुंचना मुश्किल था, फिर भी लोगों ने हिम्मत जुटाई और ऊफनते लटिया नाले से अपनी जान जोखिम में डालकर अर्थी लेकर गए। इस बीच कई जगहों पर शव अर्थी से गिरते-गिरते बचा लेकिन शवयात्रा में शामिल लोगों ने एक-दूसरे का हाथ मजबूती से थामा और जैसे-तैसे नाले को पार कर अंतिम संस्कार किया।

वार्ड नं 23 विनोबा बस्ती की पार्षद मेघा वर्मा का कहना था कि विनोबा बस्ती से श्मशान तक जाने वाले रास्ते मे बीच में लटिया नाले पर आज तक कोई पुलिया नहीं बनी है, ऐसे में बारिश के दौरान अगर विनोबा बस्ती के किसी घर में मौत हो जाती है तो बस्तीवासियों को शव के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान तक जाने में इसी तरह कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ता है।

पार्षद का कहना है कि विनोबा बस्ती के लोगों के लिए ये एक बहुत बड़ी समस्या है, जिसे लेकर जिला प्रशासन सहित सभी अधिकारियों और विधायकों को कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक किसी ने भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया है। बड़ी बात ये है कि सवाई माधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा प्रदेश के आपदा राहत एवं प्रबन्धन मंत्री है और उनके विधानसभा जिला मुख्यालय के हालात ये हैं। चाहे उन्होंने अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे रखा हो लेकिन क्षेत्र के विधायक होने के नाते अपने विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की समस्याओं से निजात दिलाना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है।

# मस्जिद की मीनार मकान पर गिरी, 1 की मौत

सवाई माधोपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर उपखंड के खिरनी कस्बे में देर रात बारिश के चलते मस्जिद की करीब 70 फीट ऊंची निर्माणाधीन मीनार एक पक्के मकान पर गिर गई। जिसके चलते 2 मंजिला पक्का मकान धाराशाही हो गया। मकान के मलबे में दबने से एक 60 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। करीब 5 घंटे के रेस्क्यू के बाद मलबे में दबे व्यक्ति का शव सुबह करीब 4 बजे निकाला गया। घटना की सूचना के बाद कार्यवाहक उपखंड अधिकारी सीमा घुणावत, नायब तहसीलदार रामभरोसी, थानाधिकारी अवतार सिंह और नगर पालिका प्रशासन मौके पर पहुंचा। यहां करीब 5 घंटे के रेस्क्यू के बाद मृतक प्रहलाद कोली पुत्र ओकारमल कोली के शव को बाहर निकला गया। फिलहाल पुलिस मृतक के पोस्टमॉर्टम की कवायद कर रही है, लेकिन परिजन आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं।

# ऐसे शोध और अनुसंधान को बढ़ावा मिले जिससे भारत कृषि क्षेत्र में अग्रणी बने : राज्यपाल

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया है, जिससे भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्वित केन्द्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके। बागडे शुक्रवार को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के बारहवें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।बागडे ने कहा कि यह समय वर्षा का है। इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर बार अच्छी वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का दौर है। कृषि पर भी बहुत से संकट हैं। इस दौर में अधिकाधिक पौधे लगाकर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही हम देश का विकास कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि खेतों अंधाधूंध रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। इससे उत्पादित फसल के उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि प्राकृतिक खेती की ओर लौटा जाए। उन्होंने उद्यानिकी और कृषि में तकनीक के प्रयोग से अधिक उत्पादन का भी आह्वान किया।

बागडे ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करने। खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कृषि उत्पादों में उद्यमिता विकास के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर सब मिलकर प्रयास करें। उन्होनें कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह सुखद है कि आजादी से पहले यहां कृषि शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास हुए हैं। उन्होंने खेती और पशुपालन के लिए व्यावहारिक सोच रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया।

# किराए पर संचालित हो रही ड्रग्स फैक्ट्री, एक आरोपी डिटेन

बाड़मेर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर के रेतीले धोरों के बीच चल रही फैक्ट्री किराए की जमीन लेकर संचालित की जा रही थी। जमीन मालिक के बेटे ने जमीन किराए पर देना सामने आया है। फिलहाल डीआरआई टीम ने ड्रग्स फैक्ट्री से सैंपल लेकर फैक्ट्री को सीज कर दिया है। टीम ने वहां पर खेती करने वाले एक व्यक्ति को डिटेन किया है। फैक्ट्री में मिला जनरेटर फरवरी 2024 का मेड है। इससे लगता है कि फैक्ट्री 7-8 माह से संचालित हो रही थी। इसके साथ वहां पर इलेक्ट्रिक तोल मशीन, चारपाई, कुर्सियों सहित अन्य सामान मिला है।
डीआरआई टीम ड्रग्स फैक्ट्री की जांच कर रही है। वहीं बाड़मेर एएसपी सस्पेंड हेड कॉन्स्टेबल सहित तीन पुलिसकर्मियों की जांच कर रहे हैं। इसमें उनकी क्या लापरवाही रही है। एएसपी जसाराम बोस ने बताया- मुंबई और सूरत में कार्रवाई के दौरान पकड़े गए युवकों से पूछताछ के आधार पर डीआरआई टीम ने बाड़मेर जिले के रामसर थाना के खारा राठौड़ान, मिठड़ाऊ तला में कार्रवाई कर ड्रग्स फैक्ट्री को पकड़ा। उस समय बाड़मेर पुलिस के थानाधिकारी भी साथ में थे। डीआई टीम ने वहां से सैंपल लिए थे और फैक्ट्री को सीज किया था जिसकी जांच टीम की ओर से की जा रही है।
टीम ने कालू सिंह पुत्र सोहनसिंह को डिटेन किया है।

# बाड़मेर, जैसलमेर समेत 28 जिलों में अत्यधिक वर्षा

## रेगिस्तान में बने बाढ़ के हालात

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इस साल मानसून ने राजस्थान में दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कई बांध जो पिछले तीन दशकों में नहीं भरे थे, अब छलक रहे हैं।

प्रदेश में 376 बांध पूरी तरह भर चुके हैं और मानसून अब भी सक्रिय है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि अगले 2 से 3 दिनों में मानसून की सक्रियता घटेगी। बीते 24 घंटे की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान में मौसम ज्यादातर शुष्क रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक वेलमार्क लो प्रेशर आज डिप्रेशन बन गया है। यह उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर है। अगले 24 घंटे में इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में पश्चिमी यूपी की तरफ आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से उत्तर-

पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है।

**इन जिलों में सामान्य से अत्यधिक वर्षा**

राजस्थान के जिन जिलों में सामान्य से अत्यधिक वर्षा हुई है, उनमें बाड़मेर और जैसलमेर जैसे रेगिस्तानी जिले भी शामिल हैं। इनके अलावा अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, दौसा, डीग, धौलपुर, कुचामन, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, करौली, केकड़ी, तिजारा, नागौर, सवाई माधोपुर, टोंक, कोटपूतली, बहरोड़, बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, ग्रामीण, फलौदी , बूंदी और चूरू में भी सामान्य से अत्यधिक वर्षा हुई है। बाड़मेर के बालोतरा में सामान्य वर्षा का स्तर 285.11 एमएम माना जाता है और अब तक यहां 508.71 एमएम वर्षा हो चुकी है।बाड़मेर में सामान्य वर्षा का स्तर 260.32 एमएम माना जाता है और अब तक यहां 423.12 एमएम वर्षा हो चुकी है और जैसलमेर में सामान्य वर्षा का स्तर 168.10 एमएम माना जाता है और अब तक यहां 402.84 एमएम वर्षा हो चुकी है।

# पायलट बोले-सरकार में बिखराव अलग-अलग सत्ता केंद्र बने

जोधपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा- सरकार में सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन गए हैं। किसी को मालूम नहीं है कि मंत्री कैबिनेट में है या नहीं। संगठन कुछ बोलता है और सरकार कुछ बोलती है। सरकार में तीन लोग कुछ अलग बोलते हैं। पायलट ने कहा- ये बिखराव बहुत जल्दी हो गया। आमतौर पर तीन-चार साल बाद ये खिंचाव होता है सरकारों के अंदर। लेकिन यहां मैं देख रहा हूं कि बहुत शुरुआत में ही अलग-अलग सत्ता के केंद्र बन गए हैं। उसका नुकसान लोगों को होता है। पायलट ने जोधपुर में मीडिया के सवालों के जवाब में ये बात कही।

आरपीएससी भंग करने की पायलट की मांग पर किरोड़ीलाल मीणा के बयान पर उन्होंने कहा- अगर सरकार की इच्छाशक्ति हो तो भंग किया जा सकता है। चुनाव से पहले तो बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे, लेकिन जब आरपीएससी भंग करने की बात आती है तो हर कोई किनारा कर रहा है। आरपीएससी पर लोगों का अब विश्वास नहीं रहा। फोन टैपिंग मामले में पायलट ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के बारे मे सरकार जाने वही बता सकती है। वन स्टेट-वन इलेक्शन पर पायलट ने कहा- चुनाव एक साथ कैसे संभव हो सकता है। भाजपा जब भी आती है कोई ना कोई शिगूफा छोड़ देती है। उन्होंने कहा- सरकार कौन चला रहा है,कुछ समझ नहीं आ रहा है। कभी कोई नेता कुछ कह जाता है तो कभी कोई। सरकार में आपसी तालमेल नहीं है। इस वजह से बेतुके बयान सामने आ रहे हैं।

# राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है : अशोक गहलोत

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि भाजपा की तरफ से 15-20 सालों तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा एवं अपेक्षा का केन्द्र बिन्दु बन गए हैं।

इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या करने की बातें कर रहे हैं। ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है। गहलोत ने एक्स पर लिखा है कि यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है। राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और इस यात्रा को लेकर देशभर में अफवाह फैलाने लग गई है। लोकसभा चुनावों में संविधान बदलने एवं आरक्षण हटाने के इरादे लेकर गई भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है एवं आवश्यकता के अनुरूप इसकी सीमा भी बढ़ानी चाहिए। राहुल गांधी देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे वो अंजाम तक लेकर जाएंगे और भाजपा के आरक्षण से खिलवाड़ करने के इरादे को कभी पूरे नहीं होने देंगे। भाजपा देश को गुमराह करने का प्रयास अब बंद कर दे क्योंकि देश समझता है कि राहुल गांधी के द्वारा अमेरिका में बोले गए एक-एक शब्द का अर्थ क्या है और इसके पीछे राहुल जी की क्या भावना है।

# महिला ने खींचे एसडीएम के बाल, प्रशासन के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंची थीं

## लोगों ने कहा-एसडीएम ने बुजुर्ग को धक्का मारा

टोडाभीम, 13 सितंबर (एजेंसियां)। खातेदारी जमीन पर बने धर्मकांटे को हटाने गई महिला एसडीएम और एक महिला के बीच झड़प हो गई। इस दौरान महिला ने एसडीएम के बाल खींच लिए। मामला गंगापुरसिटी जिले के टोडाभीम इलाके के नाद गांव का है। प्रशासन धर्मकांटे को नियमों के खिलाफ बताकर कार्रवाई करने गया था।

कार्रवाई के दौरान ही प्रशासन और मौके पर मौजूद लोगों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान एक महिला एसडीएम से उलझ गई और उनके बाल खींच लिए। हालाकि मामले को लेकर किसी भी पक्ष ने रिपोर्ट नहीं दी है। वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम सुनीता मीणा ने बताया कि प्रशासन गांव में अतिक्रमण हटाने गया था। इस दौरान लोगों ने विरोध किया तो आपस में कहासुनी हो गई। इस बात को तूल नहीं दिया जाए। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि प्रशासन जिसे अतिक्रमण बताकर कार्रवाई करने पहुंचा है वह खातेदारी जमीन है।

जो वीडियो सामने आया है उसमें एसडीएम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर दिख रही हैं। कार्रवाई के दौरान उनकी वहां मौजूद लोगों से झड़प हो जाती है। इसी दौरान एक बुजुर्ग जेसीबी मशीन की ओर बढ़ता है तो एसडीएम उसे धक्का देते दिखाई देती हैं। इसके बाद विवाद बढ़ जाता है और मौके पर मौजूद एक महिला एसडीएम के बाल खींचने लगती है। जिस पर पुलिसकर्मियों ने दोनों को अलग किया।

# पूर्व मंत्री सुंदरलाल 'काका' का निधन

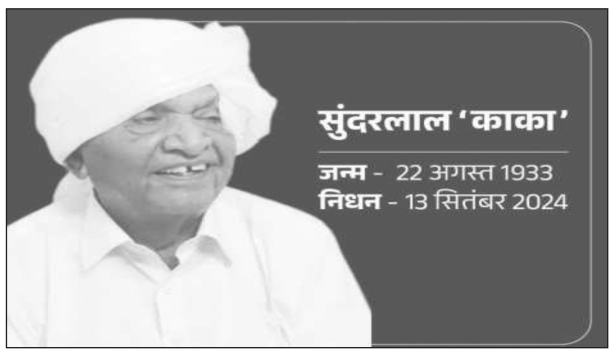


झुंझुनूं, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुंदरलाल का 91 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे 5 सितंबर से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती थे, जहां गुरुवार देर रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। लोग उन्हें 'काका' कहकर बुलाते थे। इससे पहले फेफड़ों में इंफेक्शन और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें 23 अगस्त को भी एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके कुछ दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

जयपुर में अपने घर पर 22 अगस्त को उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया था। उनका अंतिम संस्कार दोपहर 2 बजे पैतृक गांव कलवा (झुंझुनूं) में होगा। सुंदरलाल सात बार विधायक रहे। 1972 में पहली बार कांग्रेस के टिकट से झुंझुनूं जिले की सूरजगढ़ विधानसभा सीट से विधायक बने। इसके बाद कभी निर्दलीय तो कभी कांग्रेस से विधानसभा में पहुंचे। बाद में भाजपा में शामिल हो गए। 2003 में भाजपा के टिकट से जीते। वे 2018 तक भाजपा से विधायक रहे। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सुंदरलाल के बेटे को टिकट नहीं दिया तो वे रोने लगे थे। बाद में बेटे ने निर्दलीय चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। यही नहीं, 1993 में जब भैरोंसिंह शेखावत ने बीजेपी की सरकार बनाई थी, तब सुंदरलाल को भैरोंसिंह हेलिकॉप्टर से लेने गए थे। सुंदरलाल करीब 60 साल के राजनीतिक करियर में हमेशा अपनी बेबाकी और ठेठ देसी अंदाज के लिए जाने गए।

# पत्नी का अफेयर साबित तो गुजारा भत्ता मिलना मुश्किल

## पति भी कर सकता है ऐसी डिमांड, एक केस जो ज्यादातर मामलों में बनता है आधार

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर की फैमिली कोर्ट ने गुजारा भत्ते की एक याचिका इसलिए खारिज कर दी क्योंकि पत्नी की सैलरी पति के बराबर थी। कोर्ट का कहना था कि अगर पत्नी सक्षम है और पति के बराबर कमाती है तो गुजारा भत्ता पाने का कोई हक नहीं है। इससे कुछ महीने पूर्व जोधपुर में फैमिली कोर्ट का फैसला इससे हटकर था। पत्नी पढ़ी-लिखी थी और जॉब भी करती थी। बावजूद इसके पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया गया।

दोनों ही मामले अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही केस में रजनीश वर्सेज नेहा मामले में फैसला और उसके बाद जारी हुई गाइडलाइन का हवाला दिया गया। रजनीश वर्सेज नेहा केस क्या है? गुजारा भत्ता देने के क्या नियम हैं? किन मामलों में गुजारा भत्ता नहीं मिल सकता? पढ़िए इस रिपोर्ट में...

**जयपुर फैमिली कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया**

पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर तलाक का मामला फैमिली कोर्ट पहुंच था। पत्नी ने गुजारा भत्ता याचिका में बताया कि उसका पति पेशे से डॉक्टर है। उसकी पति की मासिक आय 2.50 लाख रुपए है। इसलिए निर्वाह भत्ते (गुजारा भत्ता) के 75 हजार रुपए हर माह दिलाया जाए। जवाब में पति ने कहा कि उसकी पत्नी बैंक में मैनेजर हैं। वह तमाम कटौतियों के बाद हर महीने 70 हजार 939 रुपए सैलरी मिल रही है। ऐसे में उसका प्रार्थना पत्र कानूनी रूप से योग्य नहीं है। इस मामले में फैसला सुनाते हुए फैमिली कोर्ट ने कि सुप्रीम कोर्ट के नेहा बनाम रजनीश केस का हवाला दिया।

कोर्ट ने कहा कि केवल लग्जरी लाइफ जीने के लिए भरण पोषण दिलाया जाना न्यायोचित नहीं है। उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर तय है कि पति और पत्नी समान रूप से उच्च शिक्षित हैं। दोनों उच्च पद पर कार्यरत होकर लगभग समान वेतन अर्जित कर रहे हैं। ऐसे में प्रार्थना पत्र अस्वीकार किया जाता है। पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर तलाक का मुकदमा महाराष्ट्र से जुड़ा है। मामले में पत्नी नेहा ने नागपुर की फैमिली कोर्ट में वर्ष 2013 में भरण पोषण की मांग करते हुए याचिका लगाई।

# सीकर में 12वीं के छात्रों पर चाकू से जानलेवा हमला

सीकर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हॉस्टल में रह रहे छात्रों पर दूसरे हॉस्टल के रहने वाले छात्रों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर छात्र लगातार इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला सीकर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र का है। नागौर के रहने वाले छात्र के पिता ने पुलिस में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया- उनका बेटा सीकर के एक प्राइवेट कोचिंग इंस्टिट्यूट में 12वीं क्लास में पढ़ता है। बेटा अपने दोस्त के साथ हॉस्टल में रहता है। पास ही गली में स्थित एक बॉयज हॉस्टल में रहने वाले 2 छात्र 8-10 लड़कों के साथ उनके हॉस्टल में आए और उन पर चाकूओं से हमला करना शुरू कर दिया।

# खाने में नशे की गोलियां मिलाकर दुल्हन फरार

## ससुराल पक्ष के 6 लोग अस्पताल में भर्ती, 9 लाख रुपए लेकर किया था विवाह

बूंदी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नौ लाख रुपए लेकर शादी करने वाली दुल्हन ससुराल वालों को नशे की गोलियां मिला खाना खिलाकर फरार हो गई। पति सहित 6 लोगों को पड़ोसियों ने बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है। दुल्हन करीब 20 दिन ही अपने ससुराल में रुकी।

मामला बूंदी के दबलाना थाना क्षेत्र के रूणीजा पंचायत के धारधडी गांव का है।
दबलाना थाने के एएसआई महेन्द्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र के धारधडी गांव में खाने में नशे की गोलियां मिलाने की घटना सामने आई है। जिसमें एक परिवार के 6 लोगों की तबीयत खराब हो गई। परिजनों को इस बात का पता शुक्रवार अलसुबह लगा जब उनकी तबीयत खराब होने लगी। परिवार के सदस्य उल्टी और चक्कर आने के साथ बेसुध हो रहे थे तो पड़ोसियों को सूचना दी। तब जाकर सभी पीड़ित लोगों को बूंदी जिला अस्पताल भर्ती करवाया गया है। जांच में सभी को नशे की गोलियां मिला खाना खिलाने की बात सामने आई है। ऐसे में आशंका है कि रात को खाने में नशे की गोलियां मिलाई गई होंगी, जिसका असर देर रात शुरू हुआ।
पुलिस ने बताया कि धारधडी गांव के दुर्गा शंकर गुर्जर (24) ने पास के ही गांव भीमगंज की मंजू (23) पुत्री रामफुल गुर्जर के साथ 23 अगस्त 2024 को नाता प्रथा से विवाह किया था। तब से मंजू अपने पति दुर्गा शंकर के परिवार के साथ ससुराल में रह रही थी। गुरुवार रात को मंजू ने घर के सभी सदस्यों के लिए खाना बनाया था। परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए। देर रात बाद तबीयत खराब होने का सिलसिला शुरू हुआ। बाद में पड़ोसियों की मदद से सभी को बूंदी जिला अस्पताल पहुंचाया।नशे की गोलियां मिला खाना खिलाने के बाद दुल्हन बाइक लेकर घर से फरार हो गई। वह बाइक चलाने के साथ ही ट्रैक्टर भी चलाना जानती है।

# 2 सगे भाई समेत 3 मासूम तालाब में डूबे, मौत

भीलवाड़ा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के एक तालाब में डूबने से 2 सगे भाई समेत 3 मासूमों की मौत हो गई। तीनों बच्चे दोस्तों के साथ खेल मैदान में क्रिकेट खेलने गए थे। मैच खत्म होने के बाद तालाब में नहाने उतरे और गहरे पानी में जाने से हादसे का शिकार हो गए।

मामला गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के हुरडा कस्बे का है। कस्बे में अंबेडकर छात्रावास के पीछे बराली तालाब है। जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। तालाब के पास ही खेल मैदान है, जहां तीनों बच्चें दूसरे साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे।

# कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्ध लोगों की मदद कर रहे हैं पीएम मोदी : किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से वृद्ध लोगों की मदद कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने का मोदी सरकार का नवीनतम निर्णय भी मोदी के कल्याण कार्यक्रम का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) योजना को अपडेट किया गया है। कैबिनेट ने 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का चिकित्सा बीमा कवर प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा लिया गया था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह निर्णय देश के समग्र विकास में बुजुर्गों के कल्याण को उचित प्राथमिकता देने की दिशा में लिया गया था। मौजूदा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) के तहत 12 करोड़ पात्र परिवार हैं। इन परिवारों के 45.83 करोड़ लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। तेलंगाना में भी करीब 30 लाख परिवार, जिनमें से करीब 1.15 करोड़ लोग इस योजना के लाभार्थी हैं। लाभार्थियों को पीएमजेएवाई योजना के तहत तेलंगाना में 17.2 लाख उपचारों के लिए 3,626 करोड़ रुपये की चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हुईं।

रेड्डी ने कहा कि नवीनतम परिवर्तनों के साथ लाभार्थियों की संख्या में और वृद्धि होगी और उन्होंने कहा कि आयुष्मान के तहत पहले से कवर किए गए परिवारों में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का अतिरिक्त टॉप-अप कवर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजना के हिस्से के रूप में एक विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा और कहा कि केंद्र सरकार इस उद्देश्य के लिए अगले दो वर्षों में 3,437 करोड़ रुपये खर्च करेगी। उन्होंने कहा, योजना का दायरा बढ़ने से 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के लगभग छह करोड़ लाभार्थी (4.5 करोड़ परिवार) इस योजना से लाभान्वित होंगे। योजना में बदलाव करके, 2.72 करोड़ लाभार्थी (1.96 करोड़ परिवार) अतिरिक्त लाभ के पात्र हैं। तेलंगाना के लगभग 10 लाख लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने दावा किया कि यह योजना वरिष्ठ नागरिकों में आत्मविश्वास पैदा कर रही है और कहा कि परिवार के सदस्यों में यह भावना है कि मोदी की योजना उनके परिवार के बुजुर्गों और बुजुर्गों को आर्थिक और मानसिक रूप से सहारा देगी।

## विकास के लिए सीएसआर फंड जारी करें कंपनियां : राजा नरसिम्हा

संगारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से जिले के विकास के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का दो प्रतिशत जारी करने को कहा है। दामोदर राजा नरसिम्हा ने शुक्रवार को यहां जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में संगारेड्डी जिले में संचालित मध्यम और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि कंपनियों के प्रतिनिधियों को पूर्व में सीएसआर फंड से किए गए कार्यों को पूरा करने और अन्य परियोजनाओं के लिए धन जारी करने की पहल करनी चाहिए। बैठक में जिला कलेक्टर वल्लूर क्रांति, वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

# कांग्रेस ने तेलंगाना संकट के बीच केसीआर की अनुपस्थिति की निंदा की

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने खम्मम, सूर्यपेट और महबूबाबाद जिलों में बाढ़ से हुई तबाही के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या वह अपने फार्महाउस, हैदराबाद में थे या राज्य में भी थे।

उन्होंने टिप्पणी की कि कोई नहीं जानता कि केसीआर स्वस्थ हैं या नहीं। शुक्रवार को यहां विधानसभा परिसर में मीडिया हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, श्रीनिवास रेड्डी ने एक अन्य विधायक वामशी कृष्णा के साथ बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव पर भी आश्चर्य व्यक्त किया, जो बाढ़ से लोगों को हो रही कठिनाइयों के बावजूद अपनी बहन कविता को जमानत मिलते ही अमेरिका चले गए। उन्होंने कलवकुंतला परिवार की आलोचना करते हुए कहा कि संकट के समय में उन्होंने तेलंगाना के लोगों को छोड़ दिया और तेलंगाना आंदोलन के दौरान अपनी "क्षुद्र राजनीति" से भारी नुकसान पहुंचाया है। श्रीनिवास रेड्डी ने बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि उन्होंने खुद को गिरा दिया है और अब अनियमित व्यवहार करते हैं। कौशिक पर साड़ी और चूड़ियां लहराकर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने मांग की कि बीआरएस पार्टी महिलाओं की गरिमा को कम करने के लिए उन्हें निलंबित करे। इसके अलावा, श्रीनिवास रेड्डी ने पूर्व मंत्री हरीश राव पर कौशिक रेड्डी के साथ राजनीतिक नाटक रचने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि कौशिक "एक बार का आश्चर्य" होंगे, भविष्य में कोई भी चुनाव जीतने की संभावना नहीं है।

## ठेकेदार ने सरकारी स्कूल की कक्षाओं पर जड़ दिया ताला

### कामारेड्डी में बिलों का भुगतान करवाने का मामला

कामारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को कामारेड्डी मंडल के चिन्नमल्ला रेड्डी प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए अप्रत्याशित छुट्टी थी, क्योंकि सुबह उन्हें अपनी कक्षाओं के दरवाजे बंद मिले। परिसर में स्कूल की इमारतें बना रहे ठेकेदार ने कथित तौर पर कक्षाओं के दरवाजे बंद कर दिए क्योंकि सरकार ने उनके बिलों का भुगतान नहीं किया था। पता चला है कि सरकार ने माना ऊरु-माना बड़ी कार्यक्रम के तहत पुराने स्कूल भवन के बगल में एक स्कूल भवन बनाने के लिए 55 लाख रुपये मंजूर किए थे, लेकिन धन की कमी के कारण काम अधूरा रह गया। ठेकेदार ने कहा कि उसने और कमरे बनाने के लिए ऋण लिया था और उसे उधार ली गई राशि पर ब्याज चुकाने में परेशानी हो रही थी। इसलिए उसने स्कूल को बंद कर दिया ताकि सरकार उसके बिलों का भुगतान कर सके।

इस घटना के बाद गुरुवार सुबह स्कूल आए छात्र-छात्राएं स्कूल परिसर में ही बैठे रहे। घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक स्कूल पहुंचे और शिक्षकों से पूछताछ की। इस बीच स्कूल के प्रिंसिपल हनमंथुलु ने मामले की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी राजू को दी, जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

डीईओ ने कथित तौर पर ठेकेदार से कहा कि बिलों का भुगतान तभी किया जाएगा जब पूरा भवन निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और स्कूल के दरवाजों पर ताला लगाना अवैध है। ग्रामीणों द्वारा ठेकेदार से स्कूल की कक्षाओं के दरवाजे खोलने का अनुरोध करने के बाद यह मुद्दा सुलझ गया। ठेकेदार ने कक्षाओं के दरवाज़े खोले और छात्र कक्षाओं में आए।

# आरेकपुडी गांधी ने विरोध के बीच बदला सुर, की केसीआर की प्रशंसा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पदी कौशिक रेड्डी के प्रति अभद्र भाषा के कारण विभिन्न वर्गों से कड़ी आलोचना का सामना कर रहे सेरिलिंगमपल्ली अरेकापुडी से विधायक गांधी ने शुक्रवार को अपना सुर और तेवर बदल दिया और कहा कि वह बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव का बेहद सम्मान करते हैं। पिछले 10 सालों में बीआरएस प्रमुख ने सभी नेताओं में अनुशासन का संचार किया है और सुनिश्चित किया है कि कोई भी घटिया टिप्पणी या अभद्र भाषा का इस्तेमाल न हो। सेरिलिंगमपल्ली के विधायक ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को दोनों क्षेत्रों के बीच भाईचारा बनाए रखने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि कोई भी क्षेत्रीय मतभेद नहीं होना चाहिए। अपने आवास पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और कहा कि यह उनके और बीआरएस पार्टी के बीच कोई वाकयुद्ध नहीं था।

अरेकापुडी गांधी ने पूछा कि मुझे बार-बार उकसाया गया और मुझे जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। राजनीतिक दलों के बीच आलोचना और वाकयुद्ध होगा, लेकिन व्यक्तिगत निशाना साधना और गाली-गलौज बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धोखेबाज और दलाल की गालियों पर मैं कब तक शांत रहूंगा। सेरिलिंगमपल्ली के विधायक ने कहा कि वे गुरुवार को बीआरएस विधायक के घर तभी गए थे, जब उन्होंने पारंपरिक स्वागत का आश्वासन देते हुए निमंत्रण दिया था। उन्होंने दावा किया कि इसके बदले में बीआरएस विधायक ने सुनिश्चित किया कि पुलिस बंदोबस्त हो और मुझ पर तथा मेरे समर्थकों पर पत्थर फेंके।

### करीमनगर में धान जीवाणुजनित बीमारी से चिंतित किसान

करीमनगर, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में धान की फसल पर बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रकोप से किसान चिंतित हैं। जलवायु में अचानक परिवर्तन और यूरिया के अत्यधिक उपयोग को बैक्टीरियल ब्लाइट से संक्रमित धान के कारणों के रूप में बताया जाता है। बैक्टीरियल ब्लाइट के अलावा, फसल जिंक की कमी से भी पीड़ित है। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के अधिकांश किसान पिछले 10 वर्षों से धान की खेती कर रहे हैं, क्योंकि सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने के साथ जल स्रोत विकसित हुए हैं।

# नौकरी चाहने वालों को फंसा रही थी महिला, अरेस्ट

### साइबर अपराध से पीड़ित हैं कई बेरोजगार युवा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) हैदराबाद टीम ने शुक्रवार को नौकरी के इच्छुक लोगों को कंबोडिया भेजने और उन्हें साइबर आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने के आरोप में मुंबई से एक महिला को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान मुंबई के चेंबूर निवासी भर्ती एजेंट प्रियंका शिवकुमार सिद्दू (30) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रियंका जो पहले एक विदेशी जॉब प्रोसेसिंग एजेंसी में काम करती थी, ने अनुभव प्राप्त किया और बाद में बिना किसी उचित लाइसेंस के अपनी एजेंसी स्थापित कर ली। चूंकि उसके पास कानूनी प्राधिकरण नहीं था, इसलिए उसने नौकरी के इच्छुक लोगों को विजिट वीजा की पेशकश करके यह वादा करके गुमराह किया कि बाद में उन्हें जॉब वीजा में बदल दिया जाएगा। इसके लिए प्रियंका ने नारायण नाम के एक व्यक्ति से संपर्क बनाया, जो मुंबई में भी ऐसी ही एक एजेंसी चलाता था। नारायण कंबोडिया गया और प्रियंका को वहां डेटा एंट्री जॉब के अवसरों के बारे में बताया और उसे जितेंदर शाह उर्फ आमेर खान नामक एक चीनी स्वामित्व वाली कंपनी झान जी के निदेशक से मिलवाया।

टीजीसीएसबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रियंका ने विवरण की पुष्टि करने के लिए कंबोडिया का दौरा किया और उन्हें भेजे गए प्रत्येक उम्मीदवार के लिए भारी कमीशन की पेशकश की गई। भारत लौटने पर, उन्होंने अपने परिचित छात्रों के लिए वीजा प्रक्रिया पूरी की और उन्हें कंबोडिया भेज दिया। संदिग्ध ने समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर विज्ञापन देकर कंबोडिया में उच्च वेतन वाली नौकरियों की पेशकश की, जिससे लोग उससे संपर्क करने लगे।

अधिकारियों ने बताया कि उसने प्रत्येक उम्मीदवार से लगभग 30,000 रुपये कमीशन के रूप में वसूले, उनके वीज़ा की प्रक्रिया पूरी की और उन्हें कंबोडिया भेज दिया, जहां साइबर आपराधिक गतिविधियों में भाग लेने से इनकार करने के बाद उन्हें गंभीर शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। ये लोग अंततः बड़ी मुश्किल से भारत लौटे। साइबर अपराध के लिए अन्य लोगों को विदेश भेजने में उसकी संलिप्तता की जांच प्रगति पर है।

## महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही पुलिस : एसपी रोहित राजू

कोत्तागुडेम, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने कहा कि यौन उत्पीड़न, रैगिंग, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और अन्य समस्याओं का सामना करने वाली महिलाओं और लड़कियों को बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला शी टीम से संपर्क करना चाहिए। एसपी ने शुक्रवार को यहां पुनर्निर्मित पुराने चुंचुपल्ली पुलिस स्टेशन में जिला शी टीम्स और एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) के नए परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शी टीम्स तेलंगाना राज्य पुलिस महिला सुरक्षा विंग (टीएसडब्लूएसडब्ल्यू) के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने और उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए स्थापित एक विशेष इकाई थी।

पीड़ित महिलाएं और लड़कियां शी टीम के फोन नंबर 8712682131 पर कॉल कर बिना किसी डर के अपनी समस्या बता सकती हैं। शी टीम के सदस्य लगातार भीड़भाड़ वाली जगहों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और कॉलेजों में गश्त कर रहे हैं ताकि बदमाशों की मौजूदगी को रोका जा सके। शिकायतकर्ताओं का विवरण गोपनीय रखा जाएगा। शिकायत मिलने के तुरंत बाद, अपराधी को शी टीम कार्यालय में बुलाया जाएगा और उसके माता-पिता की मौजूदगी में काउंसलिंग की जाएगी। रोहित राजू ने बताया कि स्थिति के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

एएचटीयू पूरे जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक शी टीम और एएचटीयू ने मिलकर 47 मामले दर्ज किए हैं, 47 छोटे-मोटे मामले (रंगदार हाथ मामले) दर्ज किए हैं और विभिन्न पुलिस थानों की सीमा के अंतर्गत 92 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

अतिरिक्त एसपी (संचालन) परितोष पंकज, कोत्तागुडेम डीएसपी अबुदुल रहमान, सीआई वेंकटेश्वरलू, नागराजू, श्रीनिवास, करुणाकर, रमेश और जितेंद्र, शी टीम प्रभारी सीआई नागराजू रेड्डी, आरएसआई रमा देवी और अन्य उपस्थित थे।

## सतत प्रौद्योगिकी पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने शुक्रवार को सतत ऊर्जा, सामग्री और विनिर्माण प्रौद्योगिकी (आईसीएएसएमएमटी-2024) में प्रगति पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में वैश्विक भागीदारी रही, जिसमें 380 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 250 से अधिक की सावधानीपूर्वक समीक्षा की गई तथा सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ.के. श्रीनिवास राव ने टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में सहयोगी प्रयासों के महत्व पर बल दिया और सह-अध्यक्ष प्रो.एम. वेंकटेश्वर रेड्डी, सामान्य अध्यक्ष डॉ.एम. सत्यनारायण गुप्ता और संयोजक डॉ. बलराम येलामसेट्टी ने भी सभा को संबोधित किया। बिट्स पिलानी, हैदराबाद से डॉ. अमित कुमार गुप्ता और डॉ. जयप्रकाश शर्मा ने मुख्य भाषण दिए।

एमएलआर इंस्टिट्यूशंस के संस्थापक सचिव, मलकाजगिरी के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने कहा कि संस्थान हमेशा छात्र और शिक्षक समुदाय के लाभ के लिए ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करता है।

## बस की चपेट में आने से बच्ची की मौत

### लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को डुंडीगल के मल्लमपेट में एक निजी स्कूल बस की चपेट में आने से 5 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बताया जाता है कि एक अंतर्राष्ट्रीय स्कूल की पहली कक्षा की छात्रा के. महान्विता अनजाने में वाहन के सामने आ गई, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, बस चालक महानविता को देख पाने में चूक गया और उसने स्कूल बस को आगे बढ़ा दिया, जिससे लड़की की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की कथित तौर पर बस के सामने खड़ी थी, जिससे चालक का ध्यान बस पर नहीं गया। सूचना मिलने पर डुंडीगल पुलिस ने मौके पर जाकर जांच शुरू की। बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया है।

इस बीच, महानविता के माता-पिता ने बस चालक और स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने घटना को कमतर आंकने की कोशिश की और चालक को बचाने का प्रयास किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया।

## ब्रह्मोत्सव की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई

तिरुमाला, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी 4 से 12 अक्टूबर तक चलने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर, टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी के साथ विभिन्न विभागों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक शुक्रवार शाम को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में हुई। जेईओ वीरब्रह्मम और सीवीएसओ श्रीधर ने भी भाग लिया। ईओ ने सतर्कता अधिकारियों को 8 अक्टूबर को गरुड़ सेवा के दिन अतिरिक्त पार्किंग स्लॉट स्थापित करने के लिए कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। वर्तमान में, तिरुमाला में मौजूदा क्षेत्र लगभग 11,000 वाहनों को पार्क करने के लिए पर्याप्त हैं, जिनमें दोपहिया और चार पहिया वाहन दोनों शामिल हैं। अतिरिक्त पार्किंग स्लॉट की योजना बनाएं और बुंडोबस्ट, अतिरिक्त मैनपावर, सीसीटीवी, अतिरिक्त लगेज सेंटर व्यवस्था के लिए स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय करें, ईओ ने निर्देश दिया। इसके बाद ईओ ने इंजीनियरिंग कार्यों, परिवहन, आवास, जल एवं अन्नप्रसाद वितरण, श्रीवारी सेवकों की पर्याप्त तैनाती, उद्यान शाखा द्वारा सजावट, लड्डुओं का पर्याप्त स्टॉक, सर्वश्रेष्ठ नृत्य मंडली का चयन, अतिरिक्त शौचालय और अन्य गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की। इससे पहले ईओ ने संबंधित अधिकारियों के साथ लड्डू कॉम्प्लेक्स और पोटू का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लड्डू काउंटर, बूंदी पोटू का दौरा किया, लड्डू वितरण की प्रक्रिया, बूंदी बनाने की प्रक्रिया की निगरानी की और निर्देश दिया कि श्रीवारी पोटू का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा।

## एक शाम वीर तेजाजी महाराज के नाम जागरण आयोजित

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोनगिरी स्थित डोलफिन होटल के पीछे वीर तेजाजी महाराज के मंदिर प्रांगण में भादव मास के पावन अवसर पर दो दिवसीय वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण गुरुवार 12 सितंबर एवं शुक्रवार 13 सितंबर पुजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम जाट समाज वीर तेजाजी नवयुवक मंडल समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे नवयुवक मंडल के कोषाध्यक्ष धर्माराम कड़वा व सहकोषाध्यक्ष मोहनलाल चांगल ने संयुक्तरूप से बताया कि हर वर्ष की भांति भादव मास के पावन अवसर पर वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित किया गया। मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर वीर तेजाजी महाराज का विशेष श्रृंगारकर, पूजा-अर्चना व आरती के पश्चात पधारे भक्तों एवं समाज बन्धुओं के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे संत श्री सोनुजी महाराज ने भजनों के पुष्प अर्पित किये गये। समाज बन्धुओं ने वीर तेजाजी महाराज अमर रहे के नारे लगाकर नाचते-गाते हुए मंदिर प्रांगण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में पधारे मुख्यअतिथि भोनगिरी विधायक के. अनिल कुमार रेड्डी व सम्मानित अतिथियों का पुष्प-माला, साफा व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। समाज बन्धुओं ने शुक्रवार 13 सितंबर प्रातः वेला में पुजा-अर्चनाकर दर्शन-वंदन, श्री तेजाजी महाराज के चरणों में श्रीफल व श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रातः 11.30 बजे से महाप्रसादी की व्यवस्था की गयी।

## ज्योतिषी वेणु स्वामी के खिलाफ मामला दर्ज करे पुलिस : कोर्ट

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय समाचार चैनल के पत्रकार की याचिका के बाद, एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को शहर की पुलिस को ज्योतिषी वेणु स्वामी के खिलाफ मामला दर्ज करने और गहन जांच करने का निर्देश दिया है। यह कानूनी कार्रवाई पत्रकार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है, जिसमें उन्होंने वेणु स्वामी पर ज्योतिष की आड़ में कई व्यक्तियों को धोखा देने का आरोप लगाया था। हाल ही में अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि पत्रकार को निशाना बनाया गया है तथा ज्योतिषी की कथित गतिविधियों को उजागर करने के कारण उसकी जान को खतरा है।

वकील ने वेणु स्वामी पर आम लोगों, मशहूर हस्तियों, राजनेताओं और फिल्म अभिनेताओं सहित निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का कथित दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। याचिका की जांच के बाद अदालत ने जुबली हिल्स पुलिस को मामला दर्ज करने और मामले की व्यापक जांच करने का आदेश दिया।

# आईटी क्षेत्र में नई प्रतिभाओं के लिए प्रमुख केंद्र बना तेलंगाना

### औसतन 55,00 से अधिक नई प्रतिभाएं हो रहीं स्नातक

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दशक में तेलंगाना सरकार द्वारा युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए सक्रिय कदमों और दूरदर्शी दृष्टिकोण के अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। तेलंगाना आईटी क्षेत्र में नई प्रतिभाओं के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, जहां प्रतिवर्ष औसतन 55,00 से अधिक नई प्रतिभाएं कंप्यूटर विज्ञान, आईटी और संबंधित पृष्ठभूमि से स्नातक हो रही हैं, जैसा कि विश्व व्यापार केंद्र, शमशाबाद की तेलंगाना की विकास कहानी-1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का मार्ग पर रिपोर्ट में बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, नई प्रतिभाओं के इस आंकड़े के कारण तेलंगाना देश में दूसरे स्थान पर है। उपलब्ध नई प्रतिभाओं के आंकड़े आईटी प्रतिभा के केंद्र के रूप में तेलंगाना की बढ़ती प्रमुखता को उजागर करते हैं। रिपोर्ट में व्हीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि कंप्यूटर विज्ञान, आईटी और संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या पैदा करने के अलावा, राज्य में देश में 18-21 वर्ष की आयु के रोजगार योग्य युवाओं का प्रतिशत सबसे अधिक है।

रोजगार योग्य युवाओं का उच्च प्रतिशत यह दर्शाता है कि राज्य युवा वर्ग के बीच कौशल विकास और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो पिछले 10 वर्षों में विकसित हो रहे रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप है। जिनोव डेटा का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना देश में सेमीकंडक्टर वैश्विक क्षमता केंद्रों की प्रतिभा आवश्यकता का 21 प्रतिशत और इंजीनियरिंग, अनुसंधान और विकास (ईआरएंडडी) जीसीसी प्रतिभा आवश्यकताओं का 13 प्रतिशत पूरा करता है।

## पानी की टंकी में मृत पाया गया युवक

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर में शुक्रवार को एक अपार्टमेंट परिसर के पार्किंग क्षेत्र में पानी की टंकी में 21 वर्षीय एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या वह दुर्घटनावश फिसलकर टैंक में गिर गया या फिर यह हत्या थी। शांति नगर में रहने वाले एक निजी कर्मचारी नवीन को अपार्टमेंट के निवासियों ने मृत पाया। मृतक के शरीर पर कई बाहरी चोटें थीं, जिससे उसकी मौत पर संदेह पैदा हो गया। जवाहरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# बांग्लादेश के खिलाफ 10 रिकॉर्ड बना सकता है भारत

## साउथ अफ्रीका से ज्यादा टेस्ट जीतने का मौका; कोहली 27,000 रन के करीब

### सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाली टीमें

| टीम | मैच | जीत | हार | ड्रॉ | टाई |
|---|---|---|---|---|---|
| ऑस्ट्रेलिया | 866 | 414 | 232 | 218 | 2 |
| इंग्लैंड | 1077 | 397 | 325 | 355 | 0 |
| वेस्टइंडीज | 580 | 183 | 214 | 182 | 1 |
| सा. अफ्रीका | 466 | 179 | 161 | 126 | 0 |
| भारत | 579 | 178 | 178 | 222 | 1 |

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश ने 2 टेस्ट की सीरीज के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी, चेन्नई में पहला और कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। सीरीज में टीम इंडिया और भारतीय प्लेयर्स 10 बड़े रिकॉर्ड्स को अपने नाम कर सकते हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने के मामले में भारत के पास साउथ अफ्रीका को पीछे छोड़ने का मौका है।

टीम इंडिया ने 579 में से 178 मुकाबले जीते हैं, टीम बांग्लादेश को दोनों मैच हराकर 180 जीत हासिल कर लेगी। साउथ अफ्रीका फिलहाल 179 जीत के साथ चौथे नंबर पर है। 414 जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले, 397 जीत के साथ इंग्लैंड दूसरे और 183 जीत के साथ वेस्टइंडीज तीसरे नंबर पर है।

**पहला टेस्ट जीतकर भी इतिहास रचने का मौका**

टीम इंडिया बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट जीतकर भी इतिहास रच देगी। 92 साल के भारतीय क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार ही होगा, जब देश की टेस्ट जीत की संख्या हार से ज्यादा होगी। फिलहाल भारत ने 178 टेस्ट जीतने के साथ ही 178 टेस्ट गंवाए भी हैं। भारत ने इस दौरान 212 टेस्ट ड्रॉ भी खेले। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के नाम ही टेस्ट में हार से ज्यादा जीत हैं। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 में से 11 टेस्ट जीते हैं, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ खेले। 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर टीम इंडिया के पास बांग्लादेश पर साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान से ज्यादा टेस्ट जीतने का मौका है। दोनों देशों ने बांग्लादेश को 12-12 टेस्ट हराए हैं। श्रीलंका सबसे ज्यादा 20 टेस्ट बांग्लादेश को हरा चुका है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड 14-14 जीत के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

**विराट के पास 9000 टेस्ट रन पूरे करने का मौका**

भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं। उनके नाम फिलहाल 113 टेस्ट में 8,848 रन हैं। वह बांग्लादेश के खिलाफ 152 रन बनाकर 9,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

वह ऐसा करने वाले चौथे ही भारतीय होंगे, उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर ही ऐसा कर सके हैं।

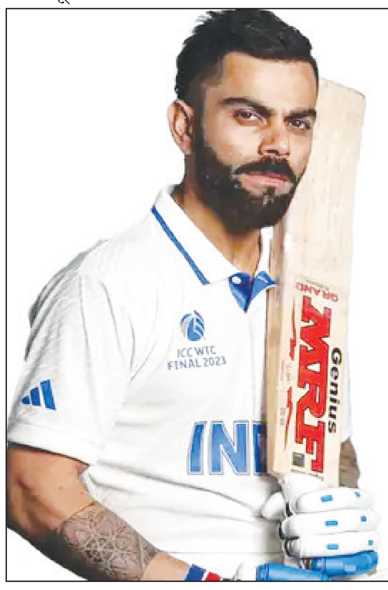

**विराट कोहली का टेस्ट करियर**

**8848 रन**

मैच 113 | सेंचुरी 29

फिफ्टी 30 | बेस्ट 254*

# लंदन से सीधे चेन्नई पहुंचे कोहली

## कप्तान रोहित, बुमराह, राहुल और पंत भी दिखे; 19 सितंबर से बांग्लादेश से मुकाबला

चेन्नई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से 7 दिन पहले चेन्नई पहुंच गए हैं। कोहली शुक्रवार सुबह 4 बजे की फ्लाइट से चेन्नई पहुंचे। उनका चेन्नई एयरपोर्ट से निकलते हुए वीडियो आया है, इसमें कोहली कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से निकलते दिखाई दे रहे हैं।

गुरुवार रात कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और विकेटकीपर ऋषभ पंत को टीम बस पर चढ़ते देखा गया। कोहली बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। टीम इंडिया को यहां 19 सितंबर से पहला टेस्ट खेलना है। ऐसे में विराट प्री-सीरीज प्रैक्टिस के लिए यहां पहुंचे हैं।

**जनवरी के बाद टेस्ट खेलेंगे कोहली**

विराट कोहली जनवरी 2024 के बाद टेस्ट मैच खेलेंगे। उन्होंने आखिरी मुकाबला साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेला था। घरेलू मैदानों की बात करें तो कोहली ने अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च 2023 में आखिरी मैच खेला था। उसके बाद बेट अकाय के जन्म के कारण वे निजी कारणों से ब्रेक पर चले गए थे।

**बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम**

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

# डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा और अविनाश साबले संभालेंगे भारतीय चुनौती

ब्रुसेल्स, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले 2024 डायमंड लीग फाइनल में भारतीय उम्मीदों की अगुआई करेंगे, जो 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडौइन स्टेडियम में होने वाली है। इस साल के डायमंड लीग

के अंतिम संस्करण के रूप में, एलियांज मेमोरियल वैन डेम में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट अपने-अपने वर्गों में जीत हासिल करने और अपनी छाप छोड़ने के लिए एक आखिरी मौके की तलाश में होंगे। पहले दिन, भारतीय 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में पदार्पण करेंगे।

# 'आप जीत-हार से नहीं डरते, कोई बोझ नहीं है और ये आपका सबसे बड़ा गुण'

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पैरालंपिक में इतिहास रचने वाले एथलीट्स से मुलाकात की। भारतीय पैरा एथलीटों ने पेरिस पैरालंपिक में रिकॉर्ड 29 पदक जीते थे, जिसमें सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य शामिल हैं। भारतीय दल मंगलवार को लौटा और प्रधानमंत्री मोदी ने उनका नई दिल्ली में अपने आवास पर अभिनंदन किया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से पैरालंपिक में उनके अनुभव साझा करने को कहा। साथ ही पीएम ने खिलाड़ियों का हौसला भी बढ़ाया। पुरूषों की चक्काफेंक एफ56 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले योगेश कथुनिया ने कहा, 'प्रदर्शन में

निरंतरता आपकी वजह से आई है। आपके द्वारा शुरू की गई योजनाओं की वजह से यह संभव हुआ। हर किसी के लिये पीएम का मतलब प्रधानमंत्री, लेकिन हमारे लिए आप परम मित्र हैं।' इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। मैं भी आप सभी के साथ मित्र की तरह काम करना चाहता हूं।' लगातार दूसरे पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि टोक्यो में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री मोदी से किया वादा निभाकर उन्हें अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, 'यह मेरा लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। तब मैं टोक्यो से स्वर्ण जीतकर आया तो आपने मुझसे वादा लिया था कि ऐसे दो स्वर्ण और चाहिए। तो सर यह दूसरा स्वर्ण आपके लिए है। मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन 20 अगस्त को आपसे बात करने के बाद मुझे प्रेरणा मिली। मैं अपनी टीम की ओर से आपको धन्यवाद देता हूं क्योंकि हमें लगा कि पदक के साथ लौटेंगे तो आपसे मिल सकेंगे, आपसे बात कर सकेंगे।'


भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र

भाकृअनुप ICAR

IIMR भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ICAR-Indian Institute of Millets Research

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद–500 030 तेलंगाना, दूरभाष : 040-24599300 वेबसाइट : www.millets.res.in

मानानीय प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षित-श्री अन्न (मिलेट्स) के वैश्विक प्रसार की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी कार्य

- किसानों तथा छात्रों को प्रशिक्षण
- राज्य मिलेट मिशन में सहयोग
- किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को सहयोग
- श्री अन्न प्रसार हेतु विभिन्न सार्वजनिक व निजी संस्थानों के साथ समझौते
- श्री अन्न की विविध प्रौद्योगिकियों हेतु लाइसेंस प्रदान करना
- श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन प्रौद्योगिकियों का सतत विकास
- नवोद्यम उज्वलन तथा उष्मायन (इन्कुबेशन) सुविधाएं
- श्री अन्न व्यंजन पर व्यवहारिक प्रशिक्षण

श्री अन्न विशेषताओं के संदर्भ में डॉ. सी तारा सत्यवती एवं किसानों से चर्चा करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी कार्य

- भारत सरकार के द्वारा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयन
- महर्षि योजना का सचिवालय
- जी 20 बैठक के दौरान कई देश के कृषि मंत्रियों का दौरा
- 18 विविध देशों के साथ समझौते विचाराधीन
- विदेशी प्रशिक्षार्थियों के दौरे
- चार सौ से ज्यादा स्टार्टअपों को सहायता तथा उनके द्वारा निर्यात को बढ़ावा

श्री अन्न आहार

स्वस्थ परिवार

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं - डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक

# महापौर ने इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत सिलाई मशीन सेंटर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर ने खुलासा किया है कि राज्य सरकार इंदिरा महिला शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के लिए आर्थिक और सामाजिक प्रगति की ओर बढ़ रही है। उसी के तहत शुक्रवार को महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बोला नगर के सहारा ग्रुप के सदस्यों के लिए सिलाई मशीन सेंटर की स्थापना की और 4 लाख की आर्थिक सहायता वितरित की। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि ग्रेटर में लगभग 47,960 स्वयं सहायता समितियों में 4,47,631 महिलाएं सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा महिला शक्ति के तहत इस वित्तीय वर्ष में 7000 उद्यम समूहों और व्यक्तिगत महिलाओं को कुल 410 करोड़ रुपये वितरित किये जायेंगे। महापौर ने कहा कि माइक्रो क्रेडिट के माध्यम से 1718 समूहों को 186.25 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिल चुकी है। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त (यूसीडी) चंद्रकांत रेड्डी, जोनल कमिश्नर रवि किरण, यूसीडी अधिकारी, सहारा समूह के सदस्य और अन्य लोगों ने भाग लिया।

## हैदराबाद में कई बीआरएस नेता नजरबंद

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शुक्रवार को शहर के कई बीआरएस नेताओं को नजरबंद कर दिया, क्योंकि उन्होंने कुकटपल्ली में पीएसी अध्यक्ष अरेकापुडी गांधी के घर पर एक रैली और बैठक का आह्वान किया था। पूर्व मंत्री हरीश राव को नानकरामगुडा, पी सबिता इंद्र रेड्डी को श्रीनगर कॉलोनी और तलसानी श्रीनिवास यादव को पश्चिम मरेडपल्ली में नजरबंद रखा गया। दूसरी ओर, बीआरएस नेताओं ने एक रैली में भाग लेने का फैसला किया है जो एमएलसी शंभीपुर राजू के घर से शुरू होगी। इस पृष्ठभूमि में, उनके आवास पर भारी संख्या में पुलिस तैनात की गई थी। गांधी और हुजूराबाद विधायक कौशिक रेड्डी के आवासों पर भी भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

## खम्मम में बीआरएस नेता लिए गए हिरासत में

खम्मम, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर शुक्रवार को जिले भर में कई बीआरएस नेताओं को हिरासत में लिया गया। बीआरएस पार्टी के चिंताकणी मंडल अध्यक्ष पेंटयाला पुल्लैया को पार्टी नेताओं जी हनुमंत राव, शेख जानी मिया, पी एडुकोंडालु, पिन्नेल्ली श्रीनिवास राव, बी वेंकट रामा राव और अन्य के साथ हिरासत में ले लिया गया। इसी तरह, वायरा में कई बीआरएस नेताओं को हिरासत में लिया गया और उन्हें स्थानीय पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया।

## मेदक में कई बीआरएस नेता हिरासत में

संगारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कई नेताओं को तत्कालीन मेदक जिले में एहतियातन हिरासत में ले लिया गया, जब वे पार्टी नेतृत्व के 'चलो हैदराबाद' आह्वान के तहत हैदराबाद जाने की तैयारी कर रहे थे। सिद्दीपेट पुलिस ने चिन्नाकोदुरु, सिद्दीपेट, नागंगुर और अन्य मंडलों में कई बीआरएस नेताओं को हिरासत में लिया। जहीराबाद में पार्टी नेता नामा रवि किरण, बंदी मोहन और कई अन्य नेताओं को शुक्रवार सुबह हिरासत में लिया गया।

## पुराने करीमनगर में हिरासत में लिए गए बीआरएस कार्यकर्ता

करीमनगर, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के सदस्यों को शुक्रवार सुबह करीमनगर जिले में पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया। बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सिद्दीपेट विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव और अन्य पार्टी नेताओं को समर्थन देने के लिए हैदराबाद जाने का फैसला किया था , जिन्हें हुजुराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और सेरिलिंगमपल्ली विधायक अरेकापुडी गांधी के बीच संघर्ष के सिलसिले में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में लेकर उनकी योजना को विफल कर दिया। करीमनगर में बीआरएस नगर अध्यक्ष चल्ला हरिशंकर और कुछ अन्य लोगों को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया और टाउन-2 पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। जगतियाल जिले के कथालापुर मंडल में मार्कफेड के पूर्व चेयरमैन लोका बापुरेड्डी, पूर्व जेडपीटीसी नागम भूमैया और अन्य को हिरासत में लिया गया।

कोरुतला शहर, इब्राहिमपट्टनम और जिले के अन्य मंडलों में भी कई पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। पेद्दापल्ली में, गोदावरीखानी में पामुकुंतला भास्कर, परलापल्ली रवि, जेवी राजू, डोम्मेती वासु, चिंटू, नीलारापु रवि और अन्य सहित कुछ बीआरएस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.